नई दिल्ली

रविवार, 7 अप्रैल 2024

चैत्र मास कृष्ण पक्ष,
चतुर्दशी वर्ष : 27, अंक : 361
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 35
न्यून. 20

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

पीएम के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

मोदी-मोदी के नारे से गूंजा पूरा गाजियाबाद

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में चुनाव का शंखनाद कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सहारपुर

के बाद गाजियाबाद में रोड शो किया जिसमें लोगों ने जमकर मोदी मोदी के नारे लगाए। पीएम मोदी की इस रैली में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। बता दें पश्चिम यूपी में पीएम नरेंद्र मोदी प्रचार की शुरूआत कर चुके हैं। पीएम मोदी शेष पेज 5 पर

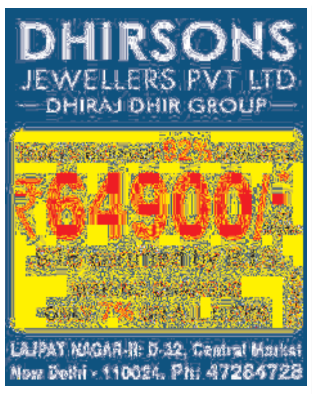

आरबीआई ने लगाया 1 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश में सिर्फ बैंकों के रेग्युलेशन का ही नहीं, बल्कि

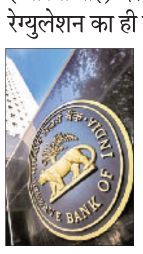

नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों का भी रेग्युलेशन करता है। ऐसे में उनकी कोई भी भूल-चूक या नियमों का उल्लंघन आरबीआई की निगाह से बच नहीं सकत। तभी तो आरबीआई ने एलआईसी की हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर लाखों रुपए का जुर्माना लगाया है। जबकि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को नियमों में कोताही बरतने के चलते 1 करोड़ रुपए का जुर्माना देना है। सेंट्रल बैंक ने एक बयान जारी कर पूरे मामले की जानकारी दी है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर अगर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना लगा है, तो एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस को 49.70 लाख रुपए का जुर्माना चुकाना है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सहारनपुर में कांग्रेस पर बोला बड़ा हमला

भारत के टुकड़े वाला न्याय पत्र और दो लड़कों की यूपी में फ्लॉप फिल्म को फिर किया रिलीज

पीएम मोदी ने राम-राम से मंच पर पहुंचकर अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में देश का डंका बज रहा है

सहारनपुर से चुनावी शंखनाद करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि यूपी में दो लड़कों की फ्लॉप फिल्म फिर रिलीज हो रही है। सपा को हर घंटे अपने उम्मीदवार बदलने पड़ रहे हैं।

एजेंसी ▶▶ सहारनपुर

लोकसभा चुनाव के लिए ताबड़तोड़ रैलियां,सभाएं और रोड शो कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सहारनपुर में बड़ी चुनावी सभा की। इस मौके पर पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत सभी से राम राम करके की। इस मौके पर उन्होंने जहां केंद्र सरकार उपलब्धियां बताईं वहीं विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आपको याद होगा, यहां उत्तर प्रदेश में दो लड़कों की जो फिल्म पिछली बार फ्लॉप हो चुकी शेष पेज 5 पर

मोदी ने कहा मैं डरने वाला नहीं,हर एक काम को मिशन की तरह करता हूँ,जबकि कांग्रेस इसमें कमीशन ढूंढती है

सपा को हर घंटे उम्मीदवार बदलने पड़ रहे हैं

पीएम मोदी ने कहा कि सपा की स्थिति तो ये है कि यहां उन्हें हर घंटे अपने उम्मीदवार बदलने पड़ रहे हैं। कांग्रेस की स्थिति तो और भी विचित्र है, कांग्रेस को तो उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे। जिन सीटों को कांग्रेस अपना गढ़ मानती थी, वहां भी उसे उम्मीदवार उतारने की हिम्मत ही नहीं हो रही है। यानी विपक्षी गठबंधन अस्थिरता और अनिश्चितता का दूसरा नाम बन चुका है। इसलिए देश आज उनकी एक भी बात को गंभीरता से नहीं ले रहा है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र ने सच्चाई बयां की

प्रधानमंत्री ने कहा साथियों कांग्रेस ने एक झूठ का पुलिंदा जारी किया है। कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में भारत के टुकड़े करने की बू आती है। झूठ का यह पुलिंदा कांग्रेस की एक बहुत बड़ी सच्चाई, कांग्रेस को बेनकाब करने वाला घोषणा पत्र है। आप देखिए हर पन्ने पर भारत के टुकड़े करने की बू आ रही है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है, जो सोच आजादी के समय मुस्लिम लीग में थी।

भाजपा ने लोगों का भरोसा जीता है: पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भाजपा का स्थापना दिवस है। बहुत कम दशकों में ही भाजपा के साथ रिकॉर्ड संख्या में हमारे देशवासी जुड़े हैं। भाजपा ने लोगों का भरोसा जीता है, भाजपा ने लोगों दिल जीता है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि भाजपा राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति पर चलती है। भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को एक मजबूत शेष पेज 5 पर

हम लोकतंत्र को बचाने में लगे हैं: सोनिया गांधी

राजस्थान के जयपुर में रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। सोनिया गांधी ने कहा कि 'पीएम मोदी खुद को महान मान कर काम कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं को भाजपा में शामिल होने की धमकी दी जा रही है। आज लोकतंत्र खत्म हो गया है। हमारा देश खतरे में है। हमारे संविधान को बदलने की साजिशें की जा रही हैं। कांग्रेस इस देश और संविधान को बचाने का काम कर रही है। सोनिया गांधी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि हम लोग तानाशाही से डटकर मुकाबला करेंगे। आज देश में खाने-पीने से लेकर सभी चीजें महंगी हो गई है। कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने की अपील करते हुए जनता से कई वादे भी किए। उन्होंने कहा कि गंठबंधन की सरकार बनने पर कांग्रेस ने घोषणा पत्र में जो वादे किए हैं उसे पूरा लागू किया जाएगा।

संदेशखली के बाद मेदिनीपुर में एनआईए की टीम पर फिर हुआ जानलेवा हमला

पत्थर बरसाए, अधिकारी का सिर फोड़ा वाहनों में की तोड़फोड़... प्रकरण दर्ज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में शनिवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया। पथराव में एक अधिकारी घायल, जबकि जांच एजेंसी का एक वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। यह घटना तब हुई जब एनआईए की टीम पूर्वी मेदिनीपुर जिले में वर्ष 2022 के विस्फोट मामले में दो प्रमुख साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार करने पहुंची। हमले के बावजूद टीम दोनों को गिरफ्तार करने में कामयाब रही।

जांच एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया, पश्चिम बंगाल के भूपतिनगर विस्फोट मामले में बड़ी सफलता मिली। एनआईए ने भीड़ के कड़े प्रतिरोध के बीच दो प्रमुख साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार किया। दिसंबर 2022 में हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई थी। प्रवक्ता ने बताया, दोनों आरोपियों बलाई चरण मेइती और मनोब्रत जाना को पांच स्थानों पर शेष पेज 5 पर

ये कोई पहली बार नहीं हुआ है: रवि शंकर प्रसाद

हमले को लेकर भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कहा, क्या यह पहली बार हुआ है? क्या ईडी पर हमला नहीं हुआ था? इसके बाद भी संदेशखाली का सच सामने आया कि नहीं?अब एनआईए क्योंकि जब वो आतंकवादी-संबंधित तत्वों को पकड़ते हैं, तो हमला होता है।

संदेशखाली में हमला हुआ था

पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले में 5 जनवरी को ईडी और सीआरपीएफ की टीम टीएमसी नेता के घर रेड करने पहुंची थी। इस दौरान भीड़ ने जानलेवा हमला कर दिया। करीब 200 लोगों ने जांच एजेंसी के दो वाहनों में तोड़फोड़ की। इसमें कुछ अफसरों शेष पेज 5 पर

'मितरों, भ्रष्टाचारियों के ख़िलाफ़ एक्शन लूंगा'
एक-एक को जुमला पार्टी में भर लूंगा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा जनहित में जारी.

सोच-समझकर यौन संबंध बनाने वाली महिला की सहमति का आधार गलतफहमी नहीं हो सकती : हाईकोर्ट

व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म के मामले को रद्द करते हुए पीठ ने की टिप्पणी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि जब कोई महिला किसी पुरुष के साथ सोच-समझकर शारीरिक संबंध बनाती है, तो उसकी सहमति को गलतफहमी पर आधारित नहीं कहा जा सकता जब तक कि शादी के झूठे वादे का स्पष्ट सबूत न हो। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता ने एक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म के एक मामले को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की।

अदालत ने माना कि यह मामला उसके और महिला के बीच सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझ गया है और उन्होंने अब एक-दूसरे से शादी कर ली है। हाईकोर्ट ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह ध्यान देने योग्य बात है कि जब भी कोई महिला ऐसे कृत्य के परिणामों को पूरी तरह से समझने के बाद किसी पुरुष के साथ शारीरिक संबंध बनाने का विकल्प चुनती है, तो उसकी सहमति को गलतफहमी पर आधारित नहीं कहा जा सकता जब तक कि इस बात का स्पष्ट प्रमाण न हो कि संबंध बनाने वाले पुरुष ने उससे शादी का झूठा वादा किया था और उसे निभाने का उसका कोई इरादा नहीं था। अदालत ने कहा कि उक्त वादा तत्काल प्रासंगिक होना चाहिए और इसका महिला द्वारा यौन कृत्य में शामिल होने के निर्णय से सीधा संबंध होना चाहिए। महिला ने उस व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था और आरोप लगाया था कि उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ बार-बार शारीरिक संबंध बनाए, लेकिन बाद में व्यक्ति ने यह कहते हुए शादी करने से इनकार कर दिया कि उसके परिवार ने उसकी शादी किसी और से तय कर दी है। बाद में अदालत को सूचित किया गया कि उस व्यक्ति और शिकायतकर्ता ने अपना विवाद सुलझा लिया और अदालत में शादी कर ली। शिकायतकर्ता ने हाईकोर्ट को बताया कि वह उस आदमी के साथ खुशी से रह रही है और वह प्राथमिकी के सिलसिले में आगे बढ़ना नहीं चाहती है जोकि 'गलत धारणा' के तहत दर्ज की गई थी क्योंकि आरोपी अपने परिवार के विरोध के कारण शादी करने के लिए अनिच्छुक था। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता (पुरुष) और प्रतिवादी नंबर 2 (महिला) के बीच संबंधों की प्रकृति को देखते हुए, ऐसा नहीं लगता है कि ऐसा कोई भी कथित वादा बुरे विश्वास में या प्रतिवादी नंबर 2 को धोखा देने के लिए था, बल्कि याचिकाकर्ता के परिवार में बाद के घटनाक्रम के लिए था। अदालत ने कहा कि जब मामले की जांच चल रही थी, तब पुरुष ने स्वेच्छा से महिला से शादी की थी और इसलिए यह नहीं माना जा सकता है कि उसने शुरू में जो वादा किया था, उसे पूरा न करने के इरादे से किया था। अदालत ने कहा कि इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (दुष्कर्म के लिए सजा) के तहत कार्यवाही जारी रखने के बजाय कार्यवाही को रद्द करने से दोनों पक्षों के बीच वैवाहिक संबंधों में बेहतर सामंजस्य होगा।

उपराज्यपाल सक्सेना ने दी मेडिकल कॉलेज के सहायक प्राध्यापक को निलंबित करने की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए यौन उत्पीड़न के आरोपी दिल्ली सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेज के एक सहायक प्राध्यापक को निलंबित करने की मंजूरी दी। इस मामले पर एलजी हाउस के अधिकारियों ने शनिवार को उक्त जानकारी देते हुए बताया कि यह गंभीर मामला डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सहायक प्रोफेसर से जुड़ा है। प्रोफेसर पर गत महीने ही एक एमबीबीएस छात्रा ने शिकायत दर्ज कराते हुए सहायक प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। छात्रा की शिकायत के बाद पुलिस ने इस प्रोफेसर के खिलाफ मामला दर्ज किया था और बाद में आरोप पत्र भी दायर किया था। अधिकारियों की माने तो निलंबन आदेश में एलजी सक्सेना ने कहा कि उन्होंने सहायक प्रोफेसर को निलंबित करने और उनके खिलाफ बड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने के प्रस्ताव पर विचार किया। यौन उत्पीड़न की चौंकाने वाली घटना एक मेडिकल कॉलेज में हुई थी, इसलिए मेडिकल कॉलेज की आंतरिक शिकायत समिति की सिफारिश के अनुसार आरोपी का केवल स्थानांतरण करने से छात्रों के बीच भय व डर का माहौल बना रहता। एलजी ने कहा कि मैं सीसीएस (सीसीए) नियम, 1965 के नियम 10 के तहत अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के प्रस्ताव को मंजूरी देता हूं। उन्होंने छात्रा और प्रोफेसर के बीच के पवित्र रिश्ते को रेखांकित करते हुए कहा कि आरोपी का कथित कृत्य नैतिक अधमता से जुड़ा हुआ है। एलजी ने संबंधित विभाग को राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण (एनसीसीएसए) की उचित सिफारिशों के साथ आरोपियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने के प्रस्ताव को फिर से प्रस्तुत करने की सलाह दी। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जो पैनल के अध्यक्ष हैं वो इस समय न्यायिक हिरासत में हैं। बता दें कि कि इस घटना के बाद स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने 20 मार्च 2024 को एलजी को एक पत्र लिखकर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की अपील की थी। इस घटना को लेकर सबसे पहले फरवरी महीने में छात्रा ने कॉलेज प्रबंधन से उक्त प्रोफेसर की शिकायत की, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया लेकिन एक महीने तक कुछ नहीं हुआ। मामले को ठंडा पड़ता देख मार्च में आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू हुआ और फिर कार्रवाई शुरू हुई।

आबकारी नीति घोटाला

सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 18 तक बढ़ी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाला मामले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत शनिवार को 18 अप्रैल तक बढ़ा दी। सिसोदिया को न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया गया और विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ा दी। सिसोदिया के सहयोगी और मामले में सह आरोपी संजय सिंह

को हाल में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है, वह भी सुनवायी के लिए अदालत के समक्ष पेश हुए। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का आरोप है कि दिल्ली आबकारी नीति में सुधार करते वक्त अनियमितताएं हुईं, लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ कर दिया गया या कम कर दिया गया और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंस दिए गए। सीबीआई ने सिसोदिया को 'घोटाले' में उनकी कथित भूमिका के लिए 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने सीबीआई की प्राथमिकी से उत्पन्न धनशोधन मामले में सिसोदिया को 9 मार्च 2023 को गिरफ्तार किया था। सिसोदिया ने 28 फरवरी 2023 को दिल्ली मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

एक आरोपी पहले भी पॉक्सो एक्ट के केस में था शामिल

युवक के साथ दरिंदगी करने वाले दो भगौड़े आरोपी दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

कापसहेड़ा इलाके में एक युवक से दरिंदगी करने वाले दो भगौड़े आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनके नाम समालखा निवासी अमरजीत (29) व रामपुकार (34) बताये गये हैं।

डीसीपी रोहित मीना के अनुसार तीन अप्रैल को दोनों आरोपियों के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद उन्हें साकेत कोर्ट के पास ट्रैप लगाकर पकड़ा गया। दोनों आरोपी पिछले साल कापसहेड़ा थाने में दर्ज हुए एक जघन्य अपराध में शामिल थे। मामले में 20 वर्षीय युवक ने आरोपियों और उनके साथियों द्वारा मारपीट का आरोप लगाया था। इसके साथ ही अमरजीत पर अप्राकृतिक यौन सम्बंध बनाने का भी आरोप था। दरिंदगी यहीं खत्म नहीं हुई, उसने अपने सहयोगी की मदद से उसके निजी अंग में लोहे की पाइप, पेट्रोल व मिर्च डाली थी। इसके बाद उसे एक कमरे में बंद करके रखा गया। मामले में पुलिस ने संगीन धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी राहुल को उसी समय अरेस्ट कर लिया था, लेकिन केस के बाकी आरोपी लगातार फरार चल रहे थे। इसी साल फरवरी माह में द्वारका कोर्ट ने आरोपी अमरजीत, कमलेश, रामपुकार, सूरज और गिरजा देवी को भगौड़ा घोषित किया था। हालांकि बाद में पुलिस ने गिरजा देवी, कमलेश और सूरज को पकड़ लिया था। आरोपी अमरजीत पहले भी दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के एक केस में शामिल रहा है।

छात्र की पिटाई के बाद डंडा गुप्त अंग में डाला, सहपाठी पकड़ा

एजेंसी नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के एक स्कूल में कथित तौर पर14 वर्षीय लड़के की उसके सहपाठी ने पिटाई कर दी और उसके निजी अंग में डंडा डाल दिया। इसके खिलाफ बाद में पूर्वी दिल्ली में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी को पकड़ लिया गया है और किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया। उसने बताया कि पीड़ित के परिवार ने संदेह जताया है कि इस मारपीट की घटना में और छात्र हो सकते हैं। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अपूर्व गुप्ता ने बताया कि घटना दो अप्रैल को एक निजी स्कूल के परिसर में हुई। पीड़ित आठवीं कक्षा का छात्र है और कथित तौर पर कुछ मुद्दों पर आरोपी के साथ उसका झगड़ा हो गया था। गुप्ता ने बताया कि पीड़ित ने पुलिस को बताया कि नकाबपोश उसके एक सहपाठी ने उसकी पिटाई की और उसके निजी अंगों में लकड़ी डाल दी। आरोपी ने उसे मारपीट के बारे में किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि चिकित्सकों ने जानकारी दी है कि लड़के के गुदा में कोई वस्तु डाली गई थी, जिससे उसे चोटें आई हैं। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद पीड़ित के माता-पिता और रिश्तेदारों ने कार्रवाई की मांग को लेकर तीन अप्रैल को स्कूल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की काउंसलिंग की गई और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अधिकारी ने बताया कि मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 341 (गलत तरीके से रोकने की सजा), 377 (अप्राकृतिक अपराध), 506 (आपराधिक धमकी) और यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (पॉक्सो) के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है।

मशीन पार्ट्स के नाम पर ठगी करने वाला रायपुर से गिरफ्तार

ठगी के लिए करता था सोशल मीडिया का इस्तेमाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी जिले की पुलिस ने एक जालसाज को अरेस्ट किया है। इस पर मशीन पार्ट्स बनाने वाली एक नामी कंपनी के नाम पर फ्रॉड करने का आरोप है। आरोपी का नाम नालंदा, बिहार निवासी रोशन कुमार (25) बताया गया है। इसके पास सात मोबाइल फोन सिमकार्ड के साथ, चार एटीएम कार्ड, फर्जी स्टैंप और अन्य कागजात बरामद किए गए हैं।

आरोपी फेसबुक और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सस्ती मशीनों का विज्ञापन देकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। अभी तक की जांच में देश भर में 20 से ज्यादा लोगों से लाखों रुपए की ठगी की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार नईम पाशा नाम के एक कारोबारी ने 5.70 लाख रुपये ठगी की शिकायत दी थी। बताया गया कि उन्हें कुछ मशीन और उसके पार्ट्स चाहिए थे। पिछले साल अगस्त माह में उन्होंने फेसबुक पर एक विज्ञापन देखा। उसमें रायपुर की एक नामी कंपनी की तरफ से कम कीमत पर सामान उपलब्ध कराने की बात कही गई थी। पीड़ित ने बातचीत कर 5.70 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। बदले में कंपनी ने उन्हें बिल भी भेजे थे। हालांकि काफी वक्त बीत जाने के बाद भी उनके पास मशीन नहीं पहुंची। बाद में उन्हें धोखाधड़ी का एहसास हुआ और पुलिस का दरवाजा खटखटाया। जांच बिल और कुरियर स्लिप पर केंद्रित हुई। सभी फर्जी निकली। इसके बाद बैंक अकाउंट खंगाले गए। ठगी गई रकम रायपुर के एटीएम से निकाली गई थी। पुलिस ने रायपुर पहुंच आरोपी को दबोच लिया। आरोपी चेन्नई की एक फैक्टरी में इस तरह की मशीन बनाने का काम कर चुका है। उसने 12 साल वहां काम किया था। बड़े परिवार का गुजारा ठीक नहीं चल रहा था। इसलिये इसने ठगी का रास्ता अख्तियार कर लिया था।

डकैती केस में वांटेड नाबालिग राजस्थान से पकड़ा

नई दिल्ली। सराय रोहिल्ला इलाके में हुई डकैती में वांटेड नाबालिग को राजस्थान से पकड़ा गया है। इसने सात अन्य गैंग मेंबर के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। करीब 15 लाख की डकैती में इसके हिस्से में दो लाख रुपये आये थे। उस रकम से इसने कार खरीदी थी। बाकी सात आरोपी अभी जेल में बंद है। नाबालिग आरोपी आठ माह से फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक पिछले साल 21 जुलाई को शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन के पास दो बाइकों पर आए छह बदमाशों ने वेलाराम नामक व्यक्ति पर रॉड से हमला कर 14 लाख 96 हजार 600 रुपए लूट लिए थे। पुलिस ने सराय रोहिल्ला थाने में मुकदमा दर्ज कर पता लगाया कि वारदात में कुल नौ आरोपी शामिल थे। इनमें तीन वारदात की साजिश का हिस्सा थे। पुलिस द्वारा मामले में पकड़े जा चुके सात आरोपी अभी न्यायिक हिरासत में चल रहे हैं। नाबालिग आरोपी को सीकर राजस्थान से दबोचा गया। इसने अपने हिस्से में आई दो लाख की रकम से एक सेकेंड हैंड कार खरीद ली थी। आरोपी ने दावा किया उसकी कार एक अन्य केस में राजस्थान पुलिस जब्त कर चुकी है। पुलिस इसके दावे को वैरिफाई कर रही है।

40 करोड़ की हेरोइन के साथ तस्कर धरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

स्पेशल सेल की दक्षिणी रेंज टीम ने नारकोटिक्स सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुये 40 करोड़ की हेरोइन जब्त की है। इस सिलसिले में एक शख्स गिरफ्तार हुआ है। आरोपी ने ड्राइवर केबिन में फ्यूज बॉक्स में 10 किलो हेरोइन छिपाकर रखी हुई थी। बरामद हेरोइन मणिपुर से लाई गई थी और दिल्ली एनसीआर, पंजाब और राजस्थान में सप्लाई होनी थी।

पुलिस के अनुसार टीम उत्तर पूर्वी राज्यों से आने वाली ड्रग्स पर लगातार काम कर रही है। कई सिंडिकेट पकड़े जा चुके हैं। हाल में सूचना मिली थी कि सरवन बिश्नोई (37) निवासी सारनो की ढाणी, गुड़ा विश्नोइयान, जोधपुर ड्रग्स के साथ ट्रक से दिल्ली पहुंचेगा। बिश्नोई की गिरफ्तारी के लिये ओखला औद्योगिक क्षेत्र में ट्रैप लगाया गया था। राजस्थान पंजीकरण के ट्रक को ओखला एस्टेट मार्ग पर ट्रेस किया गया। ट्रक चालक की पहचान सरवन बिश्नोई के रूप में हुई। उस समय वह अपने साथी का इंतजार कर रहा था। वाहन की तलाशी लेने पर 10 पैकेटों में भरी हेरोइन केबिन के फ्यूज बॉक्स से बरामद हुई। लगातार पूछताछ करने पर गिरफ्तार आरोपी ने खुलासा किया कि उसने हेरोइन की खेप इंफाल, मणिपुर स्थित एक व्यक्ति से खरीदी थी। सह-आरोपियों का पता लगाने का पुलिस प्रयास कर रही है। आरोपी पिछले पांच वर्षों से इस धंधे में लिप्त है। हेरोइन लाने पर हर बार उसे प्रति किलो 20 हजार रुपये मिलते थे।

नसीरपुरः खिलौना फैक्ट्री में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। पालम इलाके के नसीरपुर में शनिवार तड़के एक खिलौना बनाने वाली तीन मंजिला फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। आग से लाखों का माल खाक हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार पालम, द्वारका के पास स्थित नसीरपुर में शनिवार सुबह पौने छह बजे खिलौना बनाने की फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ग्राउंड फ्लोर से लेकर चौथी मंजिल तक पहुंच गई। सूचना मिलते ही मौके पर एक-एक करके करीब 20 दमकल गाड़ियां पहुंची। करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत की बात यह रही कि सुबह जिस समय हादसा हुआ, उस समय फैक्ट्री में काम नहीं चल रहा था। इस वजह से किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग का कहना है कि चार मंजिला बिल्डिंग में खिलौने बनाने का काम चलता था। दो पार्ट में यह बिल्डिंग बनी हुई है। दोनों ही बिल्डिंग में खिलौने बनते थे। आग कैसे लगी है इसकी तहकीकात पुलिस कर रही है।

सीबीआई ने बाल तस्करी गिरोह के सात सदस्यों को किया गिरफ्तार

अभियान के दौरान दो शिशुओं को बचाया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सोशल मीडिया विज्ञापनों के माध्यम से निःसंतान दंपतियों को बच्चे बेचने वाले सात लोगों को गिरफ्तार करके बाल तस्करों के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया और अभियान के दौरान दो शिशुओं को बचाया है।

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सीबीआई ने शुक्रवार शाम को दिल्ली और हरियाणा में सात स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया। एजेंसी के अधिकारियों ने डेढ़ दिन और 15 दिन के दो शिशुओं को बरामद किया, जिन्हें गिरोह बेचने की योजना बना रहा था। सीबीआई ने गिरोह के सात सदस्यों को पकड़ा, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार लोगों में सोनीपत का नीरज और दिल्ली के पश्चिम विहार की इंदु पवार, पटेल नगर का असलम, कन्हैया नगर की पूजा कश्यप, मालवीय नगर की अंजलि, कविता और रितु शामिल हैं। गिरोह फेसबुक पेज और व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन के जरिए बच्चे गोद लेने के इच्छुक निःसंतान दंपतियों से संपर्क करता था। सीबीआई प्रवक्ता ने अभियान के बारे में बताया कि गिरोह के लोग वास्तविक माता-पिता के साथ-साथ 'सरोगेट' माताओं से भी बच्चे खरीदते थे और उसके बाद शिशुओं को चार से छह लाख रुपये प्रति बच्चे की कीमत पर बेचते थे। ये आरोपी गोद लेने से संबंधित दस्तावेज में फर्जीवाड़ा करके कई निःसंतान दंपतियों से लाखों रुपये की ठगी करने में भी शामिल थे। तलाशी के दौरान, सीबीआई ने 5.5 लाख रुपये नकद और अन्य दस्तावेज जब्त किए। सीबीआई ने गिरफ्तार आरोपियों सहित 10 लोगों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के विभिन्न प्रावधानों और किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि शिशु तस्करों का एक नेटवर्क गोद लेने के उद्देश्य के साथ-साथ अन्य अवैध उद्देश्यों के लिए भी भारत भर में शिशुओं की खरीद और बिक्री में शामिल है।

अमानतुल्ला खान के खिलाफ ईडी की अर्जी पर आदेश सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली वक्फ बोर्ड की नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में समन से बचने के लिए आप विधायक अमानतुल्ला खान के खिलाफ ईडी की एक अर्जी पर शनिवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा नौ अप्रैल को फैसला सुनाएंगी।

पूर्व आयुक्त के कार्यकाल में कई वीवीआईपी थे जेल में

तिहाड़ जेल में वीवीआईपी कैदियों को 'बड़ी सावधानी' से रखना पड़ता हैः नीरज कुमार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के पूर्व आयुक्त नीरज कुमार ने कहा है कि तिहाड़ में वीवीआईपी कैदियों को 'काफी सावधानी' से रखना पड़ता है क्योंकि उन पर हमला होने या उन्हें खतरा होने की आशंका हमेशा बनी रहती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनके पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येन्द्र जैन और मनीष सिसोदिया समेत कई वीवीआईपी लोग तिहाड़ जेल में बंद हैं। कुमार महानिदेशक (जेल) के रूप में भी कार्यरत रहे हैं। एक समाचार एजेंसी से बातचीत में कुमार ने कहा कि उन्हें तिहाड़ जेल में अपने कार्यकाल के दौरान 'अधिकतम संख्या में वीवीआईपी का ध्यान रखने' का मौका मिला था। उन्होंने कहा कि मुझे अधिकतम संख्या में वीवीआईपी का ध्यान रखने का मौका मिला था। यह वह समय था जब राष्ट्रमंडल खेल घोटाला हुआ था।

सुरेश कलमाड़ी, कनिमोइ, ए राजा (2जी स्पेक्ट्रम घोटाला) से लेकर, रिलायंस के लोग, सीडब्ल्यूजी, अमर सिंह, आईएएस अधिकारी, आईपीएस अधिकारी वहां थे। एक वीवीआईपी कैदी की दिनचर्या के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें किसी अन्य विचाराधीन कैदी की तरह ही दिनचर्या का पालन करना होता है। उन्होंने कहा कि जब किसी वीआईपी को जेल में रखा जाता है तो उन्हें रखने में काफी सतर्कता बरती जाती है। केजरीवाल जेल के अंदर हैं। उन्हें किसी बैरक या किसी सेल में नहीं रखा जाएगा और सुरक्षा पहलू को ध्यान में रखते हुए बहुत सावधानी से चुनी गई जगह पर उन्हें रखा जायेगा। कुमार ने कहा कि क्योंकि ब्लेडबाजी जैसी कई चीजें हो सकती हैं। अगर आप सावधानी नहीं रखेंगे तो उन पर हमला हो सकता है। लोग न सिर्फ उन पर हमला कर सकते हैं, बल्कि उन्हें धमकी भी दे सकते हैं या पैसे भी वसूल सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें खबरों से पता चला है कि केजरीवाल को दोषियों के लिए बनाई गई जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें विचाराधीन कैदियों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित और शांत स्थान पर रखा गया है। कुमार अपने कार्यकाल के दौरान, सबसे प्रतिष्ठित पुलिस अधिकारियों में से एक रहे थे। दिल्ली में सेवा के दबाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस भाग्यशाली है क्योंकि उस पर स्थानीय राजनीतिज्ञों का कोई दबाव नहीं होता है। उन्होंने कहा कि उस हद तक, हम स्वतंत्र हैं (क्योंकि दिल्ली पुलिस केंद्र के अधीन आती है)। दिल्ली पुलिस पर दबाव हालांकि किसी भी अन्य राज्य से अधिक है। क्योंकि देश के किसी भी हिस्से में कोई भी समस्या होती है तो लोग दिल्ली आते हैं- उदाहरण के लिए किसान आंदोलन। कुमार ने कहा कि कानून और व्यवस्था के नजरिए से नई दिल्ली जिले में चुनौती सबसे अधिक है जबकि बाहरी जिलों में कम चुनौती है। उन्होंने कहा कि लेकिन बाहरी इलाकों में आपराधिक घटनाओं का दबाव है, खासकर सड़कों पर होने वाले अपराध।

प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ 60 से अधिक मेट्रो स्टेशनों की 'सह ब्रांडिंग', 150 अभी भी उपलब्ध

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने शनिवार को कहा कि उसके नेटवर्क पर 60 से अधिक स्टेशनों की सह-ब्रांडिंग प्रतिष्ठित कॉरपोरेट, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और मीडिया कंपनियों के साथ की गई है। इससे डीएमआरसी को अतिरिक्त राजस्व जुटाने में मदद मिलती है, साथ ही इन कंपनियों का प्रचार भी होता है। इनमें से आठ मेट्रो स्टेशन 'रेड लाइन' पर, 14 स्टेशन 'यलो लाइन' पर और 25 स्टेशन 'ब्लू लाइन' पर हैं। डीएमआरसी के अधिकारियों ने कहा कि पूरे नेटवर्क में लगभग 150 मेट्रो स्टेशन अभी भी सह-ब्रांडिंग के लिए उपलब्ध हैं। डीएमआरसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा

कि डीएमआरसी नेटवर्क पर अब तक कुल 60 से अधिक मेट्रो स्टेशनों की सह-ब्रांडिंग की गई है। ये स्टेशन पूरे नेटवर्क में फैले हुए हैं और इस योजना की लोकप्रियता सह-ब्रांडिंग योजना की क्षमता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि कई प्रतिष्ठित कॉरपोरेट, पीएसयू, मीडिया कंपनियां, शैक्षणिक संस्थान पहले ही इस योजना के माध्यम से डीएमआरसी के साथ जुड़ चुके हैं। अधिकारी ने कहा कि डीएमआरसी के लगभग सभी स्टेशन आवासीय क्षेत्रों, बाजारों, शैक्षणिक संस्थानों आदि के निकट प्रमुख स्थानों पर हैं। इसलिए, इन स्टेशनों पर ब्रांडिंग के अवसर उन लोगों को शानदार दृश्यता प्रदान करते हैं, जो इस योजना के माध्यम से डीएमआरसी से जुड़ते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, लगभग 150 मेट्रो स्टेशन अभी भी पूरे नेटवर्क में उपलब्ध हैं, जिनकी सह-ब्रांडिंग की जा सकती है। कोविड-19 महामारी के बाद, खासकर पिछले साल से डीएमआरसी ने वैकल्पिक राजस्व सृजन के तरीकों पर बहुत जोर दिया है।

सिंघू-कुंडली बॉर्डर यातायात जाम के कारण दो रूट बंद

दया राम ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 स्थित दिल्ली के सिंघू-कुंडली बॉर्डर पर प्रतिदिन लग रहें लंबे यातायात जाम को लेकर बड़ी संख्या में दैनिक बस यात्रियों सहित अन्य वाहन चालकों, राहगीरों आदि को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, इस जाम के चलते डिम्टस की बस रूट संख्या 144, व 144ए पर चलने वाली डीटीसी व डिम्ट्स कलस्टर स्कीम की बसें भी बंद हो गई हैं और इस लंबे व घंटों के जाम के चलते वाहन चालकों को गलत दिशा में सिंघू बॉर्डर तक अपने वाहन चलाने पर मजबूर होना पड़ रहा है। बताया जाता है कि इसके चलते सड़क दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं साथ ही अवैध यात्री वाहन ईको, वैन आदि भी इस जाम का फायदा उठाकर यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। सिंघू-कुंडली बॉर्डर से दिल्ली की तरफ और दिल्ली से सिंघू-कुंडली बॉर्डर की तरफ आने आने वाले दैनिक यात्रियों ने बताया कि किसान आंदोलन कब का खत्म हो चुका है और अन्य बॉर्डर भी खोल दिए गए हैं लेकिन यहां अभी भी जाम में घंटों फंसे रहना पड़ रहा है। यात्रियों ने कहा कि हर दिन यही उम्मीद रहती है कि कब हटेगा यहां का लंबा जाम।

पुलिस की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

यातायात व्यवस्था को लेकर वाहन चालकों ने बताया कि पर्याप्त संख्या में यातायात पुलिसकर्मी यहां हो तो जाम इतना लंबा लग ही नहीं सकता है। पुलिस की कार्यशैली पर कई यात्रियों ने सवाल उठाते हुए कहा कि यहां सिंघू बॉर्डर नरेला को जोड़ता है और नरेला और कुंडली दोनों ही औद्योगिक क्षेत्र हैं। यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में नौकरीपैशा वर्ग का आवागमन है और यातायात संचालन के नाम पर दो से तीन ही यातायात पुलिस कर्मचारी होते हैं जो काफी नहीं है। वहीं, इस संबंध में पुलिस प्रशासन को जानकारी है लेकिन जाम की समस्या का कोई समाधान नहीं हो पा रहा है।

बस चालक करते हैं मनमानी

सिंघू बॉर्डर पर लगने वाले इस जाम के चलते 120, 120 ए, 120 ई रूट पर चलने वाली डिम्ट्स बसों के चालक अपनी मनमानी दिखाते हैं और सिंघोला फ्लाईओवर के पास बसों को नहीं रोकते हैं। चालक कहते हैं कि यहां बस स्टैंड नहीं हैं जबकि यहां डीटीसी की बसें रूकती हैं और पहले यहां बस स्टैंड की पत्ती थी जो अब नहीं है। साथ ही सिंघू - कुंडली बॉर्डर से आवागमन करने वाले दैनिक बस यात्रियों ने बताया कि सिंघू बॉर्डर के लंबे जाम को देखते हुए सिंघू बॉर्डर से नरेला व सिंघू बॉर्डर तक जाने वाली डिम्ट्स कंपनी की अधिकतर बसें अपने रूट पर 131,136,144,193 पर नहीं चल रही है और सिंघोला फ्लाईओवर से ही नरेला की तरफ मोड़ ली जाती है और यात्रियों को उतार दिया जाता है। इसके चलते बस यात्रियों को करीब दो किमी की यात्रा पैदल ही तय करनी पड़ रही है।

खबर संक्षेप

निगम ने किया डेंगू जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने शनिवार को मॉडर्न स्कूल वसंत विहार में 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' के उपलक्ष्य में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। निगम प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि निगम के दक्षिणी जोन के जन स्वास्थ्य द्वारा 'मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार' की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में साउथ जोन के विभिन्न निजी स्कूलों के 108 शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को स्कूलों के अंदर व आसपास डेंगू और अन्य वेक्टर जनित बीमारियों (वीबीडी) की रोकथाम और नियंत्रण से संबंधित मुद्दों के बारे में जानकारी दी गई। बैठक के दौरान मच्छरों के खिलाफ व्यक्तिगत सुरक्षा उपायों और डेंगू और अन्य वीबीडी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए संदेशों के प्रसार में छात्रों को कैसे शामिल किया जाए, से संबंधित प्रश्नों पर विस्तार से चर्चा की गई।

ट्रक चालकों के शोषण को लेकर यूनियन ने की ट्रैफिक पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त से मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर चलने वाले छोटे बड़े ट्रक चालको को पुलिस की तरफ से प्रताड़ित किए जाने को लेकर संगठन, मोटर एवं गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के एक शिष्टमंडल ने दिल्ली यातायात पुलिस के स्पेशल कमिश्नर से मुलाकात की। इस बारे में एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने बताया कि दिल्ली की सड़कों पर कहीं चेकिंग के नाम तो कहीं कागज चेक करने के नाम पर चालकों का जमकर शोषण किया जाता है। कपूर ने बताया कि उनकी वजह से जहां एक तरफ भ्रष्टाचार बढ़ रहा है वहीं दूसरी तरफ वाहनों के सड़क पर खड़े होने से जगह जगह जाम के हालात बन जाते है। वाहन सड़कों पर रेंगने को मजबूर होते है जिससे करोड़ों रुपए का इंधन बेकार हो जाता है। कपूर ने बताया कि इस मामले पर हुई बैठक में स्पेशल कमिश्नर ने अपने मातहत आला अधिकारियों को भी बुला रखा था। उन्होंने बताया कि बैठक में चालकों के साथ होने वाली परेशानियों पर विस्तार से चर्चा हुई और स्पेशल कमिश्नर ने संगठन को भरोसा दिया की इस मामले पर गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी।

'भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है निर्वाचन आयोग'

आतिशी ने ईडी से की धनशोधन के लिए भाजपा के खिलाफ कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने निर्वाचन आयोग का नोटिस मिलने के एक दिन बाद शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कथित धनशोधन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता ने प्रैसवार्ता को संबोधित करते हुए निर्वाचन आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। आतिशी ने दावा किया था कि भाजपा ने उसे पार्टी में शामिल होने अथवा एक माह के भीतर ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के लिए तैयार रहने को कहा है, इसके बाद आयोग ने आतिशी को नोटिस जारी किया। मंत्री ने कहा कि महज शक के आधार पर ईडी ने आप नेता संजय सिंह, मनीष सिसोदिया और यहां तक की हमारी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया। इनके खिलाफ धन के लेन-देन का कोई सबूत नहीं मिला। उन्होंने कहा कि ईडी ने भाजपा नेताओं के खिलाफ क्या कार्रवाई की है, जहां जांच एजेंसी धन के लेन-देन को साबित करने में सक्षम है। आप ने पिछले महीने ईडी से कहा था कि वह भाजपा के खिलाफ मामला दर्ज करे। पार्टी ने आरोप लगाया था कि कथित आबकारी नीति घोटाले के एक आरोपी से भाजपा को चुनावी बॉण्ड के माध्यम से करोड़ों रुपये मिले हैं। आतिशी ने विपक्ष को निशाना बनाने के लिए अन्य केंद्रीय एजेंसियों की तरह निर्वाचन आयोग का इस्तेमाल करने का भाजपा पर आरोप लगाया। प्रैसवार्ता में शनिवार को आतिशी ने ईडी से पूछा कि साउथ लॉबी के शराब कारोबारी शरथ चन्द्र रेड्डी से भाजपा को 55 करोड़ रुपए मिले हैं। इसके पुख्ता प्रमाण आने के 16 दिनों में ईडी ने क्या जांच की है, कितने समन भेजे, कितनी रेड की, कितनी गिरफ़्तारियां की है। उन्होंने कहा कि, मनी ट्रेल की आशंका मात्र पर ईडी ने कई आप नेताओं को गिरफ्तार किया, आप को आरोपी बनाने की बात की। अब जब 55 करोड़ रुपये की मनी ट्रेल सीधे शराब कारोबारियों से भाजपा को जा रही है तो ईडी भाजपा को आरोपी कब तक बनाएगी। आतिशी ने कहा कि मनी ट्रेल मिलने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को समन कब जाएगा। उन्होंने कहा कि साउथ लॉबी के शराब कारोबारी मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी और राघव मगुंटा द्वारा चुनाव लड़ने के एवज में कोई पैसा भाजपा के एलायंस पार्टनर टीडीपी को गया है। ईडी इसकी जांच कब करेगी।

'दो साल की जांच में ईडी को आप नेताओं से एक रुपए की भी मनी ट्रेल नहीं मिली'

आतिशी ने कहा कि पिछले 2 साल से इस केस में आम आदमी पार्टी से जुड़ी मनी ट्रेल को ईडी खोज ही रही है। उन्हें आज तक आप के किसी भी नेता के पास से एक रुपये भी मनी ट्रेल, प्रोसीड ऑफ क्राइम का नहीं मिला। जब ये मुद्दा सुप्रीम कोर्ट गया तो सुप्रीम कोर्ट ने भी बार बार ईडी से ये पूछा कि, आम आदमी पार्टी से जुड़ी हुई मनी ट्रेल कहा है। मनीष सिसोदिया, संजय सिंह से जुड़ी मनी ट्रेल कहा है और इसपर ईडी के पास कोई जवाब नहीं था।

आतिशी ने ईडी से पूछे 5 सवाल

- शराब कारोबारी शरथ चन्द्र रेड्डी से 55 करोड़ रुपये का चंदा भाजपा को दिया गया जिसका पुख्ता प्रमाण सामने आ चुका है। इस पर पिछले 16 दिन में ईडी ने कितने समन भेजे हैं, कितनी रेड की है और कितनी गिरफ्तारियां की हैं।
- सिर्फ मनी ट्रेल की आशंका मात्र पर ईडी ने कई 'आप' नेताओं को गिरफ्तार कर लिया और कहा कि आप को आरोपी बनाएंगे। लेकिन जब 55 करोड़ रुपये की मनी ट्रेल शराब कारोबारियों से भाजपा को जाती है तो ईडी भाजपा को आरोपी कब तक बनाएगा।
- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को समन कब जाएगा, उनके यहां रेड कब होगी, उनकी गिरफ्तारी कब होगी, इसका जबाव ईडी को देना होगा।
- क्या ईडी इस बात की जांच कर रही है की क्या मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी और उनके बेटे राघव मगुंटा रेड्डी ने भाजपा के सहयोगी दल टीडीपी को कुछ पैसे दिए या नहीं
- क्या ईडी ने इनके चुनाव प्रचार पर जांच शुरू की है कि पैसे कहां से आ रहे हैं, कहां खर्च हो रहे है, ईडी बताए कि क्या उन्होंने भाजपा के अलायंस पार्टनर टीडीपी के चुनाव प्रचार की जांच शुरू की है।

भाजपा ने बनाया ईडी को गांधी के तीन बंदर, न भाजपा के खिलाफ कुछ सुनेंगे, न देखेंगे और न बोलेंगे : जस्मीन शाह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता जस्मीन शाह ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने ईडी को गांधी के तीन बंदर बना दिया है। इसलिए उसने ठान लिया है कि भाजपा के खिलाफ कोई सबूत आया भी, तो वो न तो उसके खिलाफ कुछ सुनेगी, न देखेगी और न तो कुछ बोलेगी। उन्होंने ईडी से पांच प्रश्न पूछा कि आरोपी सरथ रेड्डी ने भाजपा को 55 करोड़ दिए। 16 दिन से यह मनी ट्रेल देश के सामने है। फिर भी उसने अब तक जांच शुरू क्यों नहीं की। ईडी बिना तथ्यों के आम आदमी पार्टी को को आरोपी बनाने को कर रही है, लेकिन 55 करोड़ लेने की मनी ट्रेल साबित होने के बाद भी भाजपा को आरोपी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को गिरफ्तार क्यों नहीं कर रही है? अगर ईडी निष्पक्ष जांच एजेंसी है, तो इन तथ्यों की तुरंत जांच करे। उन्होंने कहा कि देश की जनता अब ईडी की निष्पक्षता पर प्रश्न उठा रही है। इलेक्टोरल बॉन्ड से सामने आए भाजपा के शराब घोटाले पर ईडी की चुप्पी ने लोगों को यह सोचने के लिए विवश कर दिया है कि क्या ईडी केवल भाजपा के लिए काम करती है। जस्मीन ने कहा कि पिछले दो हफ्तों से दिल्ली के तथाकथित शराब घोटाले से जुड़े अहम तथ्य बाहर आए हैं। खासकर तीन मुख्य आरोपी, जिनके बयान के आधार पर गैरकानूनी तरीके से सीएम अरविंद केजरीवाल को रात के अंधेरे में गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली की मंत्री आतिशी बन गई है फर्जी कहानीकार : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली की मंत्री आतिशी फर्जी कहानीकार बन गई हैं, हर सुबह वह उठकर अपने अपशब्दों से एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर देती हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी की प्रेसवार्ता पर प्रतिक्रिया देते हुए उक्त बातें कही। सचदेवा ने कहा है कि शराब घोटाले पर वह जो झूठ बोलती रहती हैं, वह सब केजरीवाल सरकार की बचाव रणनीति के तहत शराब घोटाले की सुनवाई कर रही अदालत में रखा गया था, लेकिन उनकी एक भी बात अदालत में नहीं टिक सकी, जिसके परिणामस्वरूप सीएम केजरीवाल सहित सभी आरोपियों को जेल जाना पड़ा। सचदेवा ने कहा है कि 2022 के गोवा और पंजाब चुनावों के लिए आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अरविंद केजरीवाल सरकार ने शराब व्यापारी कार्टेल के साथ मिलकर शराब नीति का मसौदा तैयार किया और थोक व्यापारियों के कमीशन को 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया। किक बैक का पैसा 2022 में दो राज्यों में नकद लिया गया और चुनावों में खर्च किया गया।

एनडीएमसी ने शिकायत निवारण सुविधा शिविर का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए जयसिंह मार्ग स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में एक सुविधा शिविर का आयोजन किया। एनडीएमसी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि शिविर एनडीएमसी के संबंधित अधिकारियों ने शिविर में जनता से 60 शिकायतें प्राप्त की। निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित हैं। इसके अलावा सैकड़ों स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं ने नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सुविधा शिविर का दौरा किया। यहां शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारियों ने जनता से उनकी जन शिकायतों पर आमने-सामने चर्चा की और उनका समाधान किया। नीति स्तर के निर्णयों की आवश्यकता वाली शिकायतों को उनके निवारण की संभावित समय-सीमा के साथ समझाया। पालिका परिषद के 30 विभागों के सौ से अधिक अधिकारी/कर्मचारी शिकायतों के मौके पर निवारण के लिए शिविर में मौके पर मौजूद रहे। विभिन्न विभागों के हेल्प डेस्क की निगरानी उनके विभागाध्यक्ष करते रहे।

चैत्र नवरात्रि के लिए मंदिरों में तैयारियां शुरू

नई दिल्ली। मां दुर्गा को समर्पित चैत्र नवरात्रि महापर्व को लेकर दिल्ली के छोटे बड़े मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई है। इस बारे में प्राचीन प्रसिद्ध पांडव कालीन सिद्धपीठ मां कालका जी मंदिर के महंत सुरेंद्रनाथ अवधूत ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी चैत्र नवरात्रि को लेकर मंदिर में विशेष तैयारियां की जा रही है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त प्रशासक की देखरेख में ही तैयारियां की जा रही है। लेकिन अपने स्तर पर जो सुविधाएं दी जा सकती है वो भक्तों के लिए प्रदान की जाएगी। बद्री भक्त झंडेवाला देवी मंदिर के अतिरिक्त प्रबंधक रविंद्र गोयल ने बताया कि मंदिर परिसर में वासंतिक नवरात्र महोत्सव मंगलवार 9 - 17 अप्रैल 2024 तक बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि नवरात्रि के दौरान आने वाले लाखों भक्त माँ झंडेवाली देवी जी के दर्शन सुगम व सुरक्षित तरीके से कर सके इसके लिए सभी प्रबंध किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि रानी झांसी मार्ग, देश बंधु गुप्ता मार्ग व वरूणालय साइड से मंदिर में प्रवेश की व्यवस्था की जा रही है। भक्त माँ के दर्शन कर के आसानी से निकासी द्वार से बाहर निकलेंगे जहाँ उन्हे माँ के भंडारे का प्रसाद वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंदिर में चुन्नी, फूल माला या किसी भी प्रकार के प्रसाद चढ़ाने की व्यवस्था नहीं है। कोई भी भक्त बाहर से किसी भी प्रकार की कोई वस्तु लेकर मंदिर में प्रवेश न करे। उन्होंने कहा कि नवरात्र से दो-तीन दिन पहले से अनेक स्थानों के मंदिरों से भक्तजन ज्योत लेने आते हैं। उनके ठहरने , भोजन प्रसाद आदि की सभी सुविधाएं मंदिर प्रबंधन की ओर से प्रदान की जाती हैं। नव संवत के स्वागत हेतु भक्तों में वितरण हेतु 10 हजार भगवा पताकाएं बांटने की भी व्यवस्था की गई है ताकि भक्तजन अपने घरों पर पताका फहरा सकें।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ 'आप' आज देश विदेश में आयोजित करेगी सामूहिक उपवास : आप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी अपने राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आज देश और विदेश में सुबह 10 बजे से सामूहिक उपवास कार्यक्रम करेगी। इस बात की जानकारी शनिवार को आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने प्रैसवार्ता में दी। राय ने प्रैसवार्ता में कहा कि दिल्ली के जंतर मंतर और पंजाब में शहीद भगत सिंह के गांव खटखड़कलां में आप के विधायक, मंत्री, सांसद, पार्षद और पदाधिकारी जुटेंगे और जनता के साथ सामूहिक उपवास करेंगे। इसी तरह, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश समेत देश के 25 राज्यों की राजधानी, जिला व ब्लॉक

मुख्यालय, गांव व कस्बों में लोग सामूहिक उपवास कर केजरीवाल को आशीर्वाद देंगे। भारत के अलावा, विदेशों में यूएस के न्यूयार्क, बोस्टन, लॉस एंजिल्स, वाशिंगटन डीसी, कनाडा में टोरंटो, आस्ट्रेलिया के मेलबर्न, यूके में लंदन समेत अन्य जगहों पर सामूहिक उपवास होगा। उन्होंने अपील की कि देश-दुनिया में जहां भी आप अरविंद केजरीवाल के समर्थन में सामूहिक उपवास कर रहें हैं, उसकी तश्वीरें वाट्सएप नंबर पर अवश्य भेजें।

सार्वजनिक प्रायश्चित उपवास करती आप तो होता बेहतर : सचदेवा

नई दिल्ली। बेहतर होता कि आम आदमी पार्टी मुख्यमंत्री केजरीवाल के समर्थन में उपवास करने की जगह सार्वजनिक प्रायश्चित उपवास करती। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए यह बातें कही। उन्होंने कहा है कि यह खेदपूर्ण है कि आम आदमी पार्टी नेता अपनी सरकार के शराब घोटाले पर जनता से माफी मांगने की जगह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की भ्रष्टाचार में गिरफ्तारी को उन पर अत्याचार के रूप में दर्शा रही है।

सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में बाइक रैली का किया आयोजन

मोदी सरकार की उपलब्धियों के लिए जारी किया क्यू आर कोड

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भाजपा के स्थापना दिवस पर दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा ने मोदी सरकार की उपलब्धियों के डिजिटल प्रचार के लिए क्यू आर कोड जारी किया और सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में बाइक रैली आयोजित की। शनिवार दोपहर प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने मोदी ट्रांसफॉर्मिंग भारत कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा द्वारा विकसित एक क्यू आर कोड जारी किया जिस पर क्लिक करते ही मोदी सरकार की उपलब्धियों, गारंटियों एवं योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी जनता तक पहुंचेगी। इस अवसर

पर युवा मोर्चा अध्यक्ष सागर त्यागी ने क्यू आर कोड के 50 दिन के प्रचार कार्यक्रम का विवरण रखा। युवा मोर्चा के महामंत्री गौरव चौरसिया, अरूण दराल एवं पुनीत शर्मा ने डिजिटल प्रचार से पत्रकारों को अवगत करवाया। वहीं, शाम के समय दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा ने युवाओं के बीच मोदी सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों की चर्चा बढ़ाने के लिए दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में मोटर बाइक रैली का आयोजन किया। सचदेवा ने कहा कि हमें यह उम्मीद है कि युवा मोर्चा द्वारा घर घर, पब्लिक प्लेस, मेट्रो, रस्ट्रोरेंट, यूनिवर्सिटी और अन्य स्थानों पर जाकर यह क्यू आप कोड के माध्यम से जानकारी पर चर्चा की जायेगी।

मोदी सरकार द्वारा किए गए कार्य को क्यू आर कोड के माध्यम से हम एक पल में देख सकेंगे

वीरेन्द्र सचदेवा ने पहाड़गंज तेल मंडी के पास से आयोजित बाइक रैली को झंडी दिखा कर रैली श्रृंखला की शुरुआत की। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने कहा कि 'मोदी ट्रांसफर्मिंग भारत' के तहत पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा जो कार्य किए गए हैं उसको क्यू आर कोड के माध्यम से हम एक पल में देख सकते है। विकसित भारत की परिकल्पना को एक क्यू आर कोड के माध्यम से देखा जा सकेगा। सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली के सभी विधानसभाओं में क्यू आर कोड डिजिटल तकनीक को प्रचारित किया जायेगा तो वहीं आज की मोटर बाइक रैली हजारों नये युवाओं को भाजपा से जोड़ने का माध्यम बनेगी।

सचदेवा ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ मनाया पार्टी स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने भाजपा के स्थापना दिवस के मौके पर शनिवार को पार्टी कार्यालय में भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों एवं कार्यालय स्टाफ के साथ भाजपा का झंडा फहराया। इसके बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। सचदेवा ने भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ता को शुभकामनाएं दी और कहा कि 6 अप्रैल 1980 को जब इस पार्टी ने जन्म लिया तब श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्रवाद, राष्ट्र सर्वोपरि एवं राष्ट्र का मूलमंत्र दिया था और आज उसी मूलमंत्र को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में भाजपा का एक एक कार्यकर्ता इसे आगे ले जाने की कोशिश कर रहा है। इस मौके पर नई दिल्ली क्षेत्र से लोकसभा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज, प्रदेश पदाधिकारी विष्णु मित्तल, योगिता सिंह, सरदार इम्प्रीत सिंह बख्शी, बृजेश राय, विक्रम बिधूड़ी, विक्रम मित्तल, सी एल मीना एवं अमित गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। दिल्ली भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रभारी ओम प्रकाश धनखड़ ने श्याम विहार और रावता मोड़ में 2 बड़ी बैठकों को संबोधित करके मटियाला विधानसभा के लोगों के बीच भाजपा के चुनाव अभियान की शुरुआत की। ओम प्रकाश धनखड़ ने पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर सेक्टर 19 द्वारका में माता भाटी स्कूल की छत पर पार्टी का झंडा फहराया।

रामायण को चित्रित करने वाली महिला चित्रकारों की 100 कलाकृतियों का दुर्लभ संग्रह की प्रदर्शनी

छह दिवसीय प्रदर्शनी मिथिला पेंटिंग परंपरा से पुरस्कार विजेता महिला कलाकारों की अनुकरणीय प्रतिभा को प्रदर्शित करती चित्रकला में रामायण पर 100 दुर्लभ चित्रों का शानदार संग्रह शामिल है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

मधुबनी कला केंद्र के सहयोग से मिथिला रामायण पेंटिंग प्रदर्शनी का शुभारंभ ललित कला अकादमी में संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री लिली पांडया ने किया। छह दिवसीय प्रदर्शनी मिथिला पेंटिंग परंपरा से पुरस्कार विजेता महिला कलाकारों की अनुकरणीय प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। जिसमें रामायण पर 100 दुर्लभ चित्रों का एक शानदार संग्रह शामिल है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकार और मधुबनी कला केंद्र की संस्थापक मनीषा झा ने पद्मश्री जगदंबा देवी, पद्मश्री सीता देवी, पद्मश्री गोदावरी दत्ता, पद्मश्री दुलारी देवी सहित 37 महिला कलाकारों द्वारा दो दशकों की अवधि में रामायण के इन 100 दुर्लभ चित्रों का संकलन किया है। इस अवसर पर पद्मश्री बउआ देवी, बिमला दत्ता, शशिकला देवी, उर्मीला देवी पासवान, चंद्रकला देवी सहित अन्य और दो दशकों की अवधि में कई अन्य युवा कलाकार भी शामिल हुए।

दैनिक जीवन की अभिव्यक्तियों को दर्शाती प्रदर्शनी

संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव लिली पांडया ने कहा कि मनीषा झा द्वारा आयोजित प्रदर्शनी हमारे दैनिक जीवन की अभिव्यक्तियों को दर्शाती हैं और यही मिथिला कला की सुंदरता है। मिथिला की समृद्ध लोक-कला परंपराओं को बढ़ाने और जीवित रखने के लिए, वर्तमान में नेपाल में, जागरूकता पैदा करने और आर्थिक आजीविका के लिए बेहतरीन कला कार्यों के लिए मनोरम प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा। मिथिला पेंटिंग की पौराणिक उत्पत्ति को बाल कांडा में पाया जा सकता है। महाकाव्य रामायण, जहां राजा जनक ने राजकुमारी सीता के विवाह के दौरान अपने नागरिकों को सभी दीवारों को चित्रों से सजाने का आदेश दिया था।

जगदंबा देवी की कलाकृति की प्रस्तुति

मनीषा झा ने कहा कि हम अपनी प्रतिभाशाली महिला कलाकारों की कलात्मक विरासत का जश्न मनाते हुए मिथिला रामायण चित्रों के इस असाधारण संग्रह को प्रस्तुत करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यहां हमने मिथिला परंपरा के छात्र चित्रकारों के लिए हमारी पहली मिथिला चित्रकार जगदंबा देवी की कलाकृति प्रस्तुत की है।

खबर संक्षेप

कुत्तों को लड़वाकर रील बनाई, 3 पर रिपोर्ट दर्ज

गाजियाबाद। पिटबुल कुत्ते से अन्य कुत्तों को आपस में लड़वाने और घायल कराने के मामले में पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स इंडिया ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गढ़ी कटैया गांव में रहने वाले 3 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालते हैं।

कूड़े में आग लगने से चार गाड़ियां जली

गुरुग्राम। पुराना दिल्ली रोड स्थित राजपूत वाटिका के पीछे रेजिडेंशियल एरिया में कूड़े के ढेर में आग लगने से प्लॉट में खड़ी चार गाडियां जलकर खाक हो गई। आग लगने की वजह का पता नहीं चल सका है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन इस बीच आग में चार गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई।

फरीदाबाद के 8 लाख लेंगे मतदाता शपथ

फरीदाबाद। लोकसभा निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि मतदाता शपथ का उद्देश्य लोगों को उनकी जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करना है और उन्हें मतदान की महत्वपूर्णता को समझाना है। उन्होंने बताया कि आगामी सोमवार को जिला प्रशासन की ओर से स्वीप अभियान के तहत जिला फरीदाबाद के आठ लाख से अधिक लोग मतदाता शपथ लेंगे।

वाहन चोरी करने वाले आरोपी बाइक सहित काबू

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-56 प्रभारी पीएसआई शिशपाल की टीम ने वाहन चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने बाइक सहित हार्ड वेयर चौक एनआईटी से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बाइक को राजीव कॉलोनी बल्लबगढ़ से चोरी किया था। आरोपी नशे की पूर्ति के लिए चोरी किया था।

देशी कट्टा व जिंदा रोंद सहित 2 गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-48 प्रभारी पीएसआई हिमांशु की टीम ने देशी कट्टा व जिंदा रोंद सहित 2 को अलग-अलग स्थान से गिरफ्तार किया है। आरोपियों में राजन कुमार व नाशिर उर्फ भोपा का नाम शामिल है। आरोपी नाशिर की तलाशी लेने पर देशी कट्टा व जिंदा रोंद बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ हथियार रखने की धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

दुकानदार दुकानों को बंद कर हो गए फरार

सीएम फ्लाइंग ने किताब की दुकानों पर की रेड

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सीएम फ्लाइंग ने एनसीईआरटी की नकली किताबें बेचे जाने की सूचना के बाद गुरुग्राम के सदर बाजार स्थित सात बुक सेलर की दुकानों पर छापेमारी की। इस दौरान एनसीईआरटी के विशेषज्ञ भी साथ रहे और किताबों को जांच के बाद कब्जे में ले लिया।

वहीं सीएम फ्लाइंग के प्रभारी डीएसपी इंद्रजीत ने बताया कि किताबों की जांच की जा रही है। कितनी किताबें एनसीईआरटी की किताबों की नकल की है, यह विशेषज्ञों की जांच के बाद पता चलेगा। डीएसपी के अनुसार नकली किताबों का प्रिंट व कागज दोनों अच्छी गुणवत्ता का नहीं होने से बच्चों की आंखों को नुकसान पहुंचाती हैं। वहीं कई दुकानदार छापेमारी की सूचना के बाद दुकानों को बंद कर फरार हो गए।

फरार होने वालों पर भी होगी कार्रवाई

सीएम फ्लाइंग की टीम के डीएसपी इंद्रजीत ने बताया कि हरियाणा के कई जिलों में अब तक नकली किताबों को लेकर छापेमारी की गई है। इनमें काफी संख्या में एनसीईआरटी की नकली किताबें मिल रही हैं। सीएम फ्लाइंग की टीम ने सदर बाजार में राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की नकली किताबों की बिक्री का पर्दाफाश करने की कार्रवाई की। सात दुकानों पर छापेमारी की। वहीं छापेमारी की सूचना के बाद अन्य पुस्तक विक्रेता दुकानदार अपनी अपनी दुकान में बंद कर फरार हो गए। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता का दावा है कि फरार होने वाले दुकानदारों पर भी शिकंजा कसा जाएगा। एनसीईआरटी की नकली किताब की बिक्री करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

मिली थी नकली किताबों की सूचना

मुख्यमंत्री उड़नदस्ता के डीएसपी इंद्रजीत सिंह को कई दिनों से एनसीईआरटी के नकली किताबों की बिक्री होने की सूचना मिल रही थी। सूचना मिलने के बाद उड़नदस्ता की टीम ने अपने स्तर पर कई दिन तक सदर बाजार में पुस्तक विक्रेताओं के पास खुफिया रूप से जाकर पूरी जांच पड़ताल की। जांच पड़ताल में नकली किताबों की बिक्री की पुष्टि होने के बाद सीएम फ्लाइंग व एनसीईआरटी के विशेषज्ञों के अलावा शिक्षा विभाग के अधिकारियों की टीमों का गठन किया गया था।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा

लोकसभा की दो सीटों से यात्रा शुरू करने वाली भाजपा इस बार करेगी 400 पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने कहा है कि संसद में दो सीटों से अपनी यात्रा की शुरुआत करने वाली भाजपा इस बार 400 पार करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अब वोटिंग तक वे घर न बैठें, बल्कि पब्लिक में जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों के दम पर गर्व के साथ जनता के बीच जाएं और वोट मांगे। जनता का आशीर्वाद भाजपा और नरेंद्र मोदी के साथ है, इसलिए इस बार भी हरियाणा से सभी दस लोकसभा सीटें जिताकर संसद में भेजेंगे।

मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यालय अटल कमल में भाजपा के 44 वें स्थापना दिवस पर पार्टी का झंडा फहराने के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की 6 अप्रैल 1980 को स्थापना हुई। लोकसभा की दो सीट से शुरू हुई यात्रा 303 पर चली गई है। देश एक सुर में बोल रहा है अबकी बार 400 पार। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास का एक नया आयाम छुआ है। मैं 2024 में एक बार फिर डबल इंजन की सरकार हरियाणा में देख रहा हूं। जनता का मैंडेट लेकर तीसरी बार हरियाणा में कमल का फूल खिलेगा।

> सीएम सैनी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि अब वोटिंग तक वे घर न बैठें, बल्कि पब्लिक में जाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों के दम पर गर्व के साथ जनता के बीच जाएं और वोट मांगे।

खास बातें

- भाजपा के स्थापना दिवस पर फरीदाबाद पार्टी कार्यालय पर झंडा फहराया
- जनता का आशीर्वाद भाजपा और नरेंद्र मोदी के साथ
- कृष्ण पाल गुर्जर को 10 लाख से ज्यादा वोटो से जिताना है

मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार फरीदाबाद पहुंचे

प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार फरीदाबाद पहुंचे तो कार्यकर्ताओं में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और सभी अपने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में हुए काम के कारण सभी कार्यकर्ता अपना मोदी सरकार द्वारा कराए गए कार्यों पर गर्व के साथ वोट मांगे। जनता पूरा आशीर्वाद भाजपा और नरेंद्र मोदी को देगी। जन*जन आंखें बिछाए हुए आपकी तरफ देख रहा है।
उन्होंने कहा कि फरीदाबाद में मैं जो उत्साह देख रहा हूं, फरीदाबाद की सरदारी बोल रही है कि अबकी बार कृष्ण पाल गुर्जर को 10 लाख से ज्यादा वोटो से जिताना है। सभी कार्यकर्ताओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम घर पर नहीं बैठेंगे। एक-एक कार्यकर्ता को यह संकल्प लेना चाहिए कि मत पेटी के अंदर एक-एक वोट डलवाएंगे।

गुरु के मंदिर व गुरूद्वारे में भी टेका मत्था

इसके बाद मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यालय के साथ लगे गुरु के मंदिर गुरुद्वारे में भी टेका मत्था। गुरुद्वारे की अध्यक्षा राणाकौर भट्टी और गुरुद्वारा कमेटी ने शरोपा पहनाकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत किया और मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह के रूप में तलवार भेंट की। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, विधायक राजेश नागर, नरेंद्र गुप्ता, जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा,संदीप जोशी, लोकसभा संयोजक अजय गौड़, मुख्यमंत्री मीडिया सलाहकार राजीव जेटली, पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा उपस्थित थे।

जन्म दिवस पर हवन-यज्ञ का आयोजन

अमर शहीद राजा नाहर सिंह की जीवन गाथा जन-जन तक पहुंचाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

अमर शहीद राजा नाहर सिंह के जन्म दिवस पर बल्लभगढ़ के दशहरा मैदान में उनके स्मारक पर नाहर सिंह मैमोरियल सोसायटी द्वारा उनका जन्म दिवस मनाया गया। इस मौके पर सत्यवीर डागर के संयोजन में स्थापित उनकी प्रतिमा पर संस्था के लोगों ने माल्यार्पण किया और इंद्रप्रस्थ स्थित गुरुकुल के आचार्य ऋषिपाल द्वारा हवन यज्ञ किया, जिसमें डागर सहित गणमान्य लोगों ने अपनी आहूर्ति डाली और अपने राजा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस स्मारक का हाल ही में गुजरात के राज्यपाल देवव्रत आचार्य ने उद्घाटन किया था।

अंग्रेजों ने उन्हें फांसी पर लटका दिया था

शहीद राजा नाहर सिंह को याद करते हुए सत्यवीर डागर ने कहा कि राजा नाहर सिंह के बलिदान की जीवन गाथा जन-जन तक पहुंचनी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी जान सके कि देश के इन महान सपूतों ने अपनी कुर्बानी देकर देश को आजादी दिलाई थी। उन्होंने कहा कि छोटी सी उम्र में राज गद्दी संभालने वाले राजा नाहर सिंह ने दिल्ली पर अंग्रेजों के कब्जे को लंबे समय तक रोके रखा। अंग्रेजों ने धोखे से दिल्ली के चांदनी चौक पर उनको फांसी पर लटका दिया। राजा नाहर सिंह झुकने के बजाए अपना बलिदान देना उचित समझा। आचार्य ऋषिपाल ने कहा कि राजा नाहर सिंह के बलिदान से हमें सीख लेनी चाहिए और अपने राजा की जीवनी को जगह-जगह बताना चाहिए, जिससे कि युवा पीढी में उसका प्रचार हो, वहीं युवा आगे इस बात तो जाने कि उनके राजा ने आजादी के लिए कैसे जुल्म झेले थे, जिस कारण हम आज आजादी की सांस ले रहे है।

परिवार सहित टेंट लगाकर रह रहा था

खाने को लेकर हुई कहासुनी में व्यक्ति की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

खेड़कीदौला एरिया में शराब पार्टी के बाद खाने को लेकर हुए विवाद में युवक की पीटपीट कर हत्या किए जाने के मामले में मानेसर क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उन्हें पूछताछ व बरामदगी के लिए अदालत में पेश कर पुलिस हिरासत रिमांड पर लेगी।

राजस्थान के जिला केकड़ी के गांव टांटोटी निवासी पदमा ने पुलिस को दी थी कि वह दो महीने से अपने पति और बच्चों के साथ खेड़कीदौला एरिया के रामपुरा मोड के पास टेंट लगाकर रह रहे है। 24 मार्च को उसका पति सोनू बागरिया शराब लेकर आए । उन्होंने मीट की सब्जी और रोटी बनाई थी। उन्होंने पति के साथ शराब पी थी। रात आठ बजे उनके रिश्तेदार प्रधान, रामकिशन और टीनू उर्फ सियाराम शराब पीकर उनके टैंट पर आए। रामकिशन ने उनसे खाना मांगा तो उन्होंने देने से मना कर दिया था। इसके बाद तीनों उनके पति के साथ शराब पीने लगे। शराब पीने के दौरान उनके पति के साथ तीनों का खाने को लेकर कहासुनी हुई थी।

स्नेचिंग व लूटपाट करने के तीन गिरफ्तार

गुरुग्राम। डीएलएफ फेज-4 क्राइम ब्रांच ने स्नेचिंग व लूटपाट करने के तीन आरोपियों को सेक्टर-43 से काबू किया है। पुलिस ने उनके कब्जा से तीन मोबाइल बरामद किए हैं। दरअसल, सेक्टर-14 थाना में दी शिकायत में एक महिला ने कहा कि गर्ल्स कॉलेज के निकट से कुछ युवक उसका मोबाइल, ड्राइविंग लाइसेंस व आरसी छीनकर ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रीति पुत्री विजय निवासी म. नं. 9660/11, मुल्तानी ढांडा, पहाड़गंज, दिल्ली** ने केस एफआईआर नं. **664/2014 अन्तर्गत धारा 392/279/34/411 आईपीसी, थाना रंजीत नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रीति** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रीति** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस एफआईआर नं. **664/2014 अन्तर्गत धारा 392/279/34/411 आईपीसी, थाना रंजीत नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **प्रीति** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.05.2024** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री उपासना सतिजा
एल.डी एसीएमएम–03
पश्चिमी जिला, कमरा नं. 145
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/3174/CD/2024
(Court Matter)

पंचायत सचिव व उपायुक्त ने किया मोहना अनाज मंडी का औचक निरीक्षण

धर्म कांटों पर वाहनों की शेड्यूलिंग करने के दिए आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा विकास एवं पंचायत विभाग के सचिव अमित अग्रवाल और जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने आज शनिवार को मोहना अनाज मंडी का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मंडी से जुड़ी समस्याओं को सुना और उन पर चर्चा की। विकास एवं पंचायत विभाग के सचिव अमित अग्रवाल ने कहा की मौसम ने इस बार फसल का साथ दिया है। बंपर क्रॉपिंग के चलते मंडी अधिकारियों को अपनी कमर कस लेनी चाहिए और मंडी से इस बार लगभग 50 मीट्रिक टन अनाज ट्रांसपोर्ट किया जाएगा ऐसा एक अनुमान है।

बंपर क्रॉपिंग के चलते अधिकारियों ने कसी अपनी कमर

बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मंडी से धर्म कांटों की ओर आने वाले वाहनों में माल को लोड करना, अनलोड करना प्रभावी और कुशल तरीके से किया जाना चाहिए जिससे वाहनों को ज्यादा देर रुकना न पड़े और वाहनों का ज्यादा किराया न हो और धर्म कांटों पर वाहनों की आवाजाही को शेड्यूल करके कार्य को कुशलता व सहजता के साथ जारी रखने के एफसीआई अधिकारियों को निर्देश दिए और कहा कि इसमें फरीदाबाद प्रशासन आपका पूर्ण रूप से सहायता करेगा। विकास एवं पंचायत विभाग के सचिव अमित अग्रवाल और जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने अन्य कामकाज की भी बारीकी से जांच की तथा निरीक्षण के दौरान वहां मौजूद अधिकारियों और लोगों द्वारा चर्चा की गई जिसमें मंडी से जुड़े महत्वपूर्ण सुझावों व सुविधाओं को बताया।

ऑनलाइन बिक्री की किसानों को जानकारी दें

डीसी ने व्यापारियों से अनाज मंडी में पेयजल , बिजली तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी जानकारी ली और व्यापारियों से ऑनलाइन बिक्री और पूंजी की अदायगी की भी विस्तार पूर्वक जानकारी ली तथा व्यापारियों को आश्वासन दिया कि प्रशासन की तरफ से हर संभव मदद व्यापारियों को दी जाएगी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr P C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है किं अंभिंयुक्त **नितिन पुत्र राजबीर सिंह** निवासी M-184,सावदा घेवरा JJ कॉलोनी,नई दिल्ली **FIR. No. 122/18 u/s 25/54/59 Arms Act.**के अंतर्गत **थाना : द्वारका नॉर्थ, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **नितिन** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नितिन** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR. No. 122/18 u/s 25/54/59 Arms Act. थाना: द्वारका नॉर्थ, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नितिन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.05.2024** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
निकिता कपूर MM
द्वारका नॉर्थ,दिल्ली

DP/3938/DW/2024(court matter)

खबर संक्षेप

काशी विश्वनाथ मंदिर का फेसबुक अकाउंट हैक

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर का फेसबुक अकाउंट हैक कर लिया गया है। हैकर ने अश्लील

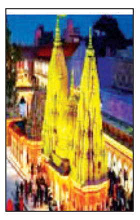

कंटेंट का लिंक पोस्ट किया है। मंदिर प्रशासन की ओर से चौक थाने को सूचित किया गया। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मंदिर प्रशासन ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शरारती तत्वों ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास का फेसबुक पेज हैक कर लिया गया है।

सपा नेता ने खत्म कर ली जिंदगी, फोन में छिपा सच

बरेली। समाजवादी छात्र सभा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आकाश लाला की आत्महत्या के मामले की पुलिस

ने जांच तेज कर दी है। शव के पास मिले शादी के कार्ड और मोबाइल डिटेल के सहारे पुलिस निष्कर्ष तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि जो कार्ड कब्जे में लिया गया है, वह पुराना है। उस पर लिखा है कि भोलेनाथ के बाद मैं सिर्फ तुम्ही से प्यार करता हूं।

नहाने गए पांच बच्चे डूबे दो की मौत, 3 लापता

बाराबंकी। जिले में नदी में नहाने गए 5 बच्चे अचानक डूबे गए। इसकी जानकारी परिजनों को हुई तो कोहराम मच गया। आनन-फानन में परिजन और गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे और गोताखोरों को बुलाया। गोताखोरों ने दो भाइयों को बाहर निकाला। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। जबकि तीन बच्चे अभी भी लापता बताए जा रहे हैं इनकी तलाश जारी है।

श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के बोर्ड आफ ट्रस्टीज की बैठक में हुआ तय 20 घंटे हो सकेगा दर्शन

रामनवमी के लिए बदला राम मंदिर का समय सूर्य की किरणों से होगा रामलला का अभिषेक

दर्शन की लेन चार से बढ़ाकर सात लेन में कराए जाने की व्यवस्था हो रही है। रात्रि में शयन आरती से पहले भगवान के वस्त्र एवं आभूषण बदले जाते हैं और उन्हें हल्के वस्त्र पहनाए जाते हैं।

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या में राम लला के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगातार बनी हुई है। रामनवमी के लिए विशेष तैयारी की जा रही है। श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के बोर्ड आफ ट्रस्टीज की बैठक में तय हुआ कि 15 से 17 अप्रैल तक 20 घंटे दर्शन चलता रहेगा। बैठक में यह भी तय हुआ कि 18 अप्रैल को परिस्थिति के अनुसार मंदिर खुले रखने पर विचार किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय ने बताया कि अब तक 14 घंटे रामलला के दर्शन हो रहे थे। इस अवधि में छह घंटे की वृद्धि हो गई है।

खास बातें

- 20 घंटे दर्शन चलता रहेगा
- रामलला के दर्शन के लिए आते समय मोबाइल साथ न लाने की अपील
- प्रसाद का वितरण कराए जाने की व्यवस्था पर मंथन

दर्शनार्थियों के दर्शन की लेन 4 से बढ़ाकर 7 की गई

इसके अलावा राम मंदिर में दर्शनार्थियों के दर्शन की लेन चार से बढ़ाकर सात लेन में कराए जाने की व्यवस्था हो रही है। रात्रि में शयन आरती से पहले भगवान के वस्त्र एवं आभूषण बदले जाते हैं और उन्हें शयन मुद्रा में लाने वाले हल्के वस्त्र धारण कराए जाते हैं। इसके उपरांत भोग लगाकर आरती की जाती है। इस समय पर्दा लगाना आवश्यक होता है।

तकनीकी संयोजन में जुटी सीबीआरआई के वैज्ञानिकों की टीम

महासचिव चंपत राय के अनुसार राम नवमी के अवसर पर मध्याह्न 12 बजे रामलला के ललाट पर सूर्य किरणों से अभिषेक के लिए प्रयास किया जा रहा है। बताया गया कि सीबीआरआई के वैज्ञानिकों की टीम तकनीकी संयोजन में जुटी है। उन्होंने सभी से अपील की है कि रामलला के दर्शन के लिए आते समय मोबाइल साथ न लाएं और जूते-चप्पल भी किसी उचित जगह निकाल कर ही आएं। तीर्थ क्षेत्र महासचिव के मुताबिक श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण कराए जाने की व्यवस्था पर मंथन किया जा रहा है। बैठक की अध्यक्षता तीर्थ क्षेत्र अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास महाराज ने की।

सहारनपुर के मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गरजे

दुनिया के लिए चुनौती आतंकवाद, इस मुद्दों को छूने से डरते अन्य दल, भाजपा खात्मे के मिशन में जुटी

सीएम योगी ने कहा कि अन्य दल आतंकवाद के मुद्दे को छूने से डरते थे। उन्होंने कहा कि भारत ही दुनिया के इस सपने को भी साकार करेगा। सीएम योगी का पूरा भाषण पढ़िए।

एजेंसी ▶▶ सहारनपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भ्रष्टाचार हो या फिर आतंकवाद अन्य दल इन मुद्दों को छूने से डरते थे। आतंकवाद दुनिया के लिए चुनौती है। आतंकवाद से दुनिया को मुक्ति मिलनी चाहिए। भाजपा इनके ही खात्मे के लिए मिशन में जुटी हुई है। आपके माध्यम से वह साकार होगा। आतंकवाद और भ्रष्टाचार के खात्मे के सपने को साकार किया जाएगा। मुख्यमंत्री सहारनपुर के राधा स्वामी सत्संग भवन में आयोजित भाजपा की जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने ये बातें कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का स्थापना दिवस भी है। हमारे लिए संगठन ही सेवा है। पीएम मोदी ने कोरोना जैसी महामारी के दौरान कार्यकर्ताओं के माध्यम से जनता की सेवा की थी। यही कारण है कि एक-एक कार्यकर्ता विकास का प्रतीक बनकर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

खास बातें

- आतंकवाद से दुनिया को मुक्ति मिलनी चाहिए
- एक-एक कार्यकर्ता विकास का प्रतीक बनकर प्रतिबद्धता के साथकर रहा है काम

सीएम ने दी भाजपा स्थापना दिवस की शुभकामनाएं

भाजपा के स्थापना दिवस के मौके पर सीएम योगी ने सहारनपुर के मंच से पीएम मोदी और जनता को भाजपा के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। पीएम का स्वागत करते हुए उन्होंने भाजपा स्थापना दिवस की बधाई दी।

सीएम योगी ने की वोट देने की अपील

सहारनपुर के मंच से सीएम योगी ने जनता को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि आपका वोट विकसित भारत की ओर ले जाएगा। एक वोट से देश की तकदीर और तस्वीर बदलने में मदद मिलती है। एक वोट हमें जाति, संप्रदाय, पुष्टिकरण, या किसी के आधार पर नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिए देना चाहिए।

विकसित भारत के लिए करना है काम

सीएम योगी ने सहारनपुर के मंच से कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प लिया गया है। विकसित भारत के लिए भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी के साथ काम करना है। भाजपा ने पीएम मोदी के विजन को उतारा है। हमने बदलते भारत को देखा है। इसपर आगे बढ़ना है।

सहारनपुर यूपी की एक नंबर की लोकसभा

सीएम योगी ने कहा कि सहारनपुर उत्तर प्रदेश की एक नंबर लोकसभा है। हम सौभाग्यशाली है कि हमनें बदलते भारत को देखा है। विकास का मॉडल क्या होना चाहिए, अब भारत दुनिया को यह दे रहा है। आज भारत अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए दुनियाभर में जाना जा रहा है। चाहे नौजवानों को रोजगार देने की बात हो या फिर देश की आस्था के सम्मान की। कोई दिक्कत नहीं है, कोई बैरियर नहीं है, जो बैरियर थे, वे धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं।

इंडी में आते ही भाजपा पर बिफरे

प्रधानमंत्री मोदी किसी की सुनते नहीं: मुकेश सहनी

एजेंसी ▶▶ पटना

लोकसभा चुनाव 2024 में महागठबंधन से

जुड़ने के बाद विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी भाजपा नीत एनडीए सरकार पर जमकर बिफरे। सहनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि वे किसी की नहीं सुनते हैं, जो मन में आता है वही करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे देश में लोकतंत्र खत्म हो रहा है और हिटलरशाही आ गई है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है जब दो-दो मुख्यमंत्रियों को उठाकर सीधे जेल में डाल दिया हो।

युवाओं को रोजगार नहीं मिला

मुकेश सहनी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि देश में बीते 10 सालों से मोदी सरकार है। मगर एक भी युवा को रोजगार नहीं मिला। सिर्फ पांच किलो चावल देने से कुछ नहीं होगा। हर व्यक्ति को अच्छे कपड़े पहनने, बच्चों के अच्छे स्कूल में पढ़ाई करने और बेहतर जिंदगी जीने का अधिकार है। पीएम मोदी को लगता है कि हम लोगों को पांच किलो चावल दे रहे हैं तो वे हमें वोट देंगे।

निषाद समाज के लिए आरक्षण की मांग

निषाद समाज के आरक्षण की बात पर मुकेश सहनी ने कहा कि वह लंबे समय से यह मांग कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल और दिल्ली में जब निषादों को आरक्षण मिल रहा है तो बिहार में क्यों नहीं। जब देश एक है, संविधान एक है तो निषादों के साथ भेदभाव क्यों हो रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने उनसे वादा किया था कि वे निषाद आरक्षण की दिशा में काम करेंगे। मगर उन्होंने नहीं किया।

बलिया में एनआईए की छापेमारी, हार्ड कोर नक्सलियों से जुड़ा है मामला

एजेंसी ▶▶ बलिया

बलिया में नक्सल से जुड़े मुखौटा गैंग की तलाश में राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) लखनऊ की टीम ने जिले के मनियर, रसड़ा, पकड़ी व खेजूरी थाना क्षेत्र के संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर संदिग्ध लोगों से पूछताछ की। साथ ही नोटिस जारी किया। जानकारी के मुताबिक टीम दो दिन शुक्रवार से जिले में मौजूद रही।

पूर्वांचल के वाराणसी, प्रयागराज, देवरिया, चंदौली, आजमगढ़ और बलिया समेत कई जिलों में नक्सली नेटवर्क फैला हुआ है। यूपी एटीएस ने बलिया में 16 अगस्त 2023 को हथियारों के साथ गोपनीय बैठक कर रहे पांच नक्सलियों तारा देवी, लल्लू राम, सत्य प्रकाश, राममूरत और विनोद साहनी को गिरफ्तार किया था। जांच में यह सभी हार्ड कोर के नक्सली निकले।

माओवादी नक्सली संगठन से जुड़े हैं तार

एटीएस की जांच में सामने आया था कि सीपीआई (माओवादी) नक्सली संगठन की केंद्रीय कमेटी के प्रमोद मिश्रा उर्फ बुढ़ऊ उर्फ बन बिहारी उर्फ डॉक्टर साहब ने पूर्वांचल में एडहॉक कमेटी बनाई थी। संगठन के सचिव बलिया निवासी संतोष वर्मा उर्फ मंतोष के जरिये लगातार पूर्वांचल के कई जिलों में महिलाओं और पुरुषों की भर्ती की जा रही थी। सरकार विरोधी आंदोलन को चुनकर उसको सशस्त्र आंदोलन में बदलने की साजिश रची जा रही थी।

प्रदेश में गुंडागर्दी अब नहीं होगी बर्दाश्त, लोगों के काम प्राथमिकता से निपटाएं अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पलवल/जींद

होड़ल के औरंगाबाद की विजय संकल्प रैली में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मोदी सरकार को न्याय करने वाली सरकार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हर वर्ग के साथ न्याय किया है और अपनी कल्याणकारी नीतियों से देश को विकास की पटरी पर चढ़ाया है, जबकि कांग्रेस ने कभी भी देश के साथ न्याय नहीं किया। मुख्यमंत्री ने मंच से अधिकारियों को भी कहा कि अफसर जनता का काम करने में कोई कोताही ना बरतें। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुंडागर्दी करने वाले तत्वों को भी स्पष्ट संदेश दिया कि हरियाणा में अब गुंडागर्दी करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। सीएम ने सबसे पहले भाजपा के कार्यकर्ताओं को पार्टी के स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमें गर्व हैं कि हम दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के सदस्य हैं, जिसके 18 करोड़ से ज्यादा मेंबर है। नायब सैनी ने कहा कि भाजपा की स्थापना हुई थी तब भाजपा के मात्र 2 सांसद थे। 2019 में देश ने 303 सांसद भाजपा को दिए हैं। सैनी ने कहा कि अब तो देश के साथ-साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे भी बोल रहे हैं अबकी बार 400 पार। उन्होंने कहा कि 6 जून को देश नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना रहा है। कांग्रेस को घेरते हुए नायब सैनी ने कहा कांग्रेस ने 55 साल देश में शासन किया और अब कांग्रेस को वोट लेने के लिए गारंटी देनी पड़ रही है।

भारत जोडो यात्रा करने वाले अपने पूर्वजों से पूछें भारत किसने तोड़ा

जींद। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि भारत जोडो यात्रा करने वालों पहले अपने पूर्वजों से पूछें कि देश को किसने तोड़ा। न्याय मांगने वालों की लंबे समय तक राज करने के दौरान उन्होंने जनता के साथ अन्याय किया। अब विपक्ष खुद स्वीकार कर रहा है फिर से भारी बहुमत के साथ पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में भाजपा सरकार बनेगी। उन्होने डबल इंजन सरकार के कार्य भी गिनवाए।

भाजपा के 44वें स्थापना दिवस पर सीएम ने फरीदाबाद कार्यालय पर झंडा फहराया

फरीदाबाद। भाजपा ने अपना 44वां स्थापना दिवस प्रदेशभर में मंडल स्तर पर मनाया। विधानसभा और जिला स्तर पर बाइक रैली और पैदल यात्राएं भी भाजपा के झंडे के साथ प्रदेशभर में निकाली गई। कार्यकर्ताओं ने पार्टी के संस्थापकों को याद किया और अपने-अपने घरों और कार्यालयों पर पार्टी का झंडा फहराया। खुद मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने फरीदाबाद के अटल कमल कार्यालय पर पहुंचकर पार्टी का झंडा फहराया और उपस्थित कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई दी।

पेज एक का शेष

मोदी-मोदी के...

की रैली में सड़कें मोदी समर्थकों से पटी नजर आईं। पीएम मोदी के रोड शो में लगभग दो लाख लोगों के जुटने की संभावना व्यक्त की गई थी। पीएम मोदी का ये रोड शो नया गंज के मालीवाड़ा चौक से गाजियाबाद के गांधी नमर मोड़ तक आयोजित किया गया। याद रहे भाजपा ने यहां से अतुल गर्म को उम्मीदवार घोषित किया गया है।

भारत के टुकड़े...

है, उन दो लड़कों की फिल्म को इन लोगों ने फिर से रिलीज किया है। मुझे समझ नहीं आता कि काठ की इस हांडी को ये विपक्षी गठबंधन वाले कितनी बार चढ़ाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस जितने साल सत्ता में रही, उसने कमीशन खाने को प्राथमिकता दी। ये विपक्षी गठबंधन भी कमीशन के लिए है। जबकि एनडीए, मोदी सरकार मिशन के लिए है। पीएम मोदी ने कहा कि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर, चुनावी घोषणा नहीं, बल्कि हमारा मिशन रहा है। इस वर्ष रामनवमी में हमारे प्रभु राम टेंट में नहीं, बल्कि भव्य मंदिर में दर्शन देंगे।

भाजपा ने लोगों...

देश बनाना भाजपा की प्रतिबद्धता है। यानी जैसी भाजपा की नीयत है, जैसी निष्ठा है, नीतियां भी वैसी ही बनती हैं। इसीलिए आज हर हिंदुस्तानी अनुभव से कह रहा है - नीयत सही, तो नतीजे सही।

पत्थर बरसाए...

व्यापक तलाशी के बाद गिरफ्तार किया गया। एनआईए की टीम ने मनोब्रत जाना के घर की भी तलाशी ली, जहां स्थानीय लोगों ने एनआईए की टीम के काम में बाधा डालने की कोशिश की। प्रवक्ता ने बताया कि एनआईए की टीम के एक सदस्य को मामूली चोट आई हैं। वहीं, पुलिस ने बताया, एनआईए ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। घटना के बाद केंद्रीय पुलिस बल की एक बड़ी टुकड़ी भूपतिनगर भेजी गई थी। इस साल पांच जनवरी को भी उत्तरी 24 परगना के संदेशखाली इलाके में राशन घोटाले के सिलसिले में छापेमारी के दौरान प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमला किया गया था।

चुनाव में लोगों को क्यों गिरफ्तार किया जा रहा है: ममता: पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर चुनावों से पहले वो लोगों को क्यों गिरफ्तार कर रहे हैं। आखिर भाजपा क्या सोच रही है? क्या वो सभी बूथ एजेंट को गिरफ्तार करेंगे? आखिर एनआईए क्या कर रही थी? वो ये सब भाजपा के समर्थन में कर रहे हैं। ममता बेनर्जी ने जांच एजेंसी द्वारा पार्टी एजेंट को गिरफ्तार किए जाने के मामले पर कहा, मैं एनआईए द्वारा हमारे एजेंट की गिरफ्तारी की निंदा करती हूं और पूर्वी मेदिनीपुर के भूपतिनगर में महिलाओं पर उनके हमले की भी निंदा करती हूं। इसी तरह नंदीग्राम को लूटा गया। उस दिन आपने पुलिस अधिकारियों को बदल दिया और आपने लोड शेडिंग कर दी।

संदेशखाली में..

के सिर में चोट आई थीं। ईडी ने बताया था कि भीड़ ने अधिकारियों के मोबाइल फोन, लैपटॉप, नकदी और बटुए छीन लिए।

राजनीतिक मिजाज में आए बदलाव सपा के लिए चुनौती?

बदायूं में सपा विधायक की पत्नी व बहन भाजपा में शामिल

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

बदायूं के बिसौली से सपा विधायक आशुतोष मौर्य ने राज्यसभा के चुनाव में क्रॉस वोटिंग करते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान किया था। अब लोकसभा चुनाव के दौरान आशुतोष मौर्य की पत्नी बिल्सी नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष सुषमा मौर्य और बहन पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चंद्रा ने लखनऊ में शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया। सपा के लिए यह बड़ा झटका है। भाजपाई उपलब्धि मान रहे हैं।

सपा के विधायक आशुतोष मौर्य की सक्रियता अभी सपा उम्मीदवार के पक्ष में बदायूं संसदीय क्षेत्र में कहीं नहीं दिख रही है। बिसौली क्षेत्र में सपा के दिग्गज नेता और उम्मीदवार शिवपाल सिंह यादव और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव के साथ उन्होंने चुनावी मंच भी साझा नहीं किया। सपा जिलाध्यक्ष आशीष यादव ने उन्हें फोन किया तो भी वह नहीं पहुंचे। खुद को बाहर बताकर टाल दिया। उनकी पत्नी और बहन का भाजपा में शामिल होना सियासी मायने में अहम हैं।

बिसौली में राजनीतिक मिजाज में आए बदलाव से सपा के लिए चुनौती बढ़ेगी। लखनऊ में जिस समय आशुतोष मौर्य की पत्नी और बहन भाजपा में शामिल हुईं उसी समय बिसौली में सपा के विधायक रहे योगेंद्र गर्ग उर्फ कुन्नू बाबू के बेटा आशीष गर्ग, सपा की बिसौली विधानसभा क्षेत्र इकाई के अध्यक्ष मनोहर सिंह यादव, सपा के जिला सचिव बेचे सिंह ठाकुर, इस्लामनगर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख आर्येंद्र कुमार भी भाजपा में शामिल हुए।

'सपा पर कोई असर नहीं पड़ेगा'

सपा के जिलाध्यक्ष आशीष यादव का कहना है कि आशुतोष मौर्य की पत्नी और बहन के भाजपा में चले जाने से सपा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। क्योंकि आशुतोष मौर्य सपा के सिंबल से जीते थे। बिसौली का मतदाता पार्टी के सिंबल से जुड़ा है। व्यक्तिगत किसी नेता से नहीं जुड़ा है। पार्टी मतदाता के मुद्दों पर लड़ती है और लड़ेगी, जीतेगी।

किसके पक्ष में करेंगे चुनाव प्रचार

लोकसभा क्षेत्र के चुनाव में सपा विधायक आशुतोष मौर्य अब किसका प्रचार करेंगे। सियासी हलकों में सवाल उठ रहा है, लेकिन विधायक इस सवाल पर खामोश हैं। वह बातचीत में अपने परिवार की सियासी विरासत की जानकारी तो देते हैं लेकिन जब यह पूछा जाता है कि पत्नी और बहन के भाजपा में शामिल होने के बाद अब वह खुद किसका प्रचार करेंगे तो उन्होंने बातचीत से परहेज किया। बोले यह आप सोचिए।

विश्व स्वास्थ्य दिवस आज

हेल्दी रहने के लिए अच्छा पौष्टिक भोजन, व्यायाम और आसन करना तो जरूरी है ही, साथ ही मन से आनंदित रहना भी जरूरी है, तभी आप स्वस्थ, खुश और संतुष्ट रह सकते हैं। मन से आनंदित रहने के लिए आपको अपनी जीवनशैली में दस फंडों को अपनाना होगा। आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं, इन्हीं दस फंडों के बारे में।

जिंदगी के मकान में जरूर हों ये 10 कमरे

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

हम में से अधिकतर लोग सोचते हैं कि भरपूर धन-दौलत से ही आसानी से जिंदगी में स्वस्थ रह सकते हैं, खुशी महसूस कर सकते हैं। लेकिन ऐसा पूरी तरह सच नहीं है। दर्जनों प्रेरक पुस्तकें लिखने वाले विद्वान लेखक डॉ. फ्रैंक क्रेन ने अच्छी सेहत और खुशहाल जिंदगी पाने के अचूक नुस्खे एक लेख में बताए हैं। यह लेख 'द अमेरिकन मैगजीन' में करीब सौ साल पहले (1920 के आस-पास) छपा था। इस लेख में उन्होंने स्वास्थ्य से संबंधित कई अनमोल सूत्र बताए हैं।

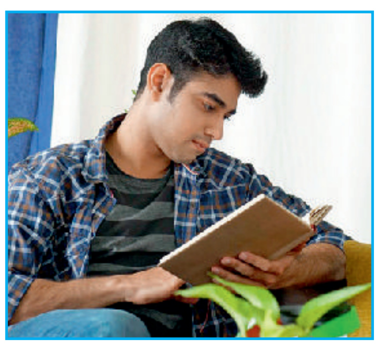

कला से लगाव : यह दुनिया खूबसूरत चीजों से भरी हुई है। लेकिन उस खूबसूरती का लुत्फ उठाना आप तभी सीख पाएंगे, जब आपको कला की समझ होगी। इसलिए कला से लगाव बढ़ाएं। जब आप कला की कद्र करने लगेंगे तो आपको इससे ऐसी खुशी मिलने लगेगी, जैसी भूख लगने पर स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होने पर मिलती है। चित्रकला हो, काष्ठकला या मूर्तिकला जिसमें आपका मन रमे, उसमें कुछ समय जरूर दें।

साहित्य से प्रेम : जिसे साहित्य पढ़ने में रुचि होती है, उसे इसमें ढेर सारी खुशी और ज्ञान प्राप्त होता है। इसमें रुचि लेने से वैचारिक स्तर पर आप समृद्ध होते जाएंगे। साहित्य से प्रेम करेंगे, तो आपको जीवन से प्रेम होने लगेगा और ताजगी महसूस करने लगेंगे।

संगीत का आनंद : डॉ. फ्रैंक के अनुसार जिसे संगीत से प्यार नहीं, वो दुनिया का सबसे गरीब आदमी कहा जा सकता है। जिंदगी में सुर और ताल बनाए रखने के लिए संगीत में रुचि बहुत कारगर साबित होती है। यकीन करें, अगर आप अपनी आत्मा को संगीत से सींचेंगे तो आपको आलौकिक आनंद महसूस होने लगेगा।

घुमक्कड़ी का शौक : शहरों में रहने वाले अधिकतर लोग दिन हो या रात चारदीवारी में ही घिरे रहते हैं। अधिकांश समय खुली, ताजा हवा में सांस नहीं ले पाते। स्वस्थ रहना है तो खुला आसमान, हरियाली भरे जंगल, जीवंतता के प्रतीक झरने आदि का आनंद उठाना सीखें। कभी खुले आसमान के नीचे लेट कर आकाश के तारे निहारें, हरी दूब पर लेटें, ताजा हवा के झोंकों में खुद को खुला छोड़ दें, पहाड़ों की गोद में यूं ही घूमने चले जाएं, फिर देखिए कैसी खुशी मिलती है!

संवेदनशील मन: संवेदनशील बनना भी स्वस्थ रहने के लिए बहुत कारगर है। हृदय के दरवाजे हमेशा खोल कर रखें। दूसरों के सुख-दुख को महसूस करें और उनमें शरीक हों। स्नेह, प्यार, मित्रता, रिश्ते आदि सुख और खुशी देते हैं। इससे मन में सकारात्मकता बढ़ती है, जो स्वस्थ रहने में बहुत मददगार होती है।

बच्चों से जुड़ाव : अपने जीवन को सेहतमंद और खुशहाल बनाने के लिए बच्चों से जुड़ना भी बहुत प्रभावी होता है। बच्चे जिंदगी के मकान का बेहद अहम हिस्सा होते हैं। इनसे जुड़ेंगे तो आप रोजमर्रा के अपने दुख-दर्द भूल जाएंगे।

खेलकूद में रुचि : क्या आप अखबार में आने वाले स्पोर्ट्स पेज को पढ़ते हैं? चेस, टेनिस, क्रिकेट कोई भी खेल खेलते हैं? अगर नहीं तो आपको पता होना चाहिए कि जो लोग खेलकूद पसंद नहीं करते, वे स्वास्थ्य और खुशी की दृष्टि से दुनिया के गरीब लोगों में शुमार होते हैं। अगर आप खेलते हैं या खेलकूद की गतिविधियों में दिलचस्पी लेते हैं, तो आप जीवन के कठिन दौर में भी खुश रहने की कला सीख लेंगे।

आनंद की अनुभूति : अपनी दिनचर्या की छोटी-छोटी चीजों में आनंद ढूंढ़ने की आदत आपको बहुत खुश और स्वस्थ बना सकती है। अपने बिस्तर की नरमी, भोजन का स्वाद और सुगंध, कपड़ों के रंग और डिजाइन, नंगे पांव मिट्टी पर चलने, ऑफिस की चाय, घर से दफ्तर तक का सफर, स्नान से मिलने वाली ऊर्जा और शांति आदि सब में आनंद के पल ढूंढ़े जा सकते हैं। शुरुआत में भले कुछ असहज लगे लेकिन कुछ समय बाद आप जीवन के हर पल में आनंद महसूस करने लगेंगे।

ईश्वर में आस्था : अध्यात्म और ईश्वरीय शक्ति में आस्था सचमुच सुकून और राहत देती है। ईश्वर में आस्था आपको सकारात्मकता और ऊर्जा से भर देती है। जो लोग प्रार्थना, अध्यात्म, सुपर नेचुरल पावर आदि की ताकत महसूस करते हुए भी खुद को बुद्धिजीवी करार देने के लिए इनसे दूर रहते हैं, वे सचमुच जीवन के आनंद से महरूम रहते हैं।

अपने काम से प्यार : हम सब को जीविका के लिए कोई न कोई काम करना पड़ता है। लेकिन हममें से ज्यादातर काम को बोझ समझते हैं। जरा सोचकर देखिए कि अगर आप काम में व्यस्त नहीं रहते, हर रोज संघर्ष न करते, मन में कोई लक्ष्य न होता, किसी से कोई आशा न होती तो आपकी जिंदगी कितनी रीती और सूनी होती? यकीन नहीं होता, तो दो-तीन दिन बिना कुछ किए घर में पड़े रहकर देखें, कितना उदास और बीमार महसूस करने लगेंगे, इसलिए प्रोफेशन का आनंद उठाएं। इसे एंज्वॉय करेंगे तो कभी भी वर्क प्रेशर महसूस नहीं होगा और आप स्ट्रेस, टेंशन, एंग्जाइटी से मुक्त रहते हुए स्वस्थ जीवन जिएंगे। *

मेडिकल केयर से अधिक लाभकारी है सेल्फ केयर

यह सही है कि बीमार होने पर हमें मेडिकल केयर की जरूरत पड़ती है। लेकिन सवाल है कि हम बीमार ही क्यों पड़ते हैं? अगर हम अपनी जीवनशैली के साथ आहार में समुचित बदलाव कर लें और सेल्फ केयर करें तो मेडिकल केयर की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

आत्मप्रेरणा / राजयोगी बीके निकुंज

भगवान गौतम बुद्ध की उक्ति है-स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी सबसे बड़ा संबंध है। इसी से समझा जा सकता है कि अच्छे स्वास्थ्य का हम सभी के जीवन में कितना महत्व होता है? जिसका शरीर स्वस्थ है, वही स्वस्थ कार्य कर सकता है। इसीलिए तो हम हमेशा अपने प्रियजनों के लिए खुशी और स्वास्थ्य की कामना रखते हैं, क्योंकि कोई भी व्यक्ति बीमार होकर अपनी मेहनत की कमाई को डॉक्टर और दवाइयों पर जाया करना नहीं चाहता। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ कहलाता है, जब वह स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करे। दुर्भाग्य से आज के आधुनिक जगत की इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास पर्याप्त समय ही नहीं होता कि वे अपने स्वास्थ्य की जांच समय-समय पर कराते रहें। इसलिए कुछ लोग स्वस्थ दिनचर्या को अपनाकर रोगों से दूर रहने की कोशिश करते हैं, किंतु उनका यह प्रयास अनेक प्रकार के सामाजिक दबाव के कारण उतना सफल नहीं हो पाता है, अंततोगत्वा निराश होकर वे अस्वस्थ जीवनशैली को अपना लेते हैं। हम यह अकसर भूल जाते हैं कि मां प्रकृति ने हमें, हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक सब कुछ प्रदान किया है। जरूरत है एक स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली को अपनाने की।

दवाओं पर कम करें निर्भरता: आज, दवा की गोलियां, कैप्सूल अधिकतर लोगों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। इसकी वजह यह है कि समय की कमी और व्यस्त जीवनशैली के कारण हम हमेशा स्वयं की देखभाल यानी कि 'सेल्फ केयर' की तुलना में चिकित्सा यानी कि 'मेडिकल केयर' को अधिक पसंद करते हैं। हम जंक फूड, जरूरत से ज्यादा खाना, व्यायाम और उचित आराम न करना, भावनात्मक अस्थिरता, धूम्रपान और मद्यपान जैसी अनेक गलत आदतों के जाल में इस कदर फंसे हुए हैं कि हमें इस बात का एहसास तक नहीं होता कि इन सभी आदतों का हमारे स्वास्थ्य पर खतरनाक प्रभाव पड़ रहा है। तो फिर क्यों न एक स्वस्थ जीवनशैली को अपनाया जाए? पर क्या यह इतना सरल है? जी हां! बिल्कुल सरल हैं।

जीवनशैली में करें सुधार: यदि अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए हम कुछ छोटे-मोटे परिवर्तन अपनी दिनचर्या में लाएं तो हम एक समग्र संतुलित स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। मसलन, जल्दी सोना और जल्दी उठना, इस आदत को यदि हम गंभीरता से अपना लें, तो प्रातःकाल से लेकर रात्रि तक हमारा दिन बहुत अच्छा बीतेगा। इसी प्रकार से सुबह को या शाम को यदि हम कुछ हल्का-फुल्का व्यायाम, जैसे कि सैर, जॉगिंग आदि को सिर्फ आधा घंटा कर लें, तो हम एक नई स्वस्थ पहल कर सकते हैं।

पौष्टिक भोजन का सेवन: पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, आरोग्य का सबसे मुख्य भाग है, संतुलित आहार। जी हां! डाइटिंग के नाम पर अपने को भूखा रखना हानिकारक सिद्ध हो सकता है, इसके बजाय अपनी भोजन शैली में व्यावहरिक परिवर्तन कर सारे पौष्टिक तत्वों से भरपूर भोजन लेने के नियम का पालन करना और यदा-कदा रूप में कुछ भी खा लेने की आदत से बचना ज्यादा हितकारक है।

ध्यान का सकारात्मक प्रभाव: पिछले कुछ वर्षों में किए गए चिकित्सा अनुसंधानों के द्वारा यह तथ्य सामने आया है कि 'अध्यात्म', मानव चरित्र का एक ऐसा महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो उसके भावनात्मक पक्ष को प्रभावित करता है, अतः उसकी उपेक्षा करना नुकसानकारक सिद्ध हो सकता है। इसीलिए विश्व भर के चिकित्सक आज दवाई के साथ-साथ अपने मरीजों को ध्यान (मेडिटेशन) करने की राय देते हैं, क्योंकि उनका यह स्पष्ट मानना है कि ध्यान के द्वारा मनुष्य अपने दिन-प्रतिदिन की नकारात्मकता से दूर रह सकता है और वह उनके शारीरिक स्वास्थ्य के बेहतरी में भी सहायक होगा। याद रहे! अपनी केयर खुद करें ताकि मेडिकल केयर से बचे रहें। *

पर्व-संस्कृति / डॉ. घनश्याम बादल

आगामी मंगलवार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवरात्र और नवसंत्सर का शुभारंभ हो रहा है। इस तिथि का जितना प्राकृतिक, ज्योतिषीय और धार्मिक महत्व है, उतना ही सांस्कृतिक महत्व भी है। इससे जुड़ी पौराणिक-सांस्कृतिक महत्ता पर एक दृष्टि।

नवसंवत्सर 2081 नवारंभ का सांस्कृतिक उत्सव

हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल चैत्र प्रतिपदा से नया विक्रम संवत शुरू हो जाता है। एक बार फिर कालचक्र के परिवर्तन के साथ नववर्ष दस्तक दे रहा है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा यानी 9 अप्रैल मंगलवार से नव विक्रम संवत्सर 2081 आरंभ हो रहा है। साथ ही इस दिन से ही चैत्र नवरात्र भी आरंभ हो रहे हैं।

ज्योतिषीय-पौराणिक मान्यताएं: ज्योतिषीय पंचांग के अनुसार नव संवत्सर 2081 का नाम क्रोधी और पंचांग भेद से इसका नाम कालयुक्त है। इसका राजा मंगल और मंत्री शनि होंगे। ज्योतिष के अनुसार इस वर्ष ग्रहों के दशाधिकार में सात विभाग क्रूर ग्रहों को और तीन शुभ ग्रहों को मिले हैं। मंगल के राजा और शनि के मंत्री होने से इस वर्ष के उथल-पुथल भरा रहने की आशंका है। मान्यता है कि नए संवत्सर में ब्रह्मांड में नई व्यवस्था का गठन भी होता है। मान्यता यह भी है कि ब्रह्मा जी ने सृष्टि का आरंभ इसी तिथि से किया था। यह भी माना जाता है कि सबसे पहले सतयुग का प्रारंभ इसी तिथि यानी चैत्र प्रतिपदा से हुआ था। यह तिथि सृष्टि के कालचक्र प्रारंभ और पहला दिन भी माना जाता है। इसी दिन भगवान विष्णु ने दशावतार में से पहला मत्स्य अवतार लेकर प्रलयकाल में अथाह जलराशि में से मनु की नौका को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था। प्रलयकाल समाप्त होने पर मनु से ही नई सृष्टि की शुरुआत हुई। हिंदू विक्रम संवत, अंग्रेजी कैलेंडर के वर्ष से 57 वर्ष आगे होता है। चैत्र नवरात्र की प्रतिपदा तिथि से अगले 9 दिनों तक देवी दुर्गा की उपासना का महापर्व नवरात्र भी आरंभ होता है।

सांस्कृतिक धरोहर : राष्ट्रीय स्वाभिमान और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रतीक की शुरुआत इस चैत्र नवरात्र से ही होती है। महाराष्ट्र में इस दिन को गुड़ी पड़वा और दक्षिण भारत में इसे उगादि के रूप में मनाया जाता है।

शुक्ल पक्ष से आरंभ होता नववर्ष: यह नववर्ष किसी जाति, वर्ग, देश, संप्रदाय का नहीं अपितु संपूर्ण मानवता का नववर्ष है। यह पर्व विशुद्ध रूप से भौगोलिक पर्व है, क्योंकि प्राकृतिक दृष्टि से भी इस दौरान वनस्पतियों, फूलों और पत्तियों में भी नयापन दिखाई देता है। हिंदू कैलेंडर में कुल 12 माह होते हैं- चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन। हिंदू कैलेंडर के सभी महीने नक्षत्र के नाम पर रखे गए हैं। पूर्णिमा तिथि पर जो नक्षत्र रहता है, उसी नक्षत्र के नाम पर हिंदी महीनों के नाम रखे गए हैं। जैस चैत्र का महीना चित्रा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है, इसी प्रकार वैशाख, विशाखा के नाम पर, ज्येष्ठ, ज्येष्ठा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है। एक प्रश्न यह उठता है कि चैत्र महीना हिंदू नववर्ष का पहला महीना होता है, जो होली के बाद शुरू हो जाता है। यानी फाल्गुन पूर्णिमा तिथि के बाद चैत्र कृष्ण प्रतिपदा लग जाती है फिर भी उसके 15 दिन बाद नया हिंदू नववर्ष क्यों मनाया जाता है? इसका उत्तर यह है कि हिंदू पंचांग के अनुसार कृष्ण पक्ष, पूर्णिमा से अमावस्या तिथि के 15 दिनों तक रहता है और कृष्ण पक्ष के इन 15 दिनों में चंद्रमा धीरे-धीरे लगातार घटने के कारण पूरे आकाश में अंधेरा छाने लगता है। सनातन धर्म का आधार हमेशा अंधेरे से उजाले की तरफ बढ़ने का रहा है यानी 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'। इसी वजह से चैत्र माह के लगने के 15 दिन बाद जब शुक्ल पक्ष लगता है तभी प्रतिपदा तिथि से हिंदू नववर्ष मनाया जाता है। अमावस्या के अगले दिन शुक्ल पक्ष लगने से चंद्रमा हर एक दिन बढ़ता जाता है, जिससे कालक्रम अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ता है।

क्या है प्रतिपदा: हिंदू पंचांग की प्रथम तिथि प्रतिपदा कही जाती है। यह तिथि मास में दो बार आती है पूर्णिमा के पश्चात और अमावस्या के पश्चात। पूर्णिमा के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा और अमावस्या के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा कहा जाता है। शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से चंद्रमा पूर्णता की ओर बढ़ता है, अतः इसे प्रतिपदा कहते हैं। शुक्ल पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 0 से 12 डिग्री तक होता है, जबकि कृष्ण पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 181 से 192 डिग्री तक होता है, तब प्रतिपदा तिथि होती है। कृष्ण प्रतिपदा को चंद्रमा की प्रथम कला होती है। शुक्ल पक्ष प्रतिपदा में चंद्रमा अस्त रहता है। कृष्ण पक्ष प्रतिपदा में स्थिति एकदम विपरीत होती है। कृष्ण प्रतिपदा में चंद्र अपने ह्रास की ओर बढ़ता है। अतः कह सकते हैं कि हिंदू संस्कृति में नया वर्ष आनंददायक भाव के साथ शुरू किया जाता है। *

शुभकामना गीत / शिवचरण चौहान

नव संवत्सर मंगलमय हो !

भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हमारी।
नए वर्ष की शुभ तिथि प्यारी।।
भारत की सर्वत्र विजय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
ऋतु बसंत पावन, मनभावन।
चैत्र मास नव मास सुहावन।।
महाराज विक्रम की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
पूरित शस्य धरा अति पावन।
नव पल्लव फल-फूल सुहावन।।
ग्रह नक्षत्र शुभ मंगलमय हो।
भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।

कहानी
रेखा शाह आरबी

लाल गमछा

रामदीन रोज रेल की पटरियों के किनारे वाले जंगल में अपनी बकरियां चराने ले जाता था। यहां बड़ी-बड़ी और मुलायम घास बकरियों को आसानी से उपलब्ध हो जाती थी। रामदीन पढ़ा-लिखा नहीं था। बचपन में मात्र चार-पांच दिन ही स्कूल गया था। उसका स्कूल में मन नहीं लगा तो स्कूल जाना छोड़ दिया। उसने घर में अपनी बकरियों को चराने की जिम्मेदारी ले ली।

उस दिन बकरियां जंगल में घास चर रही थीं। रामदीन कोई गीत गुनगुनाते हुए पटरियों के किनारे टहल रहा था। अचानक उसकी नजर रेल की टूटी पटरी पर पड़ी। वह चौंका, 'हे भगवान! यहां तो रेल की पटरी टूटी हुई है। रेल आएगी तो दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगी।'

रामदीन ने सोचा गांव जाकर लोगों को खबर करे, लेकिन गांव दूर था। दोपहर बाद शाम शुरू होते ही आने वाली ट्रेन का टाइम हो रहा था। वह सोच में पड़ गया, यदि ट्रेन आ गई तो भयंकर दुर्घटना हो जाएगी। ना जाने कितनी जानें चली जाएंगी, कितने लोग हताहत हो जाएंगे। दोपहर खत्म हो रही थी। ठीक इसी समय ट्रेन आती थी, रामदीन को पता था। क्योंकि रोज वह बकरियों को चराकर इसी समय अपने गांव की ओर वापस लौटता था। वह जाती हुई उस ट्रेन के यात्रियों को हाथ हिलाकर अभिवादन करता था। यात्री भी उसे इस तरह हाथ हिलाते देखकर मुस्कुराते हुए अपने हाथ हिलाकर उसके अभिवादन का जवाब देते थे।

रामदीन का दिमाग सुन्न हो रहा था। उसे समझ में नहीं आ रहा था, करे तो क्या करे? कैसे ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाए? उसे अचानक याद आया, जब वह बचपन में चार-पांच दिन के लिए स्कूल गया था तो मास्टर जी ने बच्चों को बताया था कि यदि आपातकाल में कभी ट्रेन रुकवानी पड़े तो तुम किसी भी लाल रंग के कपड़े को ट्रेन के ड्राइवर को दिखाओ, ड्राइवर ट्रेन रोक देगा, क्योंकि लाल रंग खतरे का प्रतीक होता है। ड्राइवर समझ जाएगा कि आगे कहीं कुछ खतरा है, इसलिए ट्रेन रुकने का इशारा किया जा रहा है।

रामदीन ने अपने कपड़े देखे। उसने देखा, गले में लाल रंग का गमछा पड़ा हुआ है। उसने अपने डंडे में गमछे के दोनों सिरों को बांधा और पटरी के पास खड़ा हो गया। कुछ ही देर में उसे दूर से ट्रेन के आने की आवाज सुनाई दी। वह डंडे में बंधे लाल गमछे को हिलाते हुए ट्रेन की दिशा में दौड़ पड़ा।

ड्राइवर ने दूर से ही देख लिया था, एक व्यक्ति लाल रंग का कपड़ा लहराते हुए ट्रेन की तरफ आ रहा है। वह समझ गया कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है, उसने ट्रेन रोक दी।

ट्रेन रुकने के बाद ड्राइवर, गार्ड, टीटी और कुछ यात्री उतर कर रामदीन के पास आए। उसने सबको ट्रेन की टूटी पटरी दिखाई। टूटी पटरी देखकर लोग दंग रह गए। ड्राइवर बोला, 'आपने एक बहुत बड़ी दुर्घटना होने से बचाई है, लोगों की जान बचाई है।'

तुरंत स्टेशन से इंजीनियरों की टीम बुलाकर पटरियों की मरम्मत करवाई गई। ट्रेन जब अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई तो टीटी, ड्राइवर, गार्ड और यात्रियों ने हाथ हिलाकर रामदीन के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

शाम होते ही रामदीन अपनी बकरियों को लेकर घर आ गया। रात को जब रामदीन अपनी खाट पर सोने के लिए लेटा तो सोच रहा था- 'मैं जब चार-पांच दिन स्कूल गया तो मुझे इतना ज्ञान मिल गया कि एक ट्रेन के कितने सारे लोगों की जान बचा ली। अगर लंबे समय तक शिक्षा ग्रहण की होती तो मैं ना जाने कितने और बड़े-बड़े काम करने के लिए समक्ष हो जाता।'

उसी रात रामदीन ने मन ही मन संकल्प लिया कि वह तो अनपढ़ रह गया, लेकिन अपने बच्चों को अनपढ़ नहीं रहने देगा। जल्द ही अपने बच्चों का स्कूल में दाखिला कराएगा। *

खरी-खरी / अशोक अंजुम

चुनावी मौसम में

बेईमानी, झूठ के सब कारखाने चल पड़े।
लो सभी नेता स्वयं को आजमाने चल पड़े।
जो सदा करते रहे बातें उजालों की यहां,
वे तिमिर के वंशजों के गीत गाने चल पड़े।
आ गया मतदान का मौसम, 'रे पंछी जाग जा'
फिर शिकारी वायदों के लेके दाने चल पड़े।

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-
- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

लोकसभा क्षेत्र
शहडोल
1 भाजपा प्रत्याशी
हिमाद्री सिंह
2 कांग्रेस प्रत्याशी
फुंदेलाल मार्को

पिछली बार कौन जीता
हिमाद्री सिंह
जीत का अंतर
40 हजार 333

क्या रहेंगे मुद्दे?

लोकसभा के इस चुनाव में मुद्दों के लिहाज से भाजपा का पलड़ा भारी है। अयोध्या में राम मंदिर, धारा 370 और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता उसके ट्रंप कार्ड हैं। भाजपा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं और कामों को भी गिना रही है। कांग्रेस में भगदड़ भी उसका एक मुद्दा है। इसके विपरीत कांग्रेस के फुंदेलाल क्षेत्र में सांसद हिमाद्री की निष्क्रियता को मुद्दा बना रहे हैं। इसके अलावा कांग्रेस ने घोषणा-पत्र में अपने मुद्दे गिना दिए हैं। पांच न्याय के साथ कांग्रेस ने 24 गारंटियों की बात की है। वह किसान कर्जमाफी को भी मुद्दा बना रही है और एमएसपी को भी। भाजपा और कांग्रेस का प्रचार जोर पकड़ता दिख रहा है।

कोरोना काल में जनता के बीच नहीं दिखी थीं हिमाद्री, कांग्रेस के फुंदेलाल का पुष्पराजगढ़ में ज्यादा असर

भाजपा प्रत्याशी से नाराजगी, मुकाबले में रहने की कोशिश में कांग्रेस

विंध्य अंचल की शहडोल लोकसभा क्षेत्र की सांसद और भाजपा प्रत्याशी हिमाद्री सिंह से क्षेत्र के लोगों में कुछ नाराजगी है, क्योंकि वह कोरोना कॉल में लोगों के साथ खड़ी नहीं दिखाई पड़ीं। दूसरी वजह पति और भाजपा नेता नरेंद्र सिंह मरावी के साथ चल रही उनकी अनबन भी है। खबर है कि पति और पत्नी साथ नहीं रह रहे हैं। बावजूद इसके भाजपा की स्थिति मजबूत है। कांग्रेस के फुंदेलाल मार्को विपरीत परिस्थिति में भी विधानसभा चुनाव जीतते रहे हैं। वे क्षेत्र का जाना-माना चेहरा हैं, लेकिन उनका असर उनके विधानसभा क्षेत्र पुष्पराजगढ़ में ही ज्यादा है। हालांकि आदवासियों के एक वर्ग में उनकी अच्छी पकड़ बताई जाती है। इसकी बदौलत वे मुकाबले में बने रहने की कोशिश कर रहे हैं।

ग्राउंड रिपोर्ट

दिनेश निगम 'त्यागी' ▶▶ भोपाल

शहडोल की सांसद हिमाद्री सिंह चुनाव भले भाजपा की टिकट पर लड़ रही हैं, लेकिन उनकी राजनीतिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि कांग्रेसी है। उनके पिता दलबीर सिंह क्षेत्र के सांसद के साथ कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे हैं। हिमाद्री की मां राजेश नंदिनी सिंह भी कांग्रेस से सांसद रही हैं। दलबीर सिंह के निधन के बाद राजेश नंदिनी सिंह ने पति की राजनीतिक विरासत संभाली और राजेश नंदिनी सिंह के निधन के बाद हिमाद्री चुनाव मैदान में उतरीं। हिमाद्री 2016 के उप चुनाव में कांग्रेस की ओर से पहली बार मैदान में उतरी और भाजपा के ज्ञान सिंह से 60 हजार से

हिमाद्री सिंह

फुंदेलाल मार्को

ज्यादा वोटों के अंतर से पराजित हो गईं। नतीजा, अगले लोकसभा चुनाव 2019 से पहले उन्होंने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा ने उन्हें टिकट दिया और वे कांग्रेस की प्रमिला सिंह को रिकार्ड 4 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर हरा कर जीत गईं। खास बात यह भी है कि हिमाद्री ने कांग्रेस में रहते भाजपा नेता नरेंद्र सिंह मरावी के साथ शादी की थी, जबकि नरेंद्र सिंह 2009 में उनकी मां राजेश नंदिनी सिंह के खिलाफ ही लोकसभा चुनाव लड़े थे और 13 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से हार गए थे। हिमाद्री 4 लाख से ज्यादा वोटों के रिकार्ड अंतर से चुनाव जीती थीं। हालांकि कोरोना कॉल में वे क्षेत्र के लोगों के साथ खड़ी दिखाई नहीं पड़ीं। इसकी वजह से लोगों में उनके प्रति नाराजगी है। दूसरा, हिमाद्री के पति नरेंद्र सिंह मरावी भाजपा के बड़े नेता हैं। वे भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष रहे हैं। हिमाद्री अपने पति से अलग रह रही है। इसकी वजह से भी कुछ लोग नाराज बताए जाते हैं। इसका तात्पर्य यह भी नहीं कि भाजपा की हालत ठीक नहीं है। शहडोल में देश की हवा का असर है और यहां एक बार फिर भाजपा की स्थिति मजबूत दिख रही है। कांग्रेस के फुंदेलाल भी क्षेत्र के मजबूत नेताओं में से एक हैं। भाजपा की लहर में भी वे विधानसभा चुनाव नहीं हारे।

विस में भाजपा ने जीतीं 8 में से 7 सीटें

विधानसभा की ताकत के लिहाज से भाजपा का पलड़ा भारी है। पार्टी ने 8 में से 7 सीटें जीत रखी हैं। इसके विपरीत कांग्रेस को सिर्फ एक सीट पर संतोष करना पड़ा है। यह सीट भी कांग्रेस प्रत्याशी फुंदेलाल की पुष्पराजगढ़ है। वे यहां से लगातार तीसरी बार चुनाव जीते हैं। हालांकि इस बार उनकी जीत का अंतर बहुत घट गया। फुंदेलाल 2013 में 35 हजार 643 और 2018 में 21 हजार 201 वोटों के अंतर से चुनाव जीते थे, लेकिन चार माह पहले 2023 के चुनाव में वे 4 हजार 486 वोटों से ही जीत सके। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस बराबरी पर थे। दोनों ने 4-4 विधानसभा सीटों में जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार भाजपा ने 7 सीटें जीतीं और जीत का अंतर भी कुल मिलाकर 2 लाख 12 हजार 835 वोट का है। इस अंतर को पाटना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है।

शहडोल में आधे से ज्यादा मतदाता आदिवासी

शहडोल लोकसभा सीट आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित है। क्षेत्र में आदिवासियों के साथ अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं की तादाद भी आधे से ज्यादा है। 2011 की जनगणना के मुताबिक शहडोल क्षेत्र के तहत 44.76 फीसदी आबादी आदिवासी वर्ग की है। इसके साथ क्षेत्र में 9.35 फीसदी आबादी अनुसूचित जाति वर्ग की है। इन दोनों वर्गों के मतदाता भाजपा-कांग्रेस में बंटते हैं, लेकिन ज्यादा भाजपा के पक्ष में ही जाते हैं। आदिवासी वर्ग का कुछ वोट गोंगपा भी ले जाती है। इसके बाद क्षेत्र में पिछड़े वर्ग के मतदाताओं की तादाद 30 फीसदी के आसपास है। यह वर्ग ज्यादा तादाद में भाजपा के पक्ष में ही जाता है। कांग्रेस को पिछड़ों के साथ कुछ सवर्णों का वोट मिलता है।

चार जिलों में फैला है शहडोल लोकसभा क्षेत्र

शहडोल की गिनती विंध्य अंचल में होती है, लेकिन इसका भौगोलिक क्षेत्र महाकौशल तक जाता है। लोकसभा क्षेत्र चार जिलों शहडोल, अनूपपुर, उमरिया और कटनी तक फैला है। इसके तहत शहडोल जिले की दो विधानसभा सीटें जयसिंहनगर और जैतपुर, अनूपपुर जिले की तीन अनूपपुर, पुष्पराजगढ़ और कोतमा, उमरिया जिले की दो बांधवगढ़, मानपुर और कटनी जिले की एक विधानसभा सीट बड़वारा आती है। इनमें से एक पुष्पराजगढ़ को छोड़ शेष सभी 7 पर भाजपा का कब्जा है। जहां तक शहडोल लोकसभा सीट के राजनीतिक मिजाज का सवाल है तो 1991 और 2009 में यहां से कांग्रेस के दलवीर सिंह और उनकी पत्नी राजेश नंदिनी सिंह ही चुनाव जीते है।

चाय पे चर्चा

▶▶ मालवीय नगर स्थित अग्रवाल भोजनालय में चाय पर राजनैतिक चर्चा करते मिले राजधानी के युवक

पार्टी कोई भी हो, मतदाताओं को उम्मीदवार की ईमानदारी व आम लोगों के बीच पकड़ को प्राथमिकता देना चाहिए

लोकसभा सीट भोपाल पर पिछले कई सालों से एक ही पार्टी का सांसद रहा है। चुनाव होने के बाद सांसद अधिकतर नजर नहीं आते हैं। विकास के कामों को लेकर भी कम रुचि नहीं दिखती है। ऐसे में जरूरी है कि मतदाताओं को उम्मीदवार चयन में सावधानी बरतनी चाहिए। यह चर्चा मालवीय नगर स्थित अग्रवाल भोजनालय में चाय पर चर्चा करते हुए मयंक शर्मा और डॉक्टर मुकेश मिले। हाल ही में

होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर मयंक ने कहा कि देश में चुनाव को लेकर माहौल बनने लगा है। राजधानी में सात मई को वोटिंग की जानी है। हालांकि नामांकन जमा नहीं होने से अभी प्रचार अभियान ने जोर नहीं पकड़ा है। लेकिन इस बार आम लोगों को चाहिए कि मतदाता चयन में सावधानी बरतें। भाजपा ने आलोक शर्मा को मैदान में उतारा है। यह स्थानीय होने के साथ आम लोगों के बीच के व्यक्ति हैं। हाल ही में विधानसभा चुनाव हारने के बाद उन्हें लोकसभा चुनाव में टिकट दिया गया है। इधर कांग्रेस ने भी अरुण श्रीवास्तव को टिकट दिया है। वह भी आम लोगों के बीच जाकर अपनी बात रख रहे हैं। जिस पर मुकेश ने कहा कि पार्टी कोई भी हो, लेकिन मतदाताओं को उम्मीदवार की ईमानदारी और आम लोगों के बीच पकड़ को प्राथमिकता देना चाहिए। जीत-हार तो लगी रही रहती है।

जो हो न सका...

करोड़ों रुपए खर्च होने के बाद भी नहीं लौट पाया सदर मंजिल का नवाबी वैभव

वर्ष 1860 से 1880 के बीच नवाबी काल में तैयार हुई सदर मंजिल को हेरिटेज लुक देने के लिए केंद्र सरकार से राशि तो उपलब्ध हुई, लेकिन काम पूरा न होने से भवन दोबारा बदहाल होने लगा है। इस पर करोड़ों रुपए खर्च हो चुका है और स्मार्ट सिटी ने दो साल में इसे हेरिटेज लुक देने की बात कही थी, लेकिन काफी पैसा खर्च करने के बाद काम अधूरा छोड़ दिया गया। इसको लेकर जो भी सांसद रहे, उन्होंने सिर्फ आश्वासन दिया कि सुल्तान जहां बेगम का दरबार लगने वाली इस सदर मंजिल को हर हाल में हेरिटेज लुक तैयार करवाया जाएगा। इसके बाद भी यह भवन उसी श्रेणी में आ गया, जिसके लिए लोग कहते हैं कि यह काम जो हो न सका।

सदर मंजिल में ही सुल्तान जहां के बाद हमीदुल्ला खां का दरबार लगने लगा। बाद में शहर इंतजामिया का दफ्तर शुरू हुआ। आजादी के बाद इसमें नगर निगम का दफ्तर लगने लगा। जर्जर भवन होने से दफ्तर शिफ्ट हुआ।

भवन को हेरिटेज लुक देना था

भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड ने रेस्टोरेशन एंड डेवलपमेंट फेज टू प्रोजेक्ट के लिए टेंडर जारी किए। इसमें 9 करोड़ 35 लाख रुपए लागत रखी गई थी। प्रोजेक्ट के तहत ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर के पिछले हिस्से को शामिल किया गया। इमारत में एयर कंडीशन के लिए 1 करोड़ 77 लाख से काम शुरू किया गया। दीवारों के संरक्षण के लिए विशेष तरह की तीन लेयर में काम होना था। इसमें 12 एमएम मोटी प्लास्टर और कोटिंग की जानी थी। इसमें सीमेंट इस्तेमाल नहीं होना था। इमारत में इलेक्टिफिकेशन सहित टेलीफोन लाइन बिछनी थीं। आग से बचाव के लिए फायर अलार्म सिस्टम, जिसमें हाइड्रेंट, होज रील, स्मोक डिटेक्टर, पंप, पानी के टैंक आदि की व्यवस्था शामिल है, लेकिन यह हुआ नहीं।

फर्स्ट टाइम वोटर

शिक्षा के क्षेत्र में क्या हो रहा है? इस मुद्दे को लेकर वोट दूंगी...

मैं पहली बार मतदान करने जा रही हूं। शिक्षा के क्षेत्र में हमारी सरकार क्या कर रही है? मैं इस मुद्दे को लेकर अपना वोट दूंगी। जो जनप्रतिनिधि मूलभूत समस्याओं का समाधान करेगा, ऐसे उम्मीदवार को वोट करूंगी। भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी रोकने को लेकर सरकार को कड़े कदम उठना चाहिए। हर साल वैकेंसी निकालना चाहिए। आज का युवा समस्याएं हल करने वाला नेता चुनना चाहता है।

संजना मौर्या, युवा मतदाता

पहली बार मतदान करूंगा, नई सरकार युवाओं को रोजगार दे...

वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में मैं पहली बार मतदान करूंगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि चुनाव के बाद जिस भी दल की सरकार बनेगी, वह युवाओं के स्वर्णिय भविष्य और रोजगार उपलब्ध कराने में लिए ठोस योजना बनाएगी। मैं पहले जब वे लोगों को मतदान करते देखता था, तो दिल चाहता था कि मेरी भी अंगुली पर स्याही का निशान लगे। मतदान करने के लिए उत्साहित हूं। मतदान करने के लिए दूसरों को भी जागरूक करूंगा।

अरुण पांडे, प्रदेशाध्यक्ष, जय हिंद सेना

जानिए, आदर्श आचार संहिता

चुनाव की घोषणा के बाद से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाती है। प्रत्येक राजनीतिक दल को इसका पालन करना जरूरी होता है। यदि किसी विशेष परिस्थितियों में किसी विभाग के वाहन को कार्य की आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए छूट दिया जाना आवश्यक समझा जाता है, तो विभाग को कलेक्टर से संपर्क करना चाहिए। यह कलेक्टर के विवेक पर रहेगा कि वे उन्हें छूट दें अथवा नहीं दें।

निर्वाचन की घोषणा होने के उपरांत समस्त विभागाध्यक्षों को विभागीय वाहनों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर करवा लेना चाहिए। वाहन मरम्मत के लिए अपने अधीनस्थ कार्यालयों को आवश्यक धनराशि का आवंटन एवं स्वीकृति भी शीघ्र दी जानी चाहिए। आवश्यकता होने पर कलपुर्जा, टायर-ट्यूब्स, बैटरी आदि के क्रय के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाए, इसके लिए तत्काल सक्षम अधिकारियों की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त को जाना चाहिए। निर्वाचन के लिए बड़ी संख्या में बसों ट्रकों की आवश्यकता होती है। अतः निर्वाचन की घोषणा के उपरांत परिवहन आयुक्त अपने रीजनल ट्रांसपोर्ट आफिसरों (आरटीओ) को यह निर्देश देने चाहिए कि वे अपने क्षेत्र के जिला कलेक्टरों से संपर्क स्थापित करें और उपलब्ध बसों ट्रकों की जानकारी देते हुए विभिन्न कलेक्टरों को वाहन उपलब्ध कराने के लिए पूरा सहयोग दें। चुनाव की अवधि में उपयोग में लाई जाने वाली वाहनों पर होने वाले खर्चे के बारे में विधि एवं विधायी कार्य (निर्वाचन) विभाग की ओर से आदेश प्रसारित किए जाएंगे। इन वाहनों पर होने वाले खर्च का भुगतान उक्त आदेशों के अनुसार किया जाएगा।

नक्सली हमले में शहीद 76 जवानों को सीआरपीएफ ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जशपुर

6 अप्रैल 2010 का वह काला दिन जब छत्तीसगढ़ के ताड़मेटला गांव में नक्सलियों ने 76 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या कर दी थी। इस दिन मां भारती की रक्षा में अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को शनिवार को सीआरपीएफ की तरफ से श्रद्धांजलि दी गई। इसी कड़ी में जशपुर के बरांगजोर गांव के लेओस खेस के स्मारक में सीआरपीएफ, लेओस खेस की पत्नी, ग्रामीणों और स्कूली बच्चों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

दरअसल सीआरपीएफ के डायरेक्टर जनरल आईपीएस अनीस

दयाल सिंह के निर्देशनुसार नक्सली हमले में बलिदान हुए सभी 76 जवानों के गांव में सीआरपीएफ के अधिकारी पहुंचकर उन्हें अपनी श्रद्धासुमन अर्पित किया। कुनकुरी थाना इलाके के बरांगजोर गांव में भी लेओस खेस के स्मारक पर ग्रुप सेंटर बिलासपुर से असिस्टेंट कमांडेंट अमित कुमार, इंस्पेक्टर मोहम्मद परवेज जवानों के साथ पहुंचे।

पुलिस टीम ने नक्सलियों के अस्थाई कैंप को किया ध्वस्त, सभी सामान जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

नारायणपुर जिले के मसपुर तमोरा के जंगल में पुलिस की संयुक्त टीम ने नक्सलियों की अस्थाई कैंप को ध्वस्त करने के साथ ही नक्सली सामग्री बरामद किया है। घटना के बाद पुलिस ने सभी सामान को जब्त करते हुए अपने साथ ले आई है।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए नारायणपुर पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि किसकोड़ो एरिया कमेटी के विरुद्ध पुलिस ने अभियान शुरू करते हुए डीआरजी, बस्तर फाइटर के साथ ही सीएएफ 5वीं वाहिनी कैंप अर्रा की संयुक्त टीम को तैयार करते हुए 4 अप्रैल को थाना एड़का से एक टीम को रवाना किया। इसके बाद टीम 5 अप्रैल को जैसे ही थाना एड़का मसपुर तमोरा के जंगल मे सर्चिंग के दौरान नक्सलियों के द्वारा

अपने संतरी को लगाया गया था, संतरी के द्वारा पुलिस जवानों को आता देख उसने अपने साथियों को सूचना दे दी, जिस पर नक्सली मौके से भाग खड़े हो गए। पुलिस के द्वारा इलाके में सर्चिंग के द्वारा नक्सलियों के अस्थाई कैंप को ध्वस्त करते हुए मौके से विस्फोटक सामग्री, संचार उपकरण, नक्सली बैनर, वर्दी, नक्सल साहित्य, दैनिक उपयोग की सामग्री को जब्त कर लिया है।

जिले के अलग अलग क्षेत्र में की गई कार्रवाई

पुलिस ने कार्रवाई कर 44 अवैध कबाड़ियों को किया गिरफ्तार, 97 लाख का सामान जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर जिले में अवैध रूप से चलने वाली कबाड़ियों पर पुलिस ने छापा मार कार्रवाई की है। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई है। मामले में 44 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से 25 टन से ज्यादा लोहे साथ ही 17 चारपहिया वहान जब्त किया गया है। इसकी कीमत 97 लाख रुपये आंकी गई है।

चोरी की घटनों पर अंकुश लगाने और अवैध कबाड़ के कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिले के 12 थाना क्षेत्रों चल

रहे अवैध कबाड़ में कार्रवाई की गई है। थाना धरसींवा, खमतराई, उरला, डीडी नगर, आमानाका, मौदहापारा, तेलीबांधा, गुढ़ियारी, न्यू राजेन्द्र नगर, पंडरी, खम्हारडीह और गोबरानयापारा थाना क्षेत्र में स्थित कबाडियों के यार्ड, गोदाम और अन्य जगहों पर रेड कार्रवाई की गई है। इस दौरान कबाड़ के काम में संलिप्त कुल 44 प्रकरणों में 44 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 25 टन से अधिक लोहे का कबाड़ और 17 नग चारपहिया वाहन जब्त किया गया है।

हादसे में आठ बच्चे घायल, सभी को जिला अस्पताल में कराया भर्ती

स्कूली बच्चों से भरी वैन को ट्रक ने मारी टक्कर, एक बच्चे की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धमतरी

धमतरी में फिर एक सड़क हादसा हुआ है। यहां स्कूल के बच्चों से भरी वैन को ट्रक ने ठोकर मार दी जिसके चलते लगभग आठ बच्चे घायल हो गये हैं। वहीं घटना में एक बच्चे की मौत हो गई है। सभी घायल बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार सरस्वती ज्ञान मंदिर बठेना स्कूल की वैन बच्चों को छोड़ने घर जा रही थी। संबलपुर बाईपास के पास पंहुचे ही थे कि तभी रायपुर की ओर से आ

रहे ट्रक ने वैन को जोरदार ठोकर मार दी। हादसा होते ही बच्चों में चीखपुकार मच गई। तत्काल सभी बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इस हादसे में ग्राम तेलिनशक्ति के रहने वाले सागर ध्रुव की दर्दनाक मौत हो गई।

प्रशासन, खाद्य और औषधि संरक्षण की संयुक्त टीम ने की छापामार कार्रवाई

सरगुजा के अंबिकापुर नगर में 7900 लीटर नकली घी पकड़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

नकली घी तैयार करने वाली फैक्ट्री पर प्रशासन एवं खाद्य और औषधि संरक्षण की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नकली घी बरामद किया है। दरअसल, यह फैक्ट्री सरगुजा जिला के अंबिकापुर नगर स्थित बाबूपारा मोहल्ले में संचालित हो रही थी, जिसे प्रशासन ने सील कर दिया है। इस अवैध फैक्ट्री से टीम ने 7900 लीटर नकली घी जब्त किया है जिसकी कीमत 7.86 लाख रुपए बताई गई है।

फैक्टरी में नकली घी वनस्पति डालडा एवं सोयाबीन तेल को मिलाकर व एसेंस डालकर तैयार किया जा रहा था। नकली घी को आगामी

नवरात्रि पर्व पर मंदिरों में खपाने की थी तैयारी

8 अप्रैल से शुरू होने वाले नवरात्रि पर्व पर मंदिरों में प्रज्वलित होने वाले मनोकामना दीप में खपाने की तैयारी थी। नकली घी का अवैध तरीके से फैक्ट्री संचालित करने वाला कारोबारी राकेश बंसल है जो कि मूलतः गोंदिया महाराष्ट्र का रहने वाला है।

नकली घी की फैक्टरी सील

प्रशासन की टीम ने 200 से ज्यादा टीनों में तैयार घी एवं 700 लीटर के 8 ड्रमों में घी तैयार कर पैकिंग के लिए रखा गया था, उसे जब्त किया है और फैक्ट्री को सील कर दिया है।

जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा

खाद्य अधिकारी आरआर देवांगन ने बताया कि अवैध फैक्ट्री से किंग सोयाबीन तेल के 15 लीटर के 81 टीन, रजनी गोल्ड वनस्पति के 15 लीटर के 57 टीन तथा मिश्रित तेल/घी के 15 लीटर के 98 टीन और 150 लीटर के 8 ड्रम को सीज किया गया है। जब्त खाद्य नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया।

देश में लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। चुनाव में अपनी जीत पक्की करने के लिए सभी पार्टियां कमर कस चुकी हैं। कांग्रेस, भाजपा से लेकर सभी छोटी बड़ी पार्टियों ने जनता के बीच वादे भी करने शुरू कर दिए हैं। लोकलुभावन घोषणा पत्र भी पार्टियों के आने लगे हैं। कांग्रेस ने भी अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' का वादा किया है। कांग्रेस ने 48 पन्नों के 'न्याय-पत्र' में जो 344 चुनावी वादे किए हैं, वे सिर्फ राजनीतिक विरोध के प्रतीक-चिह्न हैं। कांग्रेस का घोषणा-पत्र प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों और फैसलों का 'विरोध-पत्र' है। कांग्रेस ने 'न्याय' के तहत हिस्सेदारी, किसान, श्रमिक, युवा, नारी, आर्थिक, राज्य, रक्षा, पर्यावरण और संवैधानिक न्यायों की बात कही गई है। यानी कांग्रेस मान रही है कि देश लगातार 'अन्याय' के साथ जीता रहा है। अच्छा है कि खुद कांग्रेस स्वीकार रही है कि उसकी सरकारों के दौरान भी अन्याय किए गए। अब अहम सवाल यह है कि कांग्रेस जो वादे कर रही है उनको किस तरह से पूरा करेगी और उनके लिए धन कहां से आएगा, इन्ही पहलुओं पर विचार करता आजकल का यह अंक...

कांग्रेस की गारंटी या विरोध पत्र

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

> **कांग्रेस ने जो चुनावी घोषणा-पत्र जारी किया है वह केवल प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों का विरोध-मात्र है। एक बानगी ही पर्याप्त है कि कांग्रेस सरकार आई, तो वह 'नीति आयोग' का नाम पलट कर 'योजना आयोग' कर देगी। कांग्रेस की सोच में कुछ भी मौलिकता और नयापन नहीं है। यहां तक कि सरकारी कर्मचारियों की 'पुरानी पेंशन स्कीम' (ओपीएस) ने हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी ओपीएस कांग्रेस का बुनियादी चुनावी मुद्दा था, लेकिन 'न्याय पत्र, 2024' में वह गायब है। धनशोधन निरोधक अधिनियम' (पीएमएलए) को ही रद करने का विचार कांग्रेस में उभरा था।**

कांग्रेस ने 48 पन्नों के 'न्याय-पत्र' में जो 344 चुनावी वादे किए हैं, वे सिर्फ राजनीतिक विरोध के प्रतीक-चिह्न हैं। कांग्रेस का घोषणा-पत्र प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों और फैसलों का 'विरोध-पत्र' है। एक बानगी ही पर्याप्त है कि कांग्रेस सरकार आई, तो वह 'नीति आयोग' का नाम पलट कर 'योजना आयोग' कर देगी। कांग्रेस की सोच में कुछ भी मौलिकता और नयापन नहीं है। यहां तक कि सरकारी कर्मचारियों की 'पुरानी पेंशन स्कीम' (ओपीएस) ने हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी ओपीएस कांग्रेस का बुनियादी चुनावी मुद्दा था, लेकिन 'न्याय पत्र, 2024' में वह गायब है। धनशोधन निरोधक अधिनियम' (पीएमएलए) को ही रद करने का विचार कांग्रेस में उभरा था। शायद आज की कांग्रेस को जानकारी नहीं है कि 2009 में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान ही पीएमएलए में 'आपराधिक साजिश' की धारा 120-बी को जोड़ा गया था, लिहाजा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) साजिश के किसी भी मामले में दख़ल देने में सक्षम हो गया। यह दीगर है कि 2015 और 2019 में मोदी सरकार ने पीएमएलए को अधिक व्यापक और कठोर कानून बना दिया। आजकल ज्यादातर विपक्षी नेता ईडी के छापों और कानूनी कार्रवाई से संत्रस्त हैं, लिहाजा कांग्रेस पीएमएलए में संशोधन करेगी, ताकि ईडी के दुरुपयोग को रोका जा सके। 'न्याय-पत्र' मौजूदा कानूनों और प्रावधानों के खिलाफ विरोध की प्रतिक्रिया का एक दस्तावेज है। आखिर कांग्रेस ने बहुसंख्यकवाद, यानी हिन्दुओं, के खिलाफ और अल्पसंख्यकों के लिए प्रतिबद्धता की घोषणा क्यों की है? क्या यही कांग्रेस की राजनीतिक और सांप्रदायिक मंशा है?

न्याय और गारंटी

कांग्रेस ने 10 'न्याय' और 25 गारंटियों की घोषणा की है। 'न्याय' के तहत हिस्सेदारी, किसान, श्रमिक, युवा, नारी, आर्थिक, राज्य, रक्षा, पर्यावरण और संवैधानिक न्यायों की बात कही गई है। यानी कांग्रेस मान रही है कि देश लगातार 'अन्याय' के साथ जीता रहा है। कांग्रेस की सरकार केंद्र में आई, तो सभी प्रमुख 'न्याय' लोगों को मुहैया कराए जाएंगे। दरअसल कांग्रेस ने देश पर 55 साल से अधिक समय तक शासन किया है। पिछली सरकार मई, 2004 से मई, 2014 के दौरान 10 साल तक रही। अच्छा है कि खुद कांग्रेस स्वीकार रही है कि उसकी सरकारों के दौरान भी अन्याय किए गए। अब कांग्रेस ने कुछ ऐसी घोषणाएं की हैं, जिनके जरिये वह कई स्तरों पर 'न्याय' कर सकती है। मसलन-30 लाख सरकारी नौकरी के पदों पर भर्तियां की जाएंगी। हर गरीब परिवार को बिना शर्त 1 लाख रुपये सालाना दिए जाएंगे। इस योजना का नाम 'महालक्ष्मी' रखा गया है और यह राशि घर की सबसे बुजुर्ग महिला को दी जाएगी। स्वास्थ्य बीमा 25 लाख रुपये का किया जाएगा। मनरेगा की दिहाड़ी 400 रुपये रोज़ाना की होगी। 25 साल से कम उम्र वाले स्नातक और डिप्लोमाधारी युवाओं को ट्रेनी की पहली नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। उस अवधि के दौरान एक लाख रुपये का मानदेय भी दिया जाएगा। नौकरी के लिए आवेदन की कोई फीस नहीं देनी पड़ेगी और पेपर लीक से मुक्ति भी दिलाई जाएगी। यह 'न्याय' भी किया जाएगा कि 'अग्निवीर' योजना बंद की जाएगी। अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी आदि के आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी को बढ़ाया जाएगा। केंद्र की 50 फीसदी नौकरियां महिलाओं को ही दी जाएंगी। संसद और विधानसभाओं में 33 फीसदी महिला आरक्षण का कानून 2025 से ही लागू किया जाएगा।

जांचों का सिलसिला

चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में 'नोटबंदी' लागू की थी, लिहाजा कांग्रेस की सरकार आई, तो उसकी जांच कराई जाएगी। जिन चुनावी बॉन्ड को सर्वोच्च अदालत ने 'असंवैधानिक' करार दिया है, उसकी भी जांच कराई जाएगी। कांग्रेस फ्रांस सरकार के साथ राफेल लड़ाकू विमान सौदे की जांच कराना 'न्याय' मान रही है, लेकिन अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर सौदे, पनडुब्बी सौदे, सैन्य ट्रक घोटाले, कोयला खदान, 2जी स्पेक्ट्रम, राष्ट्रमंडल खेल घोटालों की जांच क्यों नहीं कराना चाहती? ये 15 लाख करोड़ रुपये के घोटाले आरोपित हैं। क्या इनकी नए सिरे से जांच 'न्यायिक' नहीं होगी? यह भी घोषणा की गई है कि जो नेता कांग्रेस या विपक्ष के अन्य दल को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, उनके खिलाफ ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग की जांच दोबारा शुरू कराई जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक, कांग्रेस समेत विपक्ष से टूटकर 80,000 से अधिक नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। भाजपा का कुल लक्ष्य 1 लाख बताया जा रहा है। करीब 17,000 कार्यकर्ता और नेताओं ने अकेले मध्यप्रदेश में ही कांग्रेस को छोड़ा है। आखिर किस-किस की जांच कांग्रेस करवाएगी? कांग्रेस ने साफ़ कर दिया है कि देश में 'एक चुनाव' की व्यवस्था कभी लागू नहीं की जाएगी। 'नागरिकता संशोधन कानून' (सीएए) समेत कुछ और विवादित कानूनों को भी रद किया जाएगा। मोदी सरकार ने आईपीसी, सीआरपीसी, साक्ष्य कानूनों के स्थान पर जो नई 'भारतीय न्याय संहिता' लागू की है, उसे भी रद किया जाएगा। कांग्रेस जीएसटी परिषद का पुनर्गठन भी 'न्याय' मानती है, जबकि यह कानून संसद से ही पारित हुआ था। कांग्रेस मोदी सरकार की संघवादी शिक्षा नीति की भी समीक्षा करेगी।

विरोधाभासी न्याय

दलबदल निरोधक कानून और किसानों के लिए 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (एमएसपी) दो विरोधाभासी न्याय साबित हो सकते हैं। दलबदल कानून राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल में लागू किया था। बाद में वाजपेयी सरकार के दौरान तत्कालीन कानून मंत्री अरुण जेटली ने इसे ज्यादा कड़ा कानून बना दिया था। आज़ाद भारत में सबसे अधिक दलबदल 1967-71 के दौरान किए गए, जब इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं। सबसे अधिक सरकारें भी उसी कालखंड में गिराई गईं। अब कांग्रेस संविधान की 10वीं अनुसूची में संशोधन कर 'न्याय' पेश करना चाहती है। उसका वादा है कि विधानसभा या संसद में जैसे ही कोई प्रतिनिधि दलबदल करता है, वह स्वतः ही 'अयोग्य' हो जाना चाहिए। बेशक यह संविधान संशोधन संसद में ही दो-तिहाई बहुमत से पारित कराना पड़ेगा। फिलहाल कांग्रेस के पक्ष में ऐसे जनादेश के आसार तक नहीं हैं। कांग्रेस ने 'न्याय' के तहत किसानों की फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी और कर्जमाफी की घोषणा की है। डॉ. स्वामीनाथन आयोग ने अपनी सभी रपटें 2006 में ही भारत सरकार को सौंप दी थी। तब कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार केंद्र में थी। मई, 2014 तक एमएसपी पर एक भी कदम नहीं उठाया गया। एमएसपी की शुरुआत 1966-67 में की गई थी और तब भी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। देश में खाद्य संकट का दौर था। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए एमएसपी की घोषणा की गई थी, लेकिन इतने लंबे अंतराल के बाद अब मोदी सरकार को एमएसपी के लिए 'खलनायक' करार दिया जा रहा है। यदि कांग्रेस के 'न्याय' पर ही भरोसा करें, तो यकीन कौन दिलाएगा कि एमएसपी की कानूनी गारंटी लागू कर ही दी जाएगी?

लोकतंत्र अभी जिंदा

चूंकि कांग्रेस ने अपना 'न्याय-पत्र' जारी किया है और वह देश के करीब 97 करोड़ मतदाताओं को आश्वस्त कर रही है। यानी लोकतंत्र अब भी जिंदा है। दूसरी तरफ पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी 2024 के आम चुनाव को संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव मान रहे हैं। यह कैसा विरोधाभास है? चुनाव आयोग को गालियां भी दी जा रही हैं, फिर भी मतदान ईवीएम के जरिये ही होगा। अलबत्ता वीवीपैट पर्चियों का मिलान किया जाएगा, यह आयोग द्वारा निर्धारित व्यवस्था है ही। कांग्रेस अक्सर 45 सालों के दौरान की सर्वाधिक बेरोज़गारी और अत्यधिक महंगाई को लेकर प्रलाप करती रही है। बेशक ये विसंगतियां देश में हैं, लेकिन देश को याद रखना होगा कि कांग्रेस राज में 26 फीसदी तक महंगाई रही है, जो आज 5-6 फीसदी के करीब है। यूपीए सरकार में ही मुद्रास्फीति की दर 12-14 फीसदी तक रही थी। दोनों स्थितियों से मोदी सरकार लड़ रही है, लोगों को राहत भी दी है, करोड़ों के मुद्रा लोन भी मुहैया कराए हैं, 81 करोड़ से अधिक भारतीयों को 'मुफ्त अनाज' बांटा जा रहा है। यही कारण है कि महंगाई और बेरोज़गारी की चरम स्थितियां होने के बावजूद बार-बार जनादेश भाजपा के पक्ष में रहता है।

अब भी चुनावी हवाएं प्रधानमंत्री मोदी के ही पक्ष में हैं। कांग्रेस ने 'न्याय' के नाम पर जो आश्वासन परोसे हैं, यदि उसकी सरकार भी आती है, तो उन्हें लागू करना टेढ़ी खीर होगी। देश में किसी की भी सरकार हो, लेकिन कोई भी लोकतंत्र और संविधान से बढ़कर नहीं हो सकता। संविधान है, तो मजबूत न्यायपालिका भी है। राहुल गांधी कुछ भी कहते रहें, यह देश उन्हें गंभीरता से कब ग्रहण करेगा, उस दिन का इंतज़ार रहेगा।

कांग्रेस ने खोला वादों का पिटारा

घोषणा पत्र
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

चुनाव घोषणा पत्र जारी करने में देश की सबसे पुरानी पार्टी बाजी मारने में कामयाब रही है। जैसा कि अक्सर होता है, चुनाव घोषणा पत्र राजनीतिक दल का भावी शासन का रोडमैप होता है। कांग्रेस ने इस रोड मैप को हाल के दिनों में अख्तियार किए दो शब्दों 'न्याय' और 'गारंटी' के इर्द-गिर्द ही केंद्रित किया है, लेकिन इस रोडमैप को मोटे तौर पर देखें तो वह कुछ मुद्दों पर अपनी पुरानी गलतियों को दुरुस्त करती दिख रही है, तो कई बार वह नेहरूवादी समाजवाद की ओर बढ़ती नजर आ रही है तो कई मुद्दों पर राहुल-प्रियंका के वामपंथी सलाहकारों का असर नजर आ रहा है।

सवाल उठते हैं

कांग्रेस इन दिनों जिस तरह न्याय और गारंटी पर जोर दे रही है, उससे कुछ सवाल जरूर उठते हैं। देश की आजादी का 77वां साल चल रहा है। इतने दिनों में पचपन साल तक उसका ही शासन रहा है। जाहिर है कि आजाद भारत के दो तिहाई हिस्से पर कांग्रेस का ही शासन रहा है। इसके बावजूद वह लोगों को न्याय दिलाने का वादा करती है, गारंटियां देने की बात करती है तो यह सवाल जरूर उठेगा कि कांग्रेस क्या अपने शासनकाल में लोगों को न्याय नहीं दे पाई या फिर वह पहले गारंटी नहीं दे पाई। जाहिर है कि जब ये सवाल उठेंगे तो कांग्रेस और उसके समर्थक जवाब में कह सकते हैं कि पार्टी का न्याय और गारंटियों का वादा भाजपा शासन काल के दौरान हुए अन्याय और अनदेखी का जवाब है, लेकिन कांग्रेस के घोषणा पत्र को गौर से देखेंगे तो पता चलेगा कि पार्टी कुछ ऐसे मुद्दों पर अपनी गलती को सुधार करती दिख रही है, जिन्हें राष्ट्रवादी राजनीति के मुद्दे माना जाता है। आर्थिक सुधार प्रक्रिया के तहत नई पेंशन योजना को स्वीकार करना और समान नागरिक संहिता को स्वीकार करना राष्ट्रवादी राजनीति के ही मुद्दे हैं, लेकिन कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में इन दोनों अहम मुद्दों पर चुप्पी साध ली गई है। कांग्रेस के घोषणा पत्र को जारी करते हुए घोषणा पत्र समिति के प्रमुख पी चिदंबरम ने बड़े जोर देकर कहा कि कांग्रेस की सरकार बनेगी तो वह सिर्फ नौकरी, नौकरी और नौकरी ही देगी। चुनाव घोषणा पत्र में बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाते हुए सरकारी दफ्तरों और सार्वजनिक निगमों में खाली पड़े तीस लाख पदों को भरने का वादा किया गया है। पार्टी खुद ही अजीम प्रेम जी फाउंडेशन के एक सर्वे आंकड़े का हवाला देते हुए कहती है कि देश के पच्चीस साल तक की उम्र वाले युवाओं में से 42 फीसदी बेरोजगार हैं। अगर इसी आंकड़े पर भरोसा करें तो यह संख्या करोड़ों में होगी। कांग्रेस सिर्फ तीस लाख सरकारी पदों को भरने का स्पष्ट वादा तो कर रही है, लेकिन शेष युवाओं का क्या होगा, पार्टी इस पर मौन है। हां, वह तकनीकी शिक्षा ले चुके युवाओं के लिए एक साल के लिए अप्रेंटिसशिप का वादा जरूर कर रही है, जिसमें एक लाख सालाना मिलेंगे। इस रकम का आधा हिस्सा सरकारें वहन करेंगी। यूपीए एक के शासन के दौरान पार्टी ने मनरेगा की शुरूआत की थी। इसे पार्टी अपना बेहतरीन कदम मानती है। घोषणा पत्र में इसकी चर्चा नहीं होती तो आश्चर्य होता। पार्टी ने मनरेगा की मजूदरी 400 रुपये तक बढ़ाने का वादा कर रही है। इसे संयोग कहें या कुछ और कि प्रवक्ता गौरव बल्लभ और धाकड़ सांसद

रहे संजय निरूपम ने पार्टी छोड़ी, उसके ठीक बाद ही कांग्रेस ने अपने महत्वाकांक्षी घोषणा पत्र को जारी किया। घोषणा पत्र एक या दो दिन में नहीं तैयार किए जाते हैं, इसलिए यह उम्मीद करना कि चुनाव घोषणा पत्र में कुछ ऐसा होगा, जिसके जरिये पार्टी अपने यहां मची भगदड़ को रोकने या उसे संबोधित करने की कोशिश करेगी। संजय निरूपम ने पार्टी छोड़ते वक्त आरोप लगाया था कि कांग्रेस इन दिनों वामपंथी विचारधारा के प्रभाव में ज्यादा है। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के आधार पर किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का वादा भी वामपंथी वैचारिकता का ही विस्तार है। जाति जनगणना की भी बात वाम वैचारिकी की ही देन है।

वाम वैचारिकी

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में संस्थानों की स्वायत्तता पर भी एक तरह से सवाल खड़ा किया है। इसमें चुनाव आयोग और न्यायपालिका शामिल है। यह सोच भी वाम वैचारिकी की ही है। कांग्रेस ने जहां चुनाव आयोग को स्वायत्त बनाने का वादा किया है, वहीं न्यायपालिका में वंचित तबकों को बढ़ावा देने के साथ ही न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाने का भी वादा किया है। मीडिया को भी स्वायत्त बनाने की भी बात कही गई है। माना जा रहा है कि इसके जरिये पार्टी ने मीडिया में कार्यरत लोगों के समर्थन की उम्मीद रखी है।

पांच न्याय

अब बात करते हैं, कांग्रेस के पांच न्याय की। पार्टी ने जिन न्याय की बात की है, उसमें पहला है युवा न्याय। इस गारंटी के तहत 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम के तहत एक लाख रुपये देने का वादा शामिल है। दूसरे नंबर पर पार्टी ने हिस्सेदारी न्याय की चर्चा की है, जिसके तहत जाति जनगणना कराने की 'गारंटी' दी गई है। तीसरे नंबर पर किसान न्याय की चर्चा की गई है, जिसके तहत कांग्रेस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने के साथ ही किसानों की कर्ज माफी के लिए आयोग के गठन के साथ-साथ जीएसटी मुक्त खेती का वादा किया है। चौथे नंबर पर पार्टी ने श्रमिक न्याय की बात की गई है। पार्टी ने इसके तहत मजदूरों को स्वास्थ्य का अधिकार, मनरेगा की न्यूनतम मजूदरी 400 रुपये रोजाना करने के साथ ही शहरी रोजगार गारंटी का वादा किया गया है। पांचवां न्याय है नारी न्याय। इसके तहत कांग्रेस ने 'महालक्ष्मी' गारंटी देने का वादा किया है। इसमें गरीब परिवारों की महिलाओं को एक-एक लाख रुपये सालाना देने समेत कई वादे किए गए हैं। इसके साथ ही गरीब परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख की मदद का भी ऐलान किया गया है।

घोषणा पत्र के वादे

पार्टी के घोषणा पत्र के कुछ प्रमुख वादों पर निगाह डाल लेते हैं। पार्टी ने कहा है कि अगर उसकी सरकार बनी तो वह महिलाओं को 6 हजार रुपये प्रति माह देगी। इसके साथ ही उन्हें केंद्र सरकार की नौकरियों में एक तिहाई आरक्षण देने का भी वादा किया गया है। पार्टी ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में महिला जजों की संख्या बढ़ाने का भी वादा किया है। पार्टी अपनी हर चुनावी सभा में महंगाई का हवाला देती है। इसे ध्यान में रखते हुए पार्टी ने गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती का भी वादा किया है। पार्टी ने संवैधानिक न्याय और आर्थिक न्याय का भी वादा किया है। घोषणा पत्र में देश की रक्षा करने वाली विदेश नीति पर काम करने की बात की गई है। मछुआरों के लिए डीजल सब्सिडी दे के साथ ही अगले 10 वर्षों में देश की जीडीपी को दोगुना करने का लक्ष्य भी रखा गया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में मॉब लिंचिंग, बुलडोजर न्याय और फर्जी मुठभेड़ जैसे कदमों का विरोध किया है।

वादों पर भरोसा

हाल में हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी ने ऐसे ही कुछ वादे किए थे, लेकिन तेलंगाना छोड़ उसे कहीं समर्थन नहीं मिल पाया। ऐसे में देखना होगा कि चुनावी रण में जनता उसके इन वादों पर कितना भरोसा कर पाती है?

तय हो राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी

दो टूक
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कहलाए जाने वाले भारत में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। इस चुनाव में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी पार्टियां अपने-अपने चुनावी वादों के साथ मैदान में उतर चुकी हैं। प्रचार के दौरान कांग्रेस, भाजपा से लेकर सभी छोटी बड़ी पार्टियों ने जनता के बीच कई वादे भी करने शुरू कर दिए हैं। लोकलुभावन घोषणा पत्र भी पार्टियों के आने लगे हैं। कांग्रेस ने भी आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' का वादा किया है। घोषणा पत्र में कई तबकों के लिए अलग-अलग तरह की गारंटी दी गई हैं। पार्टी ने घोषणा पत्र में युवा, किसान, महिला, बुजुर्ग, कारोबारी और अन्य दूसरे वर्गों पर भी फोकस किया है। इन सभी के लिए कई तरह के वादे किए गए हैं। गौर करने वाली बात ये है कि 'न्याय' शब्द का इस्तेमाल कांग्रेस ने 2019 के घोषणा पत्र में भी किया था। पिछले चुनाव में वेलफेयर योजना के तहत कांग्रेस ने 'न्यूनतम न्याय योजना' का वादा किया था, पर इस बार के न्याय पत्र में ये वाला 'न्याय' नहीं है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में एक और बात गौर करने लायक है। उसने कई राज्यों में ओल्ड पेंशन स्कीम को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ा। लंबे समय से राहुल गांधी भी ओपीएस की तरफदारी करते रहे हैं, लेकिन लोकसभा के लिए जारी हुए घोषणा पत्र में कांग्रेस ने ओपीएस का जिक्र तक नहीं किया है। खैर, ऐसे कई वादे हैं जो पिछली बार किए गए थे, लेकिन इस बार के घोषणा पत्र में नहीं हैं। कई नए वादे भी हैं जो पिछली बार से अलग हैं।

शानदार भारत

हालांकि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी के इस घोषणा पत्र में भविष्य के शानदार भारत की तस्वीर नजर आती है। वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी का घोषणा पत्र जनता की आवाज है। ये घोषणा पत्र कांग्रेस पार्टी ने नहीं बनाया, ये घोषणा पत्र हिंदुस्तान की जनता ने बनाया है। हमने सिर्फ इसको लिखा है, तो दूसरी तरफ बीजेपी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को 'झूठ का पुलिंदा' करार दिया है। अहम सवाल ये नहीं है कि किसने क्या कहा। सवाल महत्वपूर्ण ये है कि कांग्रेस के इस घोषणा पत्र का आम जनता पर असर कितना होगा? क्योंकि इस घोषणा पत्र के पैग़ाम को लोगों तक पहुंचाने के लिए कांग्रेस के पास पर्याप्त कार्यकर्ता नहीं हैं। दूसरी ओर भाजपा एक काडर वाली पार्टी है। वो अपनी पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। कांग्रेस के कार्यकर्ता कितने सक्षम हैं और वो लोगों तक पार्टी के पैग़ाम को ले जा सकेंगे ये देखना

होगा। इसके अलावा सबसे बड़ी चुनौती राहुल गांधी और उनकी पार्टी के लिए ये है कि क्या वो हिंदी बेल्ट में इस अच्छे मैनिफ़ेस्टो के पैग़ाम को लोगों तक पहुंचाने में सफल होंगे? कांग्रेस के लिए ये एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि हिन्दी बेल्ट के किसी राज्य में कांग्रेस पार्टी की सरकार नहीं है। अपवादस्वरूप हिमाचल प्रदेश को छोड़कर।

वादे कैसे पूरा करेंगे

बहरहाल, चुनावी मौसम में इन दिनों हर जगह सभी पार्टियों के बड़े-बड़े नेता गला फाड़कर चिल्ला रहे हैं कि हम आपके लिए ये करेंगे, वो करेंगे। किसी पार्टी से सरोकार न रखने वाले हम जैसे लोगों को ये समझ नहीं आ रहा कि आखिर पार्टियां इन वादों को कैसे पूरा करेंगी। अगर हम एक बार के लिए ये मान भी लें कि राजनीतिक पार्टियों की मंशा साफ है और वह सत्ता में आने के बाद अपने वादों को पूरा करेंगी तो आखिर पैसा आएगा कहां से। ये हम जैसे लोगों के समझ से परे हैं। मेरा सिर्फ इतना मानना है कि राजनीतिक दल सोच समझ कर जनता से वादे करें। ये ठीक है कि राजनीतिक दलों को सत्ता में वापसी की कोशिश हो या सत्ता हासिल करने की कोशिश हो दोनों के लिए ही मतदाताओं को लुभाना जरूरी होता है। आजकल अधिकांश नेता यही मानकर चल रहे हैं कि लोकलुभावन घोषणाओं से लोगों को आकर्षित करो ताकि लोग उनके उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करें, बाकी बात बाद में देखी जाएगी। ऐसा देखा गया है कि कई पार्टियां मेनिफेस्टो में बड़े-बड़े ऐलान करती हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद वो किए हुए वादों को निभाने में 100 प्रतिशत सफल नहीं हो पाती। आम लोगों का मानना है कि पार्टियां वादे करते समय इस बात का ध्यान नहीं रख रहीं कि वे कैसे उन वादों को पूरा करेंगी, उनकी कोशिश सिर्फ यही रहती है कि हमारे वादे दूसरी पार्टियों के मुकाबले ज्यादा आकर्षक हों। यही कारण है कि सारी पार्टियां किसानों की कर्ज माफी से लेकर बेरोजगारी भत्ते जैसे बड़े-बड़े वादे कर रही हैं। ये ठीक है कि राजनीतिक दलों को चुनावी वादे करने से रोका नहीं जा सकता है, लेकिन मतदाता को भी ये जानने का हक है कि उनसे किए गए वादे पूरे कैसे किए जाएंगे। उन वादों को पूरा करने के लिए फंड कहां से आएगा।

महत्वपूर्ण प्रश्न

चुनावी घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने के लिए पार्टियों को धन कहां से आएगा, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। चुनावी घोषणा पत्र और पार्टियों को उसमें दिए वादों को पूरा करने का मामला एक से ज्यादा बार अदालत पहुंचा है। साल 2015 में सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले पर वकील मिथिलेश कुमार पांडे ने जनहित याचिका दायर की थी। हालांकि याचिका को मुख्य न्यायाधीश एचएल दत्तू और न्यायमूर्ति अमिताव रॉय की पीठ ने यह कहकर खारिज कर दिया कि क्या कानून में कोई प्रावधान है जो घोषणा पत्र में किए गए वादों को किसी राजनीतिक दल के खिलाफ लागू करने योग्य बनाता है? इसका निष्कर्ष ये था कि चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए पार्टी कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। खैर, मेरा मानना है कि जनता को लुभाने और चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा झूठी घोषणाएं करना बेहद गंभीर विषय है, जिस पर व्यापक चर्चा करना जरूरी है। कुछ राजनीतिक दलों ने झूठे वादों से जनादेश चोरी करने की महारत भी हासिल कर ली है। इसलिए अब समय आ गया है कि चुनावी वादों के साथ-साथ देश व प्रदेश का बजटीय आकलन भी घोषणा पत्र में प्रकाशित होना चाहिए, ताकि देश व प्रदेश के हर लाभार्थी व प्रबुद्ध नागरिक झूठी घोषणाओं और वादों के झांसे में आने से बच सकें।

पीएम ने इशारों-इशारों में कांग्रेस ,खासकर राहुल पर बड़ा हमला किया

काठ की हांडी को कितनी बार चढ़ाएंगे विपक्षी, हम शक्ति की कर रहे पूजा व विपक्षी गठबंधन 'शक्ति' को खुलेआम दे रहा चुनौती

पीएम ने राम-राम से मंच पर पहुंचकर संबोधन शुरू कर कहा कि दुनिया भर में देश का डंका बज रहा है। हमारा स्थान मां शक्ति का स्थान है। विपक्षी गठबंधन के लोग खुलेआम चुनौती दे रहे हैं कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है।

एजेंसी ▶▶ सहारनपुर/ अजमेर

पीएम नरेंद्र मोदी ने सहारनपुर की धरती से चुनावी शंखनाद किया। पीएम की रैली दिल्ली रोड स्थित राधा स्वामी सत्संग मैदान में आयोजित की गई। यहां जनसभा स्थल के मंच से पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत राम-राम से की और मां शाकंभरी देवी को नमन किया। पीएम मोदी ने राम-राम से मंच पर पहुंचकर अपना संबोधन शुरू कर कहा कि दुनिया भर में देश का डंका बज रहा है। हमारा स्थान मां शक्ति का स्थान है। विपक्षी गठबंधन के लोग खुलेआम चुनौती दे रहे हैं कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। क्या कोई शक्ति को खत्म कर सकता है? जिन-जिन लोगों ने शक्ति को खत्म करने का काम किया है, वह इतिहास में दर्ज है।

मैंने गारंटी दी थी, देश नहीं झुकने दूंगा

पीएम ने कहा कि याद कीजिए 2014 के वो दिन, उस समय देश घोर संकट के दौर से गुजर रहा था। मैंने उस समय गारंटी दी थी कि देश झुकने नहीं दूंगा, हर स्थिति को बदलूंगा। निराशा को आशा और आशा को विश्वास में बदलूंगा। आपने अपने आशीर्वाद में कोई कमी नहीं रखी। याद कीजिए तब हमारा भारत 11वें नंबर की ताकत था। अब मोदी ने 5वें नंबर की ताकत बना दिया है। पूरे विश्व में देश का डंका बज रहा है।

आज दुनिया में बज रहा भारत का डंका

राष्ट्रनीति पर चलती है भाजपा

पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन कमीशन और मोदी सरकार मिशन के लिए है। ये मोदी का डंका नहीं, आप लोगों का है। हिंदुस्तान के हर कोने से एक ही आवाज आ रही है, फिर एक बार मोदी सरकार। भाजपा ने लोगों का दिल जीता है। इसका सबसे बड़ा कारण है भाजपा राजनीति नहीं राष्ट्रनीति पर चलती है।

गरीब कल्याण हमारे लिए मिशन रहा

पीएम ने कहा कि राष्ट्र प्रथम हमारे संकल्प में है। देशहित से बड़ा कुछ भी नहीं हो सकता। भाजपा से लोग एक निशान के लिए जुड़ते हैं। गरीब कल्याण हमारे लिए मिशन रहा है। भाजपा ने गरीब के जीवन से अंधेरा दूर किया। आने वाले पांच वर्ष मुफ्त राशन की गारंटी दी है। 10 वर्ष में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल पाए हैं, जो लोग कई दशक में नहीं कर पाए, वो भाजपा ने 10 वर्ष में कर दिया।

विपक्ष का मिशन- भ्रष्टाचारी बचाओ

मोदी का हर पल देश के नाम है। आपका बेटा या बेटी नौकरी के योग्य है और भ्रष्टाचार करके उसकी नौकरी किसी और को दे दी जाए तो उनका भविष्य बर्बाद हो जाएगा। भ्रष्टाचारी मोदी को धमकी दे रहे हैं। हम हैं जिनका मिशन है भ्रष्टाचार हटाओ, उनका मिशन है भ्रष्टाचारी बचाओ। ये मोदी है, पीछे हटने वाला नहीं है। भ्रष्टाचार पर कारवाई जारी रहेगी, ये मोदी की गारंटी है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप

पीएम ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है, जो आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप है और इसका जो कुछ हिस्सा बचा रह गया, उसमें वामपंथी हावी हो चुके हैं।

कश्मीर में जो पत्थर फेंके गए

उनसे कश्मीर का निर्माण कराया

पीएम ने कहा कि जितनी भी सरकारें रही कमीशन खाने को प्राथमिकता दी। अयोध्या मे रामलला का मंदिर चुनावी घोषणा नहीं, मेरा मिशन रहा है।जम्मू कश्मीर से 370 हटाना हमारा मिशन रहा है। कश्मीर में जो पत्थर फेंके गए, उनसे कश्मीर का निर्माण कराया। विकसित भारत का निर्माण किया जा रहा है। सबका साथ और सबका विकास और सबका विश्वास ही हमारा मंत्र है।तीन तलाक कानून को खत्म कर पूरे मुस्लिम परिवार को बचा लिया है। मुस्लिम बेटियां मोदी को आशीर्वाद देती रहेंगी।

अजमेर में गरजे मोदी

भाजपा नए भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध, अबकी बार 400 पार

भाजपा के स्थापना दिवस पर मोदी ने राजस्थान की ऐतिहासिक तीर्थनगरी पुष्कर की पवित्र धरा से कहा किभाजपा नए भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जगत पिता ब्रह्मा, भक्त शिरोमणि मीरा बाई और वीर तेजाजी समेत अन्य स्थानीय लोक देवताओं को याद करते हुए कहा कि पुष्कर से कमल का सदियों पुराना संबंध है। उन्होंने महिलाओं को बार-बार नमन करते हुए बेटियों के सफलताओं को गिनाया। लोगों ने कहा अबकी बार 400 पार।

घोषणा पत्र में बेनकाब हुई कांग्रेस की सच्चाई

पुष्कर। पीएम ने कहा साथियों कल कांग्रेस के ने एक झूठ का पुलिंदा जारी किया है। कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में भारत के टुकड़े करने की बू आती है। झूठ का यह पुलिंदा कांग्रेस की एक बहुत बड़ी सच्चाई, कांग्रेस को बेनकाब करने वाला घोषणा पत्र है। आप देखिए हर पन्ने पर भारत के टुकड़े करने की बू आ रही है।

वित्तमंत्री सीतारमण का विपक्ष पर हमला

कांग्रेस घोषणापत्र के वादे पूरा करने के लिए पैसा कहां से लाएगी?

बेंगलुरु। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में कई जगहों पर विरोधाभासी बातें हैं। कांग्रेस ऐसे वादे कर रही है, जो अगर पूरे हुए तो बजट में इतना घाटा हो जाएगा कि पैसा ही नहीं बचेगा। निर्मला ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र पर मैं सिर्फ कर्नाटक का उदाहरण देती हूं. विधानसभा चुनाव जीतने के लिए उन्होंने बहुत बड़े वादे किए थे। उन घोषणापत्रों ने उन्हें जिताया, लेकिन डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने खुद कहा था कि उनके पास विकास के लिए पैसा नहीं है। यह है इनका वादा।

सीएम सरमा ने जोरहाट में प्रचार के दौरान किया डांस

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को जोरहाट के टिटाबोर बोकाहोला बागीसा में एक चुनाव अभियान के दौरान मंच पर नृत्य करते देखा गया। यह प्रचार रैली जोरहाट संसदीय क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार टोपोन कुमार गोगोई के समर्थन में थी। सरमा ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाईऔर एक लोकप्रिय झुमुर गीत पर नृत्य किया।

जयपुर में खरगे और प्रियंका की सभा

पीएम झूठों के सरदार, हमारा गारंटी शब्द चुराया

लोकसभा चुनाव को लेकर जयपुर में कांग्रेस की जनसभा हुई। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगेऔर प्रियंका गांधी समेत अन्य नेताओं ने सभा को संबोधित कर भाजपा और पीएम पर हमला बोला।खरगे ने पीएम को झूठों का सरदार बताया, साथ ही उन पर गारंटी शब्द को चोरी करने का आरोप भी लगाया। मोदी संविधान बदलना चाहते हैं।

प्रियंका बोलीं- आज देश के हालात क्या हैं?

प्रियंका गांधी ने भाजपा और मोदी सरकार पर तीखे प्रहार किए। प्रियंका ने कहा- कांग्रेस का घोषणा पत्र एक सूची नहीं है, यह संघर्ष की आवाज है। आज देश की परिस्थितियां क्या हैं? आप सब अच्छी तरह जानते हैं। 45 सालों में इतनी बेरोजगारी नहीं रही जितनी आज है।

महाराष्ट्र के 440 मतदान केंद्रों का नियंत्रण महिलाओं के हवाले

केंद्रीय चुनाव आयोग के 'महिला नियंत्रित मतदान केंद्र' स्थापित करने के आदेश के अनुसार महाराष्ट्र में 440 मतदान केंद्रों का नियंत्रण महिलाओं के हवाले कर दिया गया है। लैंगिक समानता और मतदान प्रक्रिया में महिलाओं की अधिक रचनात्मक भागीदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, आगामी लोकसभा चुनावों के लिए महिलाओं द्वारा संचालित मतदान केंद्र होंगे। इन मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिस से लेकर चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारी और कर्मचारी तक सभी महिलाएं होंगी।

खबर संक्षेप

ओडिशा के एनटीपीसी के प्लांट में लगी आग

अनुगुल। ओडिशा के अनुगुल जिले के तालचेर के कनिहा में स्थित एनटीपीसी के प्लांट में शनिवार को भीषण आग लग गई। आग एनटीपीसी प्लांट में कन्वेयर बेल्ट में लगने की सूचना थी। इसकी सूचना फायरबिग्रेड को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की कई गाड़ियां पहुंचीं। घटना के बाद पूरा क्षेत्र धुएं से भर गया है, जिससे कर्मचारियों और निवासियों में दहशत फैल गई।

बांके बिहारी मंदिर में नई गाइड लाइन जारी

वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या और बिगड़ती व्यवस्था के बीच मंदिर प्रबंधन ने गाइडलाइन जारी कर श्रद्धालुओं से भीड़ के दबाव से बचकर ही दर्शन करने की अपील की है। मंदिर प्रबंधन ने भीड़ के दौरान बुजुर्ग, बच्चे, दिव्यांग व बीमार व्यक्तियों से मंदिर में न आने की भी अपील की है, ताकि श्रद्धालुओं की तबीयत न बिगड़े और व्यवस्थएं भी सुचारू रह सकें।

नदी में नहाने गए 5 बच्चे डूबे, 2 भाइयों की मौत

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी जिले में बड़ा हादसा हो गया। नदी में नहाने गए 5बच्चे अचानक डूबे गए। आनन-फानन में परिजन और गांव के अन्य लोगों ने गोताखोरों को बुलाया। गोताखोरों ने 2भाइयों को बाहर निकाला। दो की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चे अभी भी लापता हैं। टिकैत नगर थाना क्षेत्र के चिर्रा गांव के समीप स्थित सरयू में नहाने गए थे।

लोकसभा चुनाव से पहले जजों को सीजेआई चंद्रचूड़ की सलाह

वकीलों-जजों को संविधान के प्रति पूरी तरह वफादार और निष्पक्ष होना चाहिए

नागपुर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में कहा

एजेंसी ▶▶ नागपुर

लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हर भारतीय का झुकाव किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा की तरफ होता है। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वकीलों और जजों को संविधान के प्रति वफादार होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जजों को गैर-पक्षपातपूर्ण होने होना चाहिए।जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने नागपुर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में कहा कि हमारे जैसे जीवंत और तर्कपूर्ण लोकतंत्र में, ज्यादातर लोगों का झुकाव किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा की तरफ होता है। अरस्तू ने कहा था कि मनुष्य राजनीतिक प्राणी हैं और वकील कोई अपवाद नहीं हैं। देश के चीफ जस्टिस ने कहा कि न्यापालिका बार-बार अपनी अपनी स्वतंत्रता और गैर-पक्षपातपूर्णता, कार्यपालिका, विधायिका और निहित राजनीतिक हितों से शक्तियों के पृथक्करण के लिए आगे आई है।

बार काउंसिल सदस्यों को चीफ जस्टिस की सलाह

हमको यह नहीं भूलना चाहिए कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और बार की स्वतंत्रता के बीच गहरा संबंध है। उन्होंने कहा कि एक संस्था के रूप में बार की स्वतंत्रता. क़ानून के शासन और संवैधानिक शासन की रक्षा के लिए नैतिक कवच के रूप में कार्य करती है।

सीजेआई ने पूछा यह सवाल

महिलाएं क्यों नहीं लड़ रहीं बार एसोसिएशन या बार काउंसिल का चुनाव?

सीजेआईचंद्रचूड़ ने पूरे भारत में बार काउंसिल और बार एसोसिएशन में महिलाओं की कमी को लेकर सवाल उठाए। सीजेआई ने कहा कि वकीलों का प्रतिनिधित्व करने वाले निकायों में महिलाओं के चुनाव ठीक माहौल नहीं है। ओल्ड बॉय क्लब को अभी भी कायम रखा जा रहा है।सीजेआई ने कहा कि हालांकि, महिला वकीलों की संख्या में अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन यह निर्वाचित बार काउंसिल और बार एसोसिएशन में देखने को नहीं मिलता है।

फैसला सार्वजनिक संपत्ति हो जाता है

सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठों के फैसले कठोर कार्यवाही, संपूर्ण कानूनी विश्लेषण और संवैधानिक सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक बार फैसला सुनाए जाने के बाद, यह सार्वजनिक संपत्ति हो जाता है। एक संस्था के रूप में हमारे कंधे चौड़े हैं। हम तारीफ और आलोचना, दोनों को स्वीकार करते हैं। यह भले ही पत्रकारिता, राजनीतिक टिप्पणी या सोशल मीडिया के माध्यम से ही क्यों न हो? अदालत के फैसलों पर प्रतिक्रिया करते समय आम लोगों की तरफ टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

केरल में कथित मॉब लिंचिंग का मामला

प्रवासी मजदूर को खंभे से बांध पीटा, मौत, 10 लोग गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ मुवातुपुझ्झा

केरल के मुवातुपुझ्झा में एक मॉब लिंचिंग का एक कथित सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया गया है कि यहां दो दिन पहले भीड़ ने एक प्रवासी मजदूर की पीट-पीटकर हत्या कर दी है। पुलिस ने इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अशोक दास (24) के तौर पर की गई है। वह अरुणाचल प्रदेश का रहने वाला बताया गया है। बताया गया है कि वह नौकरी के लिए केरल आया था और मुवातुपुझ्झा के करीब वलकम में एक किराए के घर में रह रहा था।

इलाज के दौरान हो गई मौत

पुलिस ने जो एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के अनुसार दास को एक खंभे में बांधकर पीटा गया। वह इलाके में ही रहने वाली एक महिला मित्र से मिलने गया था। लोगों ने खंभे पर बांधकर जबरदस्त तरीके से पीटा। बाद में उसे करीब के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत बिगड़ने के बाद उसे कोलेनचेरी मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट किया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

महिला को अर्धनग्न कर गलियों में दौड़ाया

महिला आयोग ने भी रिपोर्ट तलब की

तरनतारन। यहां से एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां एक युवक के प्रेम विवाह का खामियाजा उसकी मां को भुगतना पड़ा। कस्बा वल्टोहा की रहने वाली एक युवती के साथ प्रेम विवाह करने वाले युवक की मां को अर्धनग्न कर गलियों में दौड़ाया। कुछ लोगों ने इसका वीडियो बनाकर इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने 3लोगों को नामजद कर कुल 5लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वहीं, इस शर्मनाक घटना पर महिला आयोग ने भी रिपोर्ट मांग ली है।

भाजपा का स्थापना दिवस

नड्डा ने फहराया झंडा और 'दिग्गजों' को किया याद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार को भाजपा का स्थापना दिवस था। इस मौके पर अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में झंडा फहराया। नड्डा ने भाजपा के दिग्गज नेताओं को याद किया। पीएम ने सुबह ही संदेश जारी करके कहा कि पार्टी को यहां तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं का योगदान है। पार्टी राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर चलती है।

राज्यसभा सदस्य के रूप में ली शपथ

नड्डा ने शनिवार को राज्यसभा के सदस्य के तौर पर शपथ ली। वे गुजरात से राज्यसभा सांसद चुने गए थे। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष ने हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया था। भाजपा के अध्यक्ष नड्डा उन 57 राज्यसभा सांसदों में एक हैं जिनका कार्यकाल अप्रैल महीने में समाप्त हो गया था। अब उन्होंने गुजरात सीट से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर शपथ ग्रहण की है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के समारोह में बोले

समानता के मुद्दे पर भारत को किसी के उपदेश की जरूरत नहीं

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने 2023 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ मसूरी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को एक दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे। उन्होंने मसूरी में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के समारोह में शिरकत की।

अकादमी में व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रथम चरण के समापन पर 2023 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने युवाओं से ऐसे तथ्यात्मक रूप से अस्थिर राष्ट्र-विरोधी आख्यानों के रणनीतिक आयोजन का खंडन करने का आह्वान किया।

खास बात

- उपराष्ट्रपति ने युवाओं से ऐसे तथ्यात्मक रूप से अस्थिर राष्ट्र-विरोधी आख्यानों के रणनीतिक आयोजन का खंडन करने को कहा

सीएए किसी को नागरिकता से वंचित नहीं करता

नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के बारे में फैलाई जा रही झूठी कहानी और गलत सूचना के प्रति आगाह करते हुए धनखड़ ने कहा कि सीएए न तो किसी भी भारतीय नागरिक को उसकी नागरिकता से वंचित करना चाहता है, न ही यह पहले की तरह किसी को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने से रोकता है। यह उल्लेख करते हुए कि सीएए पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों के लिए भारतीय नागरिकता के अधिग्रहण की सुविधा प्रदान करता है, उपराष्ट्रपति ने कहा किहमारे पड़ोस में उनकी धार्मिक प्रतिबद्धता के कारण सताए गए लोगों को यह राहत, उपचारात्मक स्पर्श भेदभावपूर्ण कैसे हो सकता है?

हमें इन आख्यानों को बेअसर करना होगा

यह देखते हुए कि सीएए उन लोगों पर लागू होता है, जो 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत आए थे, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह आमद का निमंत्रण नहीं है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि हमें इन आख्यानों को बेअसर करना होगा।

विशेषाधिकार प्राप्त वंशावली अब गलियों में सड़ रही

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि विशेषाधिकार प्राप्त वंशावली अब गलियों में सड़ रही है। कुछ विशेषाधिकार प्राप्त वंशावली पहले सोचते थे कि वे कानूनी प्रक्रिया से प्रतिरक्षित हैं और कानून उन तक नहीं पहुंच सकता है, उपराष्ट्रपति ने सवाल किया कि हमारे जैसे लोकतांत्रिक देश में कोई दूसरों की तुलना में अधिक समान कैसे हो सकता है? इस क्रांति में सिविल सेवकों के योगदान को मान्यता देते हुए उन्होंने युवा अधिकारियों से कहा कि कानून के समक्ष समानता जो लंबे समय से हमसे दूर थी और भ्रष्टाचार जो प्रशासन की नसों में खून की तरह बह रहा था, अब अतीत की बात है।

पैसे निवेश करने के कई तरीके, बाजार में उतरने पहले एक बार कर लें रिसर्च

■ म्यूचुअल फंड विविध विकल्प प्रदान करते हैं ■ एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक व सुरक्षित
■ रियल एस्टेट सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प ■ बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए एनपीएस भी बेहतर

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आजकल, बहुत से लोग पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों की तलाश करते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग अपनी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने वाले सही निवेश साधन को चुनने में भ्रमित होते हैं। हालांकि, निवेश पैसा या निवेश का निर्णय लेना इतना आसान नहीं है, क्योंकि निवेशक सिर्फ एक साधन में कई उद्देश्यों की तलाश करते हैं। इसलिए एक सवाल उठता है- कहां निवेश करें? वैसे, पैसा निवेश करने के लिए विविध विकल्प हैं। रिपोर्ट में हम आपको कुछ विकल्पों के बारे में जानकारी देंगे जो आपकी निवेश जरूरतों को पूरा करने अहम भूमिका निभा सकते हैं।

म्युचुअल फंड

म्यूचुअल फंड्स पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है। शब्द के अनुसार, एक म्युचुअल फंड धन का एक सामूहिक पूल है, जिसका उद्देश्य प्रतिभूतियों की खरीद (फंड के माध्यम से) करना है। यह निवेशकों को एक मार्ग प्रदान करता है। पैसे बचाएं और समय के साथ रिटर्न कमाते हैं। म्यूचुअल फंड विविध निवेश विकल्प प्रदान करते हैं जैसे बांड, डेट, इक्विटीज, आदि ये निवेशकों को अलग खरीदारी और व्यापार करने की आवश्यकता के बिना भी निवेश का अच्छा विकल्प प्रदान करते हैं। म्यूचुअल फंड में कई प्रकार से निवेश किया जा सकता है। पैसा निवेश करने की योजना बनाते समय उस पर विचार कर सकते हैं। इसमें निवेशक कम से कम राशि के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं। म्युचुअल फंड में 500 रुपये से भी निवेश की शुरूआत की जा सकती है। भारत में 44 म्यूचुअल फंड कंपनियां हैं। जिन्हें संपत्ति प्रबंधन कंपनियां एएमसी कहा जाता है। ये म्यूचुअल फंड योजनाएं प्रदान करती हैं और इन कंपनियों द्वारा ही नियंत्रित किया जाता है।

सावधि जमा (एफडी)

सावधि जमा यानी एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक है। हर बैंक इसकी सेवाएं प्रदान करता है। एफडी आपको आकर्षक रिटर्न की ओर ले जाती है। एफडी एक निश्चित परिपक्वता अवधि के साथ आती है। चूंकि इसकी परिपक्वता अवधि 15 दिनों से लेकर पांच वर्ष तक होती है, इसलिए इसे अल्पकालिक और दीर्घकालिक निवेश दोनों के लिए माना जा सकता है। इसमें निवेशक औसतन 7 से 9 फीसदी प्रति वर्ष की ब्याज दर से रिटर्न कमा सकते हैं। यदि आप एक सुरक्षित निवेश चाहते हैं तो एफडी पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। इसमें रिटर्न भले ही कम हो लेकिन पैसा सुरक्षित रहता है।

रियल एस्टेट

सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प है रियल एस्टेट रियल एस्टेट। मूल रूप से, अचल संपत्ति निवेश करती है और स्वामित्व, भूमि या संपत्ति (संपत्ति) की खरीद से संबंधित है। किसी भी प्रकार की संपत्ति में निवेश करने से पहले, पहले गहराई से विवरण प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, आपको संपत्ति/भूमि के स्थान पर विचार करना चाहिए, थोक संपत्तियों की तलाश करनी चाहिए आदि। इसमें निवेश करने के लिए एक बड़ी राशि लग सकती है, लेकिन यह उच्च रिटर्न निवेश के साथ कम जोखिम वाला है। हालांकि, अगर आप पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक की तलाश कर रहे हैं तो रियल एस्टेट सोचने लायक है।

सोना

पैसा निवेश करने के लिए सोना हमेशा सबसे अच्छे तरीकों में से एक रहा है। यह सबका पसंदीदा निवेश माना जाता है। इसमें सालान औसत 7 से 12 फीसदी तक रिटर्न मिल सकता है। इसके अलावा, भारतीयों का पारंपरिक रूप से सोन के के प्रति लगाव भी रहा है। लोगा सोने को हमेशा एक संपत्ति के रूप में देखते हैं, जो समय के साथ धन जमा करता है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)

बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए आप राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) सबसे बेहतर निवेश विकल्पों में से एक मान जाता है। यह एक सेवानिवृत्ति बचत योजना है जहां नियोक्ता और कर्मचारी दोनों ही संपत्ति के निर्माण में योगदान करते हैं, जो सेवानिवृत्ति के समय संबंधित कर्मचारी पर बकाया है। एनपीएस भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है और इस योजना को पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। हालांकि, एनपीएस को पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है, क्योंकि इसका टैक्स सेविंग निवेश। अगर निवेशक सालाना 1.5 लाख तक निवेश करते हैं तो वे टैक्स बचत कर सकते हैं। टैक्स कटौती की धारा 80सी के तहत इसमें टैक्स लाभ मिलता है। 18 से 60 वर्ष की आयु वर्ग का हर भारतीय नागरिक अस योजना में निवेश कर सकता है। अगर आपको अचानक नुकसान होने का डर है, या आप अपने परिवार के जीवन की रक्षा करना चाहते हैं, तो बीमा पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। बीमा आपको और आपके परिवार को आजीवन सुरक्षा प्रदान करता है। लोग जीवन में अनिश्चित समय के दौरान बीमा को रीढ़ की हड्डी के रूप में चुनते हैं।

इस साल बेहतर हो सकते हैं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड

उम्मीद
बिजनेस डेस्क

■ नए फाइनेंशियल इयर में सधे कदमों से करें निवेश की तैयारी
■ निवेशकों लिए बेहतर हो सकते हैं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड
■ निवेशक फीचर्स और रिटर्न देखकर ही करें निवेश का फैसला

नया फाइनेंशियल ईयर शुरू हो गया है। ऐसे में आपके लिए अपने पोर्टफोलियो का आकलन करने का समय आ गया है। मौजूदा समय में बाजार अपने आलटाइम हाई के करीब हैं और बीते एक साल की बात करें तो लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप हर सेगमेंट में जोरदार रैली देखने को मिली है। लार्जकैप इंडेक्स निफ्टी करीब 28 फीसदी तो मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 60 फीसदी से ज्यादा मजबूत हुए हैं। ऐसे में आगे इनमें बिकवाली संभव है। ऐसे में नए फाइनेंशियल की शुरूआत में निवेशकों के लिए मल्टी एसेट अलोकेशन स्ट्रैटेजी बेहतर हो सकती है, जिसके लिए मल्टी एसेट अलोकेशन फंड बेहतर विकल्प हैं। एक्सपर्ट भी कहते हैं कि जब भी बाजार को लेकर आशंका हो अपना पार्टफोलियो डाइवर्सिफाइड करें।

क्या है एसेट अलोकेशन

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड निवेशकों को एक एकल निवेश प्रदान करते हैं जो ऋण, इक्विटी और एक अतिरिक्त परिसंपत्ति वर्ग जैसे रियल एस्टेट, सोना इत्यादि को जोड़ता है। इसके अलावा, ये योजनाएं विभिन्न परिसंपत्ति आवंटन एल्गोरिदम को नियोजित करती हैं जो बदलती बाजार स्थितियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए डिजाइन की गई हैं। इसका मतलब है डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो। यानी पोर्टफोलियो में अलग अलग एसेट क्लास को कुछ न कुछ हिस्सा देना। किस एसेट क्लास का कितना हिस्सा हो, यह निवेशक के रिस्क लेने और फाइनेंशियल गोल के अनुसार होना चाहिए। अलग में अलग अलग एसेट क्लास अलग अलग साइकिल में मार्केट लीडर बन सकते हैं यानी उनका प्रदर्शन अलग अलग साइकिल में अलग अलग हो सकता है। ऐसे में अगर कभी डेट में गिरावट आती है तो इक्विटी उसे बैलेंस कर सकता है। वहीं इक्विटी या डेट में गिरावट को गोल्ड या कमोडिटी से बैलेंस किया जा सकता है।

ये फंड हैं बेस्ट विकल्प

साल 2024 जहां शेयर बाजार के लिए उतार चढ़ाव भरा साबित हो रहा है, मल्टी एसेट अलोकेशन म्यूचुअल फंड फोकस में हैं। इस साल अब तक मल्टी एसेट अलोकेशन फंड का एवरेज रिटर्न सेंसेक्स और निफ्टी इंडेक्स से ज्यादा रहा है। वहीं, हाइब्रिड कैटेगरीज में इस कैटेगरी का रिटर्न इस साल अब तक सबसे ज्यादा रहा है। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड निवेशकों को सिंगल इन्वेस्टमेंट के जरिए डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं। इनका निवेश इक्विटी, डेट, गोल्ड के अलावा रियल एस्टेट जैसे एसेट क्लास में होता है। इनकी यही खासियत निवेशकों को बेस्ट रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न प्रदान करने की क्षमता रखती है। इन फंडों का उद्देश्य कई एसेट क्लास में मल्टी-एसेट अलोकेशन के माध्यम से निवेश पोर्टफोलियो को बढ़ाना व डाइवर्सिफिकेशन लाना है।

किसे करना चाहिए निवेश

मल्टी-एसेट एलोकेशन म्यूचुअल फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प है, जिनकी जोखिम लेने की क्षमता कम है, लेकिन वे अपने निवेश पर स्टेबल रिटर्न चाहते हैं। वहीं, जो निवेशक अपने पोर्टफोलियो में अलग अलग प्रमुख एसेट क्लास में डाइवर्सिफिकेशन चाहते हैं, उनके लिए भी विकल्प बेहतर हैं।

1 साल से 10 साल में रिटर्न

मल्टी एसेट अलोकेशन फंड की बात करें तो इस कैटेगरी ने 1 साल, 3 साल, 5 साल और 10 साल में लगातार हाई रिटर्न दिया है। इन फंडों का एवरेज रिटर्न 1 साल में 26.43 फीसदी, 3 साल में 15.04 फीसदी, 5 साल में 13.81 फीसदी और 10 साल में 10.72 फीसदी रहा है। साल 2024 में अबतक इनका एवरेज रिटर्न करीब 4.23 फीसदी है, जो सेंसेक्स व निफ्टी की तुलना में ज्यादा है।

5 साल में टॉप स्कीम

- ■क्वांट मल्टी एसेट अलोकेशन फंड: 28.54%
- ■कोटक मल्टी एसेट अलोकेशन फंड एफओएफ : 20.49%
- ■आईसीआईसीआई प्रू मल्टी एसेट अलोकेशन फंड: 19.63%
- ■एबीएसएल फाइनेंशियल प्लानिंग एफओएफ एग्रेसिव: 15.78%
- ■एचडीएफसी मल्टी एसेट अलोकेशन फंड: 15%

बिटकॉइन, सोना, शेयर या बॉन्ड....किसमें करें निवेश

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

■ इस समय सभी एसेट्स ऑल-टाइम हाई के करीब कर रहे हैं ट्रेड
■ निवेशक हो रहे कन्फ्यूज क्या करें, क्या न करें, क्या रहेगा बढ़िया
■ सेंसेक्स और निफ्टी50 अपने उच्चतम स्तर के करीब पहुंचे
■ ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स भी बेहतर
■ सोना भी ऑल-टाइम हाई पर, पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी निवेश करें
■ बिटकॉइन सबसे रिस्की, लेकिन दे रहा सबसे ज्यादा रिटर्न

इस समय शेयर बाजार, सोना, बिटकॉइन समेत सभी एसेट्स अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। बिटकॉइन ने पिछले सप्ताह नया रिकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में निवेश कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। बाजार में हमेश रिस्क चलता रहता है। इसलिए कोई भी कदम उठाने से पहले एक बार अपने लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देख लें तो बेहतर होगा।

निवेशकों में आजकल कनफ्यूजन की स्थिति है। इसकी वजह यह है कि निवेश के सभी विकल्पों में तेजी दिख रही है। घरेलू शेयर बाजार अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। सोना भी अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। क्रिप्टो मार्केट में भी बहार आई हुई है। बिटकॉइन ने पिछले हफ्ते नया रेकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में इन्वेस्टर्स कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। हालांकि कहा जाता है कि म्युचुअल फंड पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। लेकिन इस समय निवेश के सभी विकल्प गुलजार हैं। ऐसे में सभी ज्यादा से ज्यादा लाभ लेना चाहते हैं और निवेश के लिए तमाम जतन कर रहे हैं। इ रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि जब हर तरह का बाजार बुलंदी पर हो तो क्या करना चाहिया या निवेश का कौना सा तरीका बेस्ट हो सकता है।

डेट

मीडियम-टर्म गोल के लिए डेट बेस्ट एसेट क्लास है। ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स पर ज्यादा रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इंटरेस्ट रेट में कमी आती है तो बॉन्ड की कीमतें बढ़ती हैं। इसमें ज्यादा जोखिम भी नहीं रहती है। जो निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, वे अपने पोर्टफोलियो का 40 परसेंट डेट में निवेश कर सकते हैं। इसी तरह 40 फीसदी इक्विटी में और बाकी 20 फीसदी दूसरे एसेट क्लास में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड

सोना भी ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। देश में इसका भाव 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है जो इसका नया रेकॉर्ड है। जानकारों की मानें को निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी सोने में निवेश करना चाहिए। पिछले 20 साल में गोल्ड ने 11 फीसदी से अधिक सालाना रिटर्न दिया है जबकि इस दौरान चांदी की सालाना रफ्तार नौ फीसदी रही है। हाल के वर्षों में चांदी ने सोने से बेहतर रिटर्न दिया है।

इक्विटी

प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी-50 अपने उच्चतम स्तर के करीब ट्रेड कर रहे हैं। जानकारों की मानें तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में सबसे ज्यादा इक्विटी में निवेश करना चाहिए। इसमें भी एसआईपी सबसे बेहतर विकल्प है। निवेशक के पोर्टफोलियो में 20 परसेंट पैसिव लार्ज-कैप फंड, 50 परसेंट फ्लेक्सी-कैप फंड और 30 परसेंट मिड-कैप फंड होना चाहिए। इससे आपके पोर्टफोलियो का डाइवर्सिफिकेशन होगा और जोखिम में संतुलन रहेगा।

बिटकॉइन

क्रिप्टोकरेंसीज की कीमत में हाल के दिनों में भारी तेजी देखने को मिली है। दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत पिछले हफ्ते ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। भारत में सरकार ने क्रिप्टोकरेंसीज को रेगुलेट नहीं किया है। ऐसे में जानकारों का कहना है कि क्रिप्टो में अपने पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी से ज्यादा निवेश नहीं करना चाहिए। हालांकि हाल के वर्षों में बिटकॉइन ने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है।

कितना कैश होना चाहिए

जानकारों का कहना है कि सारा पैसा निवेश करना सही नहीं है। आपात स्थिति के लिए आपके सेविंग अकाउंट में कम से कम छह महीने की जरूरत के लिए कैश होना चाहिए। शेयर मार्केट में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में गिरावट की आशंका है। निवेशक को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने की जरूरत है। आदर्श स्थिति देखें तो निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 50 फीसदी इक्विटी में, 20 परसेंट डेट में, 10 फीसदी गोल्ड में, 10 फीसदी कैश में, 5 फीसदी सिल्वर में और 5 फीसदी क्रिप्टो में निवेश करना चाहिए।

सुझाव कई स्कीमों ने 41 से 68% तक का सालाना रिटर्न दिया, एक साल में रिटर्न में स्मॉलकैप का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंडों से बेहतर

औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा, निवेशकों ने करोड़ों रुपये कमाए

स्मॉलकैप फंड निवेशकों को बना रहे धनवान, लेकिन सावधानी रखें

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

निवेश यानी बचत हर किसी को करनी चाहिए, क्योंकि इससे भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत होता है। बचत बच्चों की पढ़ाई, शादियों और बुढ़ापे में काफी मददगार साबित होते हैं। इसलिए हर किसी को अपनी कमाई का कम से कम 10 फीसदी तो जरूर बचत करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि इस बचत को सावधानी के साथ यदि म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाए तो अच्छा खास फंड बनाया जा सकता है। इन दिनों स्मॉलकैप शेयर काफी चर्चा में हैं। बीते 1 साल के दौरान इन्होंने आउटपरफॉर्म किया है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में करीब 65 फीसदी रिटर्न दिया है, जबकि लार्जकैप का रिटर्न 25 फीसदी रहा है, इस दौरान कई स्मॉलकैप स्टॉक में 100 फीसदी या इससे ज्यादा तेजी आई है। फिलहाल स्मॉलकैप की इस तेजी का फायदा म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी मिला है। बीते फाइनेंशियल ईयर में स्मॉलकैप फंड रिटर्न देने के मामले में इक्विटी कैटेगरी में नंबर 1 साबित हुए हैं। देखने में आ रहा है कि स्मॉलकैप फंड निवेशकों को मालामाल कर रहे हैं, लेकिन निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय करें और पोर्टफोलियों में डायवर्सिटी रखें इससे आपको नुकसान नहीं होगा। बाजार के जानकारों का कहना कि किसी भी एसेट्स में निवेश से पहले सावधानी बरतें, यानी जिस फंड में निवेश करने जा रहे हैं उसे एक बार अच्छे से जांच परख लें।

एक साल में रिटर्न देने के मामले में स्मॉलकैप फंड का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंड कैटेगरी से बेहतर रहा है। इनका औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इक्विटी कैटेगरी में 1 साल का औसत रिटर्न कितना रहा।

ऐसे समझें रिटर्न

- स्मॉलकैप फंड: 53 फीसदी
- मिडकैप फंड: 52.60 फीसदी
- लार्जकैप फंड: 41 फीसदी
- लार्ज एंड मिडकैप फंड: 44 फीसदी
- फ्लेक्सी कैप फंड: 39.67 फीसदी
- मल्टीकैप फंड: 45.62 फीसदी
- ईएलएसएस: 39.37 फीसदी
- वैल्यू ओरिएंटेड: 50 फीसदी
- (वित्त वर्ष 24: इन 30 इक्विटी स्कीम में 50 से 72% बढ़ा पैसा।)

टॉप परफॉर्म करने वाले म्यूचुअल फंड

- क्वांट स्मॉल कैप: 68%
- निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप: 57%
- इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप: 55%
- बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप: 51%
- एडलवाइस स्मॉल कैप: 50%
- एचएसबीसी स्मॉल कैप: 49%
- आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप: 43%
- एक्सिस स्मॉल कैप: 41%
- केनरा रोबेको स्मॉल कैप: 41%
- टाटा स्मॉल कैप: 41%

छोटी कंपनियों के शेयर क्यों चढ़े

जानकारों का कहना है कि मौजूदा वित्त वर्ष में सेंसेक्स की तुलना में छोटी कंपनी के शेयरों का बेहतर प्रदर्शन भारतीय घरेलू बाजार की गतिशील प्रकृति और निवेशकों को प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों को दर्शाता है। विश्लेषकों के अनुसार, छोटी कंपनियों के शेयर आमतौर पर स्थानीय निवेशकों द्वारा खरीदे जाते हैं, जबकि विदेशी निवेशक बड़ी कंपनियों के शेयर पर ध्यान केंद्रित करते हैं। निवेशकों के सेंटीमेंट में यह बदलाव भारत में मजबूत व्यापक आर्थिक स्थितियों से प्रेरित है। यह परंपरागत रूप से आर्थिक विस्तार की अवधि के दौरान छोटी कंपनियों के शेयरों में तेज ग्रोथ को बढ़ावा देता है।

क्या होते हैं स्मॉलकैप फंड

स्मॉलकैप फंड की बात करें तो ये मार्केट कैप के लिहाज से स्मॉल कैप कंपनियों के स्टॉक और इक्विटी-रिलेटेड विकल्पों में निवेश करते हैं। सेबी के अनुसार, मिड कैप कंपनियां, मार्केट कैपिटलाइजेशन में 250 से 500 के बीच रैंक की जाती हैं। ये फंड आमतौर पर लार्ज-कैप और मिडकैप फंडों की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं, लेकिन उनकी तुलना में इसमें अस्थिरता ज्यादा होती है। बाजार में गिरावट आने पर स्मॉलकैप में गिरावट दूसरे सेगमेंट की तुलना में ज्यादा हो सकती है। उसी तरह तेजी आने पर ये लार्जकैप या मिडकैप की तुलना में ज्यादा रिटर्न भी देते हैं। फाइनेंशियल एडवाइजर से सलाह ली जाए तो ये रिस्क और रिटर्न का सही संयोजन हो सकते हैं।

स्मॉलकैप फंड में कौन करे निवेश

अगर बाजार का रिस्क लेने को तैयार हैं और आपके निवेश का लक्ष्य 7 साल से 10 साल का है तो स्मॉलकैप फंड हाईरिटर्न पाने के लिए बेहतर विकल्प माने जाते हैं। लंबी अवधि तक निवेश बनाए रहने से बाजार का जोखिम कम हो जाता है। इनका एवरेज रिटर्न बेहतर हो जाता है। ऐसे में अगर युवा हैं और रिस्क लेने को तैयार हैं, तो आप फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह लेकर इन स्कीम में निवेश कर सकते हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	4	4	0	8
कोलकाता	3	3	0	6
चेन्नई	4	2	2	4
लखनऊ	3	2	1	4
हैदराबाद	4	2	2	4
पंजाब	4	2	2	4
गुजरात	4	2	2	4
बेंगलोर	4	1	3	2
दिल्ली	4	1	3	2
मुंबई	3	0	3	0

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
203 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

मुस्तफिजुर रहमान
07 विकेट
चेन्नई

बाउंड्री मीटर

541 चौके
339 छक्के

आईपीएल : सूर्यकुमार की वापसी से मुंबई मजबूत, दिल्ली भी जीत के लिए बेकरार

नई दिल्ली ▶▶| मुंबई

मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग में अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए रविवार को जब यहां एक दूसरे का सामना करेंगे तो निगाहें सूर्यकुमार यादव पर टिकी रहेंगी जो चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। मुंबई ने अभी तक अपने तीनों मैच गंवाए हैं और वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। दिल्ली की स्थिति भी अच्छी नहीं है तथा चार मैच में एक जीत से वह 10 टीमों की तालिका में नौवें स्थान पर है। इस तरह से दोनों टीम पर वापसी करने का दबाव है।

तीन महीने से थे बाहर

सूर्यकुमार इस मैच में वापसी कर सकते हैं तथा आईपीएल के तुरंत बाद होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। सूर्यकुमार चोटिल होने के कारण पिछले तीन महीने से बाहर हैं। उन्होंने शुक्रवार को अभ्यास सत्र में भाग लिया और वह किसी भी तरह से असहज नहीं दिख रहे थे।

हर विभाग में खराब प्रदर्शन

मुंबई की टीम ने अभी तक हर विभाग में खराब प्रदर्शन किया है। बल्लेबाजी में रोहित शर्मा और ईशान किशन ने उसे अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन यह दोनों बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे हैं। तिलक वर्मा और नमन धीर पर भी यह बात लागू होती है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन करके टीम को प्रेरित करने में नाकाम रहे हैं। उन्हें प्रशंसकों की नाराजगी भी झेलनी पड़ी है। जहां तक मुंबई के गेंदबाजी विभाग का सवाल है तो आकाश मधवाल को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

पंत को नहीं मिल रहा सहयोग

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने पिछले दो मैच में अर्धशतक जमाकर लय हासिल कर ली है लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल पा रहा है। पंत ने अभी तक चार मैच में 152 रन बनाए हैं। दिल्ली के गेंदबाजों ने पिछले मैच में बेहद खराब प्रदर्शन किया था। दिल्ली को डेविड वार्नर से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। उनके अलावा पृथ्वी भी वानखेड़े में अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

मयंक पर होगी निगाहें, जीत की हैट्रिक पूरी करने उतरेगा लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम रविवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर जीत की हैट्रिक लगाने की इरादे से मैदान पर उतरेगी। मयंक ने अपनी गति से अभी तक हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। पिछले दोनों मैच में उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। बल्लेबाजी विभाग में लखनऊ के पास क्विंटन डिकॉक और केएल राहुल के रूप में शानदार सलामी जोड़ी है। वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन और भारतीय ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या भी अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। गेंदबाजी में मयंक को नवीन उल हक, यश ठाकुर, मोहसिन खान, स्टोइनिस और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई से अधिक सहयोग की जरूरत है। लखनऊ की टीम तीन मैच में दो जीत से चौथे नंबर पर है जबकि शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात की टीम ने दो मैच जीते हैं और दो मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

कोहली पर भारी पड़े बटलर, राजस्थान ने आरसीबी को छह विकेट से हराया

- आईपीएल में राजस्थान की लगातार चौथी जीत
- बटलर ने छक्के से जिताया, शतक भी पूरा किया
- कोहली ने भी सीजन की पहली सेंचुरी जमाई

भाषा ▶▶| जयपुर

छक्के के साथ अपना शतक पूरा करके फॉर्म में लौटे जोस बटलर ने विराट कोहली के शतक को बेनूर कर दिया और राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को छह विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग की अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया।

रॉयल्स ने अब तक चार मैच खेले और चारों जीतकर शीर्ष पर है। वहीं, आरसीबी लगातार तीसरी हार के साथ आठवें स्थान पर खिसक गई है। कोहली ने अकेले किला लड़ाते हुए आईपीएल में रिकॉर्ड आठवां शतक जमाया लेकिन उनकी टीम तीन विकेट पर 183 रन ही बना सकी। अपना सौवां आईपीएल मैच खेल रहे बटलर ने यादगार पारी खेलकर आरसीबी के जीत के मंसूबों पर पानी फेर दिया। पिछली तीन पारियों में नाकाम रहे बटलर ने पांच गेंद बाकी रहते टीम को जीत दिलाई। उन्होंने आखिरी ओवर की पहली ही गेंद पर कैमरन ग्रीन को डीप स्क्वेयर लेग के ऊपर छक्का लगाकर टूर्नामेंट में अपना छठा शतक भी पूरा किया। अपनी 58 गेंद की पारी में उन्होंने नौ चौके और चार छक्के लगाये। कप्तान संजू सैमसन ने बटलर का बखूबी साथ निभाते हुए 148 रन की साझेदारी की। सैमसन ने 42 गेंद में 69 रन बनाये जिसमें आठ चौके और दो छक्के शामिल थे। रॉयल्स अब नेट रनरेट के आधार पर कोलकाता नाइट राइडर्स से ऊपर शीर्ष पर है। रॉयल्स के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल ने बीच के ओवरों में किफायती गेंदबाजी की। अश्विन ने चार ओवर में 28 रन दिये जबकि चहल ने 34 रन देकर दो विकेट चटकाये। इससे पहले कोहली ने अपनी पारी में शानदार पुल और फ्लिक लगाये। उन्होंने 72 गेंद में 113 रन बनाये और अब तक टूर्नामेंट में आरसीबी के कुल रनों का 38 प्रतिशत उन्हीं के बल्ले से निकला है। कोहली ने अपनी पारी में 12 चौके और तीन छक्के जड़े। कप्तान फाफ डु प्लेसी (33 गेंद में 44 रन) को छोड़कर उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल सका। कोहली ने 39 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और अगले 50 रन 28 गेंद में बनाये।

बैंगलोर

खिलाड़ी	रन
विराट कोहली नाबाद	113
डुप्लेसी का बटलर बो चहल	44
मैक्सवेल बो बर्गर	1
सौरव का जायसवाल बो चहल	9
कैमरन ग्रीन नाबाद	5
अतिरिक्त :	11

कुल योग : 20 ओवर में तीन विकेट पर 183 रन
विकेट पतन : 1-125, 2-128, 3-155
गेंदबाजी :

बोल्ट	3 . 0 . 30 . 0
बर्गर	4 . 0 . 33 . 1
अश्विन	4 . 0 . 28 . 0
आवेश	4 . 0 . 46 . 0
चहल	4 . 0 . 34 . 2
पराग	1 . 0 . 10 . 0

राजस्थान

खिलाड़ी	रन
यशस्वी का मैक्सवेल बो टॉपली	0
जोस बटलर नाबाद	100
सैमसन का दयाल बो सिराज	69
पराग का कोहली बो दयाल	4
ध्रुव जुरेल का कार्तिक बो टॉपली	2
शिमरोन हेटमायेर नाबाद	11

अतिरिक्त : तीन रन
कुल योग : 19 . 1 ओवर में चार विकेट पर 189 रन
विकेट पतन : 1-0 , 2-148, 3-155 , 4-164
गेंदबाजी :

टॉपली	4	0	27	2
दयाल	4	0	37	1
सिराज	4	0	35	1
डागर	2	0	34	0
ग्रीन	1	0	27	0
शर्मा	2	0	29	0

भारत को हॉकी में मिली करारी हार ऑस्ट्रेलिया ने 5-1 से जीता टेस्ट मैच

नई दिल्ली ▶▶| पर्थ

भारतीय पुरुष हॉकी टीम से उम्मीद की जा रही थी कि वह ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को कड़ी चुनौती देगी लेकिन शनिवार को यहां पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में ऐसा कुछ नहीं देखने को मिला और मेहमान टीम को 1-5 से करारी हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने खेल शुरू होने से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा।

भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में कुछ अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टॉम विकम (20वें, 38वें मिनट) ने दो गोल, जबकि टिम ब्रांड (तीसरे), जोएल रिंटाला (37वें) और फ्लिन ओगिलवी (57वें) ने एक-एक गोल किया। भारत के लिए एकमात्र गोल गुरजंत सिंह ने 47वें मिनट में किया। इन दोनों टीम के बीच रविवार को दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया पेरिस ओलंपिक की तैयारी के सिलसिले में यह श्रृंखला खेल रहे हैं।

क्वार्टर 1

तीसरे मिनट में गोल

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने खेल शुरू होते ही अपने इरादे जतला दिए थे और उसने तीसरे मिनट में ही पहला गोल कर दिया। ब्रांड को लंबा पास मिला और उन्होंने भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को छकाकर गोल दाग दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद भी भारतीय रक्षा पंक्ति को दबाव में रखा। उसने आठवें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन इस बार श्रीजेश ने अच्छा बचाव किया।

क्वार्टर 2

2-0 की बढ़त

भारतीय रक्षापंक्ति की गलती के कारण ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर के पांचवें मिनट में अपनी बढ़त 2-0 कर दी और मध्यांतर तक इसे बरकरार रखा। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे हाफ में भी अपना आक्रामक रवैया जारी रखा।

क्वार्टर 3

4-0 से आगे कंगारू

तीसरे क्वार्टर के सातवें मिनट में रिंटाला ने काइ विलोट के रिवर्स हिट को डिफलेक्ट करके गोल किया। विकम ने इसके तुरंत बाद दाएं कॉर्नर से करारा शॉट लगाकर अपना दूसरा और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से चौथा गोल किया। चार गोल से पिछड़ने के बाद भारतीयों ने कुछ तत्परता दिखाई लेकिन वह मौके बनाने में नाकाम रहे।

क्वार्टर 4

गुरजंत का सांत्वना गोल

ऑस्ट्रेलिया ने चौथे क्वार्टर के शुरू में पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारत ने इसके तुरंत बाद जवाबी हमला किया और मोहम्मद रहील के पास पर गुरजंत गोल करने में सफल रहे। भारत ने इसके बाद कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया की रक्षा पंक्ति में सेंध नहीं लगा सके। भारत ने इसके बाद लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन कप्तान हरमनप्रीत सिंह इन पर गोल नहीं कर पाए। ऑस्ट्रेलिया ने खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिसे ओगिलवी नेगोल में बदला।

खबर संक्षेप

पेगुला चार्ल्सटन ओपन के अंतिम-4 में पहुंची

चार्ल्सटन। शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने तीसरे सेट के टाईब्रेकर में चार मैच प्वाइंट बचाये और विक्टोरिया अजारेंका को 6-4, 3-6, 7-6 (7) से हराकर चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पेगुला फाइनल में जगह बनाने के लिए डारिया कसाटकिना से भिड़ेंगी जिन्होंने जैकलीन क्रिस्टियन को एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-7 (4), 6-2, 6-3 से पराजित किया।

भांबरी और ओलिवेटी सेमीफाइनल से बाहर

मराकेश। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी यहां एटीपी मराकेश ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रिया के लुकास मीडलर और अलेक्जेंडर एर्लर की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से हार कर बाहर हो गए। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी को एटीपी 250 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 5-7, 6-3, 7-10 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों टीमों ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी। मीडलर और एर्लर की जोड़ी ने पहला सेट जीता लेकिन भांबरी और ओलिवेटी ने दूसरा सेट जीतकर शानदार वापसी की। सुपर टाइब्रेकर में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन आखिर में मीडलर और एर्लर जीत दर्ज करने में सफल रहे।

हॉकी के पूर्व खिलाड़ियों ने सीखे विशेष गुर

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने कोचिंग में एकरुपता और निरंतरता लाने के उद्देश्य से पूर्व खिलाड़ियों के लिए एक नया कोचिंग कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें भारत के पूर्व ड्रैग फ्लिकर और गोलकीपर रुपिंदर पाल सिंह, वीआर रघुनाथ, एड्रियन डिसूजा और भरत छेत्री ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार इस विशेष कोचिंग कार्यक्रम का आयोजन हाई परफार्मेंस निदेशक हरमन क्रूज की देखरेख में बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण में किया गया। योगिता बाली, हेलेन मैरी, दीपिका मूर्ति, आकाश चिकटे, पीटी राव, पूर्व ड्रैग फ्लिकर गुरजिंदर सिंह और जसप्रीत कौर ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

अनुपमा और थारुन ने जीता अंतरराष्ट्रीय चैलेंज खिताब

नई दिल्ली ▶▶| अस्ताना

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अनुपमा उपाध्याय और थारुन मन्नेपल्ली ने शनिवार को उरालस्क में कजाखस्तान अंतरराष्ट्रीय चैलेंज टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब अपने नाम किए। अल्मोड़ा की 19 साल की अनुपमा ने पिछले महीने पोलिश अंतरराष्ट्रीय चैलेंज में जीत हासिल की थी। उन्होंने फाइनल में 41 मिनट में हमवतन इशारानी बरुआ पर 21-15, 21-16 से जीत दर्ज कर लगातार दूसरा खिताब हासिल किया। वहीं पिछले साल दिसंबर में गुवाहाटी में सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उपविजेता रहे 22 वर्षीय थारुन ने आठवें वरीय मलेशिया के सूंग जू वेन को 21-10, 21-19 से हराकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता। मिश्रित युगल के फाइनल में भारत के संजय श्रीवत्स धनराज और मनीषा के की जोड़ी को मलेशिया के वोंग टीएन सी और लिम चिव सिएन की जोड़ी से 21-9, 7-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

टेस्ट ओपनर के रूप में प्रदर्शन करने की जरूरत

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने स्वीकार किया कि टेस्ट क्रिकेट में पारी का आगाज करना चुनौती पूर्ण होता है लेकिन वह अपनी इस नई भूमिका में सफलता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डेविड वार्नर के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आस्ट्रेलिया ने स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के रूप में आजमाया लेकिन वह अभी तक इसमें सफल नहीं रहे हैं। उन्होंने ओपनर के रूप में अभी तक जो चार टेस्ट मैच खेले हैं उनमें 28.50 की औसत से रन बनाए हैं जबकि उनके करियर का औसत 56.27 है। स्मिथ ने कहा, 'मैं इन चीजों पर बहुत गौर नहीं करता। मुझे लगता है कि मैं अभी बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। हम कुछ मुश्किल विकेट पर खेले हैं विशेष कर ऐसे विकेट जिनमें नई गेंद मुश्किल पैदा करती रही है। यह चुनौती पूर्ण होता है।

मोंटे कार्लो : नागल ने 63वीं रैंकिंग पर काबिज कोबोली को दी मात

नई दिल्ली ▶▶| मोंटे कार्लो

भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में जीत से शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां क्वालीफायर में दुनिया के 63वें नंबर के खिलाड़ी इटली के फ्लेवियो कोबोली को सीधे सेटों में शिकस्त दी। गैर वरीय और 95वीं रैंकिंग पर काबिज भारतीय ने आठवीं वरीयता प्राप्त कोबोली पर 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। नागल अब अपने अंतिम क्वालीफायर मैच में अर्जेंटीना के दो खिलाड़ियों फाकुंडो डियाज अकोस्टा और डिएगो श्वार्टजमैन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। अकोस्टा 55वीं रैंकिंग के खिलाड़ी हैं जिन्हें तीसरी वरीयता मिली है जबकि श्वार्टजमैन 124वीं रैंकिंग पर है और वाइल्ड कार्ड धारी हैं। सात क्वालीफायर को मुख्य दौर में प्रवेश मिलेगा। भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू इबडेन (शीर्ष वरीय) की दुनिया की नंबर एक जोड़ी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

इंडिया के नं 1 तांत्रिक
गुरु भवानी जी
खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे
फोन पर गारंटिड लाभ

7 इल्मों के माहिर
आपके विश्वास का एक ही नाम
21 सालों से एक ही स्थान पर
स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण
ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार
रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया
पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन
छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि
9988289203

ज्योतिष

समस्या बताएं तुरंत समाधान पाये
नौकरी, व्यापार, मनचाहा प्यार, शादी, ग्रहकलेश, पति पत्नी में अनबन, सौतन–दुश्मनो से छुटकारा, मुकदमा रूठो को मनाना, तलाक में बाधा, बनते–बनते काम बिगड़ जाना, लव मैरिज आदि
दीपक शास्त्री
E-13, आर्य समाज रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली–59
8586896357

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार–पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

टी20 विश्व कप में चयन की संभावना पर बोले गांगुली

शानदार फॉर्म में हैं पंत, कुछ मैच हो जाने दीजिए

नई दिल्ली ▶▶| मुंबई

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने शनिवार को कहा कि ऋषभ पंत पूरी तरह से फिट हैं लेकिन वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चयन के लिए खुद को तैयार करने में उन्हें कुछ और समय दिया जाना चाहिए।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत ने दिसंबर 2022 की कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद आईपीएल के मौजूदा सत्र के जरिए वापसी की है। यह पूछने पर कि क्या पंत भारतीय टीम में चयन के लिए तैयार हैं, दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक गांगुली ने टीम के अभ्यास सत्र के बाद कहा, 'कुछ मैच हो जाने दीजिए। वह अच्छा खेल रहा है। विकेटकीपिंग, बल्लेबाजी सब कुछ अच्छा किया है। उसका फॉर्म शानदार है।

एक हफ्ता और बीत जाने दीजिए, फिर आपके सवाल का जवाब दे सकूंगा। यह भी देखना होगा कि चयनकर्ता उसे लेना चाहते हैं या नहीं। वह फिट है, पूरी तरह से फिट।' दिल्ली का सामना वानखेड़े स्टेडियम पर रविवार को मुंबई इंडियंस से होगा। गांगुली ने कहा कि वह टीम की गेंदबाजी से संतुष्ट है लेकिन एक अतिरिक्त बल्लेबाज की जरूरत है।

प्रशंसकों को हार्दिक की हूटिंग नहीं करनी चाहिए : गांगुली

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने शनिवार को मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की हूटिंग करने वाले प्रशंसकों की निंदा करते हुए कहा कि इसमें खिलाड़ी की कोई गलती नहीं है कि उन्हें उनके पसंदीदा रोहित शर्मा की जगह दी गई है। जब से मुंबई इंडियंस ने घोषणा की है कि पंड्या पांच बार की चैंपियन टीम की कप्तानी करेंगे तब से उन्हें प्रशंसकों के कोपभाजन का शिकार होना पड़ रहा है। अहमदाबाद में अपनी पिछली फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के कप्तान के तौर पर अपने पहले मैच में उनकी हूटिंग की गई। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के लिए जब वह हैदराबाद गए, तब भी यह सिलसिला जारी रहा।

गुजराती ने नाकामुरा को और गुकेश ने प्रगानानंदा को हराया

टोरंटो। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अमेरिका के हिकारू नाकामुरा की सभी रणनीतियों को नाकाम करते हुए जीत हासिल की जबकि आर प्रगानानंदा को हमवतन डी गुकेश से हार झेलनी पड़ी। पहले दौर में चार ड्रा के बाद शनिवार को दूसरे दौर की सभी चार बाजियों में नतीजे निकले। शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने अजरबेजान के निजात अबासोव को मात दी और रूस के इयान नेपोमनियाच्ची ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया। महिला वर्ग में आर वैशाली को चीन की झोंग्यी टैन से हार मिली जबकि रूस की एलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना ने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को पराजित किया।

एजेंसी, नई दिल्ली। लगभग चार दशक बाद अंटार्कटिका के लिए आने वाले पत्रों में अब एक नया पिन कोड एमएच-1718 होगा। डाक विभाग अंटार्कटिका में भारती अनुसंधान स्टेशन पर डाकघर की दूसरी शाखा खोलेगा। अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में दिया गया कोड प्रयोगात्मक है, जो एक नई शाखा शुरू होने का मानक है।

सोशल मीडिया के समय में महाद्वीप पर पहुंचेंगे पत्र

अंटार्कटिका में डाक विभाग खोलेगा दूसरी शाखा, भारतीय पिन कोड एमएच-1718 के नाम से लोग भेज सकेंगे पत्र

एनसीपीओआर को भेजे जाते हैं पत्र

अंटार्कटिका पर भारत के दो अनुसंधान अड्डे-मैत्री और भारती दोनों 3,000 किमी दूर स्थित हैं। ये दोनों शाखाएं विशेष रूप से गोवा पोस्टल डिविजन का हिस्सा हैं। डाक विभाग के एक अधिकारी ने कहा, "आम तौर पर अंटार्कटिका में डाकघर के लिए आने वाले पत्र गोवा में भारत के ध्रुवीय अभियानों के लिए नोडल एजेंसी राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) को भेजे जाते हैं। जब महाद्वीप के लिए एक वैज्ञानिक अभियान एनसीपीओआर से रवाना होता है, तो आमतौर पर एक शोधकर्ता को पत्रों की खेप ले जाने का काम सौंपा जाता है। अनुसंधान केंद्र पर पत्रों को 'रद्द' कर दिया जाता है, वापस लाया जाता है और डाक के माध्यम से वापस कर दिया जाता है।'

1984 में पहला डाकघर किया था स्थापित

1984 में अंटार्कटिका पर भारत की पहली चढ़ाई के तुरंत बाद बर्फीले महाद्वीप पर इसका पहला डाकघर दाक्षी गंगोत्री में स्थापित किया गया था। यह वहां देश का पहला वैज्ञानिक बेस था। एक साल के अंदर इस ऐतिहासिक डाकघर में लगभग 10,000 पत्र और मेल पोस्ट किए गए और 'रद्द' किए गए।

अंटार्कटिका केवल वैज्ञानिक खोजे के लिए है

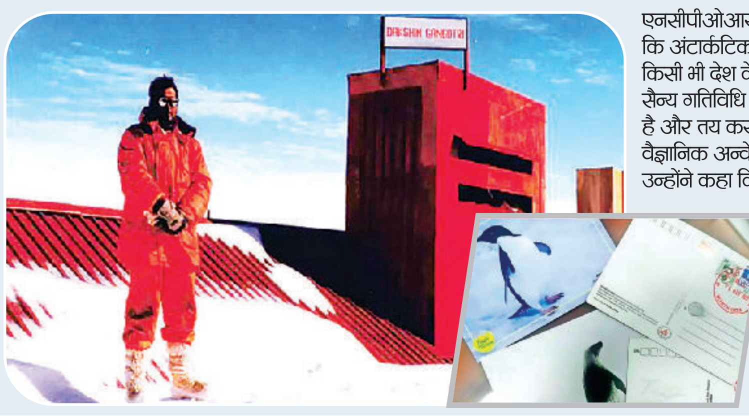

एनसीपीओआर के पूर्व वैज्ञानिक एम सुधाकर ने कहा कि अंटार्कटिका पर अटलांटिक संधि लागू है, जो किसी भी देश के क्षेत्रीय दावों को अलग रखता है और सैन्य गतिविधि या परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध लगाता है और तय करता है कि महाद्वीप का उपयोग केवल वैज्ञानिक अन्वेषण के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर, एक भारतीय डाकघर केवल भारतीय भूमि के अधिकार क्षेत्र में ही हो सकता है। अंटार्कटिका एक ऐसी भूमि पर भारतीय डाकघर खोलने का अनूठा अवसर देता है जो विदेशी है और हमारी नहीं है। इसलिए यह महाद्वीप पर मौजूदगी का दावा करने के बारे में एक रणनीतिक उद्देश्य पूरा करता है।

छाप एकत्र करने का दुर्लभ अवसर

अंटार्कटिका में भारत की डाकघर शाखाओं में अधिकतर पत्र डाक टिकट संग्रह के शौकीनों और संग्रहकर्ताओं द्वारा भेजी जाती है। गोवा क्षेत्र के डाक सेवा निदेशक आरपी पाटिल ने कहा कि डाक टिकटों के संग्रहकर्ता इसे दूरस्थ डाकघर स्थान से टिकट की 'छाप' एकत्र करने के एक दुर्लभ अवसर के रूप में देखते हैं। डाक टिकट संग्रहकर्ताओं की ओर से पत्रों को रद्द करने की हमेशा उच्च मांग रहती है। एनसीपीओआर गोवा के निदेशक डॉ. थंबन मेलोथ ने कहा कि अंटार्कटिका जाने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए डाक टिकट प्राप्त करना एक अनुभव है।

वैज्ञानिक अपने परिवारों को पत्र भेजें

इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ते हुए मुख्य पोस्टमास्टर जनरल महाराष्ट्र सर्कल केके शर्मा ने अंटार्कटिका में वैज्ञानिकों से अपील की कि वे अपने परिवारों और दोस्तों को पत्र पोस्ट करना जारी रखें। शर्मा ने कहा कि इन डाकघरों (दूरस्थ स्थानों में) को लेकर हमेशा बहुत उत्साह रहता है। आजकल व्हाट्सएप और ट्विटर ने इस सब (तकनीक) पर कब्जा कर लिया है। लेकिन लिखित शब्द को कोई हरा नहीं सकता। खासकर जब आप अपने परिवार से इतनी दूर बैठे हों। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि कृपया इस शानदार अवसर का उपयोग करें, और अपने प्रियजनों को पत्र लिखें। आप यादें बना सकते हैं और वे भौतिक रूप में आपके साथ रहेंगी।

ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट पर विदेश मंत्रालय का पलटवार

'टारगेट किलिंग' भारत सरकार की नीति नहीं है, यह बात पूरी झूठी और दुर्भावनापूर्ण

भारतीय विदेश मंत्रालय ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के हवाले से ब्रिटेन के दैनिक 'द गार्जियन' की एक रिपोर्ट में कही गई उन बातों को खारिज किया है जिसमें भारत पर आतंकवादियों को खत्म करने के लिए पाकिस्तान में टारगेट किलिंग करने का आरोप लगाया गया है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने ब्रिटेन के दैनिक 'द गार्जियन' की एक रिपोर्ट में कही गई उन बातों को खारिज किया है जिसमें भारत पर आतंकवादियों को खत्म करने के लिए पाकिस्तान में टारगेट किलिंग करने का आरोप लगाया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसे 'झूठा और दुर्भावनापूर्ण भारत विरोधी प्रचार' कहा है। उसने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के कथन का हवाला दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'अन्य देशों में लक्षित हत्याएं' भारत सरकार की नीति नहीं है।'

विदेश मंत्रालय के इनकार का जिक्र द गार्जियन की रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली ने उन लोगों को निशाना बनाने की नीति लागू की है जिन्हें वह भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण मानता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2019 के पुलवामा हमले के बाद से भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ द्वारा करीब 20 इस तरह की हत्याएं की गईं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि यह पाकिस्तान द्वारा दिए गए सबूतों और सीमा के दोनों ओर के खुफिया अधिकारियों के इंटरव्यू पर आधारित है।

भारत को परेशान करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देंगे

खास बातें

- भारत में आतंकी गतिविधियां करने वालों को नहीं छोड़ेंगे
- आतंकवाद से निपटने के लिए भारत दुनिया का नेतृत्व करने में सक्षम

आतंकवाद दुनिया के लिए बड़ी चुनौती: योगी

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक चुनाव रैली में ब्रिटेन के एक अखबार की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकवाद दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है और केवल भारत ही इस खतरे से निपटने में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। योगी आदित्यनाथ ने यह टिप्पणी सहारनपुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए की।

20 हत्याओं को दिया अंजाम

द गार्जियन की रिपोर्ट में कहा गया कि 2019 के पुलवामा हमले के बाद से भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ ने 20 हत्याओं की वारदातों को अंजाम दिया। बताया गया कि पाकिस्तान द्वारा दिए गए सबूतों और सीमा के दोनों ओर के खुफिया अधिकारियों के इंटरव्यू पर ही ये रिपोर्ट आधारित है। द गार्जियन की रिपोर्ट में ये भी जिक्र है कि भारत ने उन लोगों को निशाना बनाने की नीति लागू की जिन्हें वह भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण मानता है।

भारत मूकदर्शक बनकर नहीं रहेगा

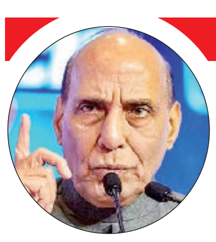

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कोई भी आतंकी हमारे पड़ोसी देश से यदि हमारे भारत को परेशान करने की कोशिश करेगा, यहां पर आतंकवादी हरकतें करेगा, तो उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। भारत अब मूकदर्शक नहीं रहेगा। राजनाथ बोले प्रधानमंत्री ने जो भी कहा है वह बिल्कुल सच है। भारत के पास वह ताकत है, और पाकिस्तान को भी इसका एहसास होने लगा है।

भारत ने किसी पर हमला नहीं किया

राजनाथ सिंह ने कहा कि इतिहास उठाकर देख लीजिए। हमने आज तक दुनिया के किसी भी देश पर हमला नहीं किया और न ही किसी देश की एक इंच जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। यही भारत की प्रकृति रही है। लेकिन अगर कोई भारत पर बार-बार आंखें दिखाता है, भारत आकर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने की कोशिश करता है, तो हम उन्हें नहीं छोड़ेंगे।

47 में से भारत समेत 42 देशों ने यूएन में दिया समर्थन

फिलिस्तीनियों के 'मूलभूत अधिकार' की मांग के पक्ष में किया मतदान, 3 देश रहे दूर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने 'फिलिस्तीनी लोगों के आत्म-निर्णय के अधिकार' पर मसौदा प्रस्ताव पारित किया जिसमें भारत समेत 42 सदस्य देशों ने उसके पक्ष में मतदान किया। परिषद के 47 सदस्यों में से दो देशों अमेरिका और पराग्वे ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया जबकि अल्बानिया, अर्जेंटीना और कैमरून मतदान से दूर रहे।

प्रस्ताव में 'स्वतंत्रता, न्याय और सम्मान से रहने के फिलिस्तीनी लोगों के अधिकार और स्वतंत्र फिलिस्तीन देश के अधिकार समेत उनके आत्म-निर्णय के अपरिहार्य, स्थायी और पूर्ण अधिकारों' की पुष्टि की गई है। इसमें फिलिस्तीन संघर्ष के उचित, व्यापक और स्थायी शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

UNITED NATIONS HUMAN RIGHTS COUNCIL

युद्ध विराम से बनाई दूरी

वहीं, दूसरी ओर भारत ने उस प्रस्ताव से दूरी बना ली जिसमें गाजा में तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया गया और यह भी मांग की गई कि इजराइल गाजा पट्टी से अपनी अवैध नाकाबंदी तुरंत हटा ले। भारत सहित 13 देश अनुपस्थित रहे।

द्वि-राष्ट्र समाधान का समर्थन किया

प्रस्ताव में फिलिस्तीन और इजराइल के शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से रहने के द्वि-राष्ट्र समाधान का भी समर्थन किया गया है जबकि एक दूसरे प्रस्ताव में गाजा में तत्काल युद्धविराम और इजराइल गाजा पट्टी से नाकाबंदी हटाने पर मतदान से कई देश अनुपस्थित रहे। 'पूर्वी यरूशलम सहित अधिकृत फिलिस्तीनी क्षेत्र में मानवाधिकार की स्थिति और जवाबदेही एवं न्याय सुनिश्चित करने के दायित्व' पर पक्ष में 28 मत पड़े।

टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट का बड़ा खुलासा

भारत में चुनाव प्रभावित कर सकता है चीन 'एआई' से वोटर्स

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी दी है कि चीन भारत में होने वाले लोकसभा चुनाव में रुकावट डालने की कोशिश करेगा। चीन ने ऐसा ही कुछ जनवरी में ताइवान में हुए चुनाव में भी किया था। माइक्रोसॉफ्ट की थ्रेट इंटेलिजेंस टीम ने कहा कि चीन एआई के जरिए वोटरों का पॉलिटिकल पार्टियों की तरफ झुकाव बदलने या उन्हें भटकाने करने की कोशिश करेगा। चीन सोशल मीडिया पर स्वयं की छवि बदलने की कोशिश करेगा।

63 देशों में संसदीय-राष्ट्रपति चुनाव

2024 दुनिया के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे अहम साल साबित होने जा रहा है। इस साल 63 देशों (और यूरोपीय यूनियन) में राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव होंगे। दुनिया की कुल आबादी का 49% हिस्सा वोटिंग राइट्स का इस्तेमाल करेगा। चीन अपने हितों को फायदा पहुंचाने के लिए एआई प्रयोग करेगा।

कनाडा में चुनाव का मामला

दूसरे देशों में हस्तक्षेप करना भारत की नीति नहीं

एजेंसी ⏭ ओटावा

कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) के आरोपों को भारत ने सिरे ने खारिज कर दिया है। मुख्य मुद्दा यह है कि नई दिल्ली के आंतरिक मामलों में ओटावा का हस्तक्षेप कर रहा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल कहा था कि हमने कनाडाई आयोग की जांच के बारे में मीडिया रिपोर्टें देखी हैं। हम कनाडा के चुनावों में भारतीय हस्तक्षेप के सभी निराधार आरोपों को दृढ़ता से खारिज करते हैं।

कनाडाई खुफिया विभाग लगाए यह आरोप

सीएसआईएस ने दस्तावेजों में आरोप लगाया कि 2021 में, कनाडा में भारत सरकार का एक सरकारी प्रॉक्सी एजेंट था, जिसका चुनावों में हस्तेक्षप करने का इरादा था। 2009 में कनाडा में पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों ने कनाडाई संघीय राजनीति को गुप्त रूप से प्रभावित करने का प्रयास किया, जिससे कनाडा में पाकिस्तानी सरकार के हितों को आगे बढ़ाया जा सके।

दुनियाभर में मनाया जा रहा है 74वां विश्व स्वास्थ्य दिवस

'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' थीम को लेकर करेंगे जागरूक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा प्रतिवर्ष 07 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है।

इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति और स्वास्थ्य को लेकर जागरूक करना है। पूरी दुनिया इस साल 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' थीम के साथ 74वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है।

खास बातें

- हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी

दुनियाभर में बढ़ रही है गैर-संचारी स्वास्थ्य

चिंता की बात है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं।

दुनिया के 30 प्रतिशत आबादी के पास नहीं है बुनियादी स्वास्थ्य उपचार

यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं।

सेहत को बढ़ावा देना जरूरी

विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाए जाने की शुरुआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 07 अप्रैल 1950 से शुरू किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद 1950 में पहली बार 07 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण रूप से स्वस्थ रहे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109